खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 12 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-160

ट्रंप 'हमले' टले

ईरान के साथ समझौते पर सहमति

नयी दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जानकारी दी है कि ईरान के नेताओं से बातचीत के बाद ईरान पर निर्धारित हमलों को रद्द कर दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ईरान के साथ हुई बातचीत को ईरानी नेतृत्व के उच्च स्तर तक पहुंचाने और उसे मंज़ूरी मिलने के आधार पर, मैंने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में आज शाम ईरान पर होने वाले निर्धारित हमलों और बमबारी को रद्द कर दिया है।

ट्रंप ने आगे बताया कि चर्चाओं और अंतिम बिंदुओं को सभी पक्षों द्वारा मंजूर कर दिया गया है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, इजरायल, सऊदी अरब, यूएई (संयुक्त अरब अमीरात), कतर, तुर्की, पाकिस्तान, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, मिस्र और अन्य देश शामिल हैं। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि नौसैनिक नाकेबंदी तब तक पूरी तरह से लागू रहेगी जब तक कि यह सौदा अंतिम रूप से पूरा नहीं हो जाता। इस पर हस्ताक्षर करने के समय और स्थान की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

इससे पहले फारस की खाड़ी और पूरे पश्चिम एशिया में तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन हुए हमलों ने क्षेत्र को व्यापक युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अमेरिकी सेना ईरान पर बहुत घातक हमले करेगी और उसके तेल उद्योग की रीढ़ खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लेगा। पलटवार करते हुए ईरान की संसदीय राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम रेजाई ने कहा कि अमेरिका को पहले से कहीं अधिक कड़े और दर्दनाक जवाब का सामना करना पड़ेगा। तेहरान का आरोप है कि हालिया अमेरिकी हमलों ने अप्रैल में हुए संघर्षविराम को लगभग बेमतलब बना दिया है। इस बीच, कतर की मध्यस्थता से दोनों पक्षों के बीच परोक्ष संपर्क जारी रहने की खबरें भी हैं। ▶8पर

पेंटागन में लॉकडाउन

खतरनाक पदार्थ की आशंका, अफरा-तफरी

वाशिंगटन, 11 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी रक्षा विभाग के ऑफिस से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। यहां इमरजेंसी अलर्ट जारी किया गया है। पेंटागन के कुछ हिस्सों को फिलहाल बंद कर दिया गया है। यहां एक रेस्क्यू टीम भी पहुंची है। यह खतरनाक प्रदार्थों में निपटने में सक्षम टीम बताई जा रही है। कार्यालय के कई फ्लोर को खाली किया गया है। साथ ही गैस मास्क पहनकर टीम पहुंची हुई है। इस रिपोर्ट के तहत कहा गया है कि वहां हैजमेट से जुड़ी घटना घटी है। इसका मतलब होता है, खतरनाक सामग्री। यह ऐसे खतरनाक प्रदार्थ हैं, जिससे मनुष्य, पर्यावरण और प्रॉपर्टी को भारी नुकसान पहुंचा जा सकता है। इस पूरे मामले में पेंटागन के प्रवक्ता ने बताया कि इमारत की सुरक्षा व्यवस्था को एयर क्वालिटी से जुड़ी समस्या का पता लगा है। इस वजह से पूरी बिल्डिंग में लॉकडाउन लगाया गया है। इसमें सुरक्षा को लेकर जरूरी प्रोटोकॉल की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। साथ ही फंसे हुए लोगों को सुरक्षित रहने को कहा जा रहा है। ▶8पर

3 दिन, 3 जहाजों पर हमला, 3 भारतीयों की मौत

होर्मुज में अमेरिकी दादागिरी !

नयी दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां) पश्चिम एशिया के जलक्षेत्र खासकर होर्मुज स्ट्रेट और ओमान की खाड़ी पिछले तीन दिनों में भारतीय नाविकों के लिए काफी खतरनाक हो गए हैं। अमेरिका ने यहां दादागीरी करते हुए 72 घंटे में तीन ऐसे जहाजों पर हमला किया है जिस पर भारतीय नाविक सवार थे। 10 जून को हुए एक हमले में तो तीन भारतीय नागरिकों की जान चली गई।

अभी भी सैकड़ों भारतीय सैलर्स इस वक्त इस खतरनाक पानी में फंसे हुए हैं, जहां हर गुजरता जहाज मिसाइल या ड्रोन का निशाना बन सकता है। पिछले कुछ हफ्तों से ईरान ने होर्मुज को सख्त नियंत्रण में ले लिया है, जबकि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक ब्लॉकेड लगा दिया है। इसके तहत अमेरिका यहां से गुजरने वाले जहाजों पर मनमानी हमले कर रहा है।

पहला हमला 8 जून को ओमान के दक्षिण-पूर्वी तट पर हुआ। यहां अमेरिकी नेवी ने अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित टैंकर 'मैरीवेक्स' पर मिसाइल से हमला किया। इस जहाज के क्रू मेंबर में 24 भारतीय थे। गनीमत ये रही कि इस हमले में किसी भारतीय की जान नहीं गई। यूएस सेंटकाम के मुताबिक, जहाज ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहा था और चेतावनी के बावजूद रुकने से इनकार कर दिया। हमले में जहाज की इंजीनियरिंग और स्टीयरिंग सिस्टम क्षतिग्रस्त हो गए और इसमें आग लग गई।

9-10 जून को अमेरिकी नेवी ने फिर से मनमानी की। अमेरिका ने ओमान तट के पास एमटी सेटेबेलो नाम के ऑयल टैंकर पर हमला किया। इस जहाज पर 24 इंडियन क्रू के सदस्य मौजूद थे। इनमें से 21 को बचा लिया गया, लेकिन तीन भारतीय नाविक लापता हो गए। बाद में भारत सरकार ने इन तीनों नाविकों के मौत की पुष्टि की है। हालांकि अमेरिकी नेवी के पास इस जहाज पर हमला करने के बजाय इसे कब्जे में भी लेने का विकल्प था। अमेरिका क्रू मेंबर्स को अरेस्ट भी कर सकता था। ▶8पर

UNSC में पाक-चीन को मुंह की खानी पड़ी
BLA को 'आतंकी' घोषित नहीं करा पाये

नयी दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान और चीन को मुंह की खानी पड़ी है। दोनों देश बीएलए और मजीद ब्रिगेड को आतंकी नहीं घोषित करा सके। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसकी सहयोगी इकाई मजीद ब्रिगेड को संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक आतंकवादी सूची में शामिल करने के प्रस्ताव को रोक दिया।

यह प्रस्ताव पाकिस्तान और चीन ने संयुक्त रूप से पिछले वर्ष सितंबर में सुरक्षा परिषद की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति के सामने रखा था। डिप्लोमैटिक सोर्स की मानें तो इस महीने संयुक्त राष्ट्र में इस प्रस्ताव पर विचार किया गया, लेकिन सुरक्षा परिषद के तीन स्थायी और वीटो अधिकार प्राप्त सदस्य देशोंअमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने इसे आगे बढ़ने से रोक दिया। इससे पाकिस्तान और चीन की वह कोशिश फिलहाल सफल नहीं हो सकी, जिसके तहत दोनों संगठन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित आतंकी संगठनों की सूची में शामिल हो जाते।

पाक ने संरा में उठाया था मुद्दा

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने हाल ही में सुरक्षा परिषद की बैठक में दावा किया था कि अफगानिस्तान की धरती पर कई आतंकी संगठन सक्रिय हैं। उन्होंने कहा था कि इस्लामिक स्टेट खुरासान , अल-कायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान , ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट , बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड जैसे संगठन अफगानिस्तान में मौजूद ठिकानों से संचालित हो रहे हैं। अहमद ने कहा था कि अफगानिस्तान में 60 से अधिक ऐसे आतंकी शिविर मौजूद हैं, जहां से सीमा पार घुसपैठ और हमलों की योजना बनाई जाती है। उन्होंने सुरक्षा परिषद से अपील करते हुए कहा था कि पाकिस्तान और चीन ने संयुक्त रूप से बीएलए और मजीद ब्रिगेड को प्रतिबंधित घोषित करने का प्रस्ताव दिया है और उम्मीद है कि परिषद इस पर शीघ्र कार्रवाई करेगी। ▶8पर

ममता बनर्जी को 'हाई'कोर्ट झटका

ऋतब्रत ही नेता प्रतिपक्ष

कोलकाता, 11 जून (एजेंसियां) पश्चिम बंगाल में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी को लेकर घमासान जारी है। कलकत्ता हाईकोर्ट की ओर से ममता बनर्जी को बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट की ओर से टीएमसी की याचिका पर तत्काल राहत नहीं दी गई है। हाईकोर्ट ने नेता प्रतिपक्ष नियुक्ति पर फिलहाल कोई स्टे लगाने से इनकार कर दिया है। यानी ऋतब्रत बनर्जी नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे। पश्चिम बंगाल में मौजूदा समय में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। टीएमसी सत्ता से जा चुकी है। विधानसभा में जो पार्टी सत्ता में होती है, उसके मुखिया मुख्यमंत्री होते हैं। लेकिन विपक्ष का भी एक मुखिया होता है, जिसे नेता प्रतिपक्ष कहते हैं। इसी पद को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विधानसभा के स्पीकर हैं रथिंद्रनाथ बोस। अब तक नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सोवनदेब चट्टोपाध्याय के पास थी। लेकिन स्पीकर रथिंद्रनाथ बोस ने एक बड़ा फैसला लेते हुए ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष मान लिया और उन्हें इस पद की मान्यता दे दी। अब सवाल यह है कि ऋतब्रत बनर्जी हैं कौन? वो TMC यानी तृणमूल कांग्रेस के नेता ही हैं। लेकिन चुनाव में मिली हार के बाद उन्होंने अपनी ही पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी। टीएमसी को यह फैसला बिल्कुल मंजूर नहीं हुआ। पार्टी का कहना है कि नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति स्पीकर अपनी मर्जी से नहीं कर सकते। ▶8पर

मोदी को फ्रांस का वेलकम गिफ्ट

राफेल मेक इन इंडिया

नयी दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फ्रांस यात्रा से पहले भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रगति सामने आई है। फ्रांस ने स्पष्ट किया है कि वह राफेल लड़ाकू विमानों के लिए तकनीक हस्तांतरण और भारतीय हथियारों के एकीकरण को लेकर पूरी तरह सहज है। ▶8पर

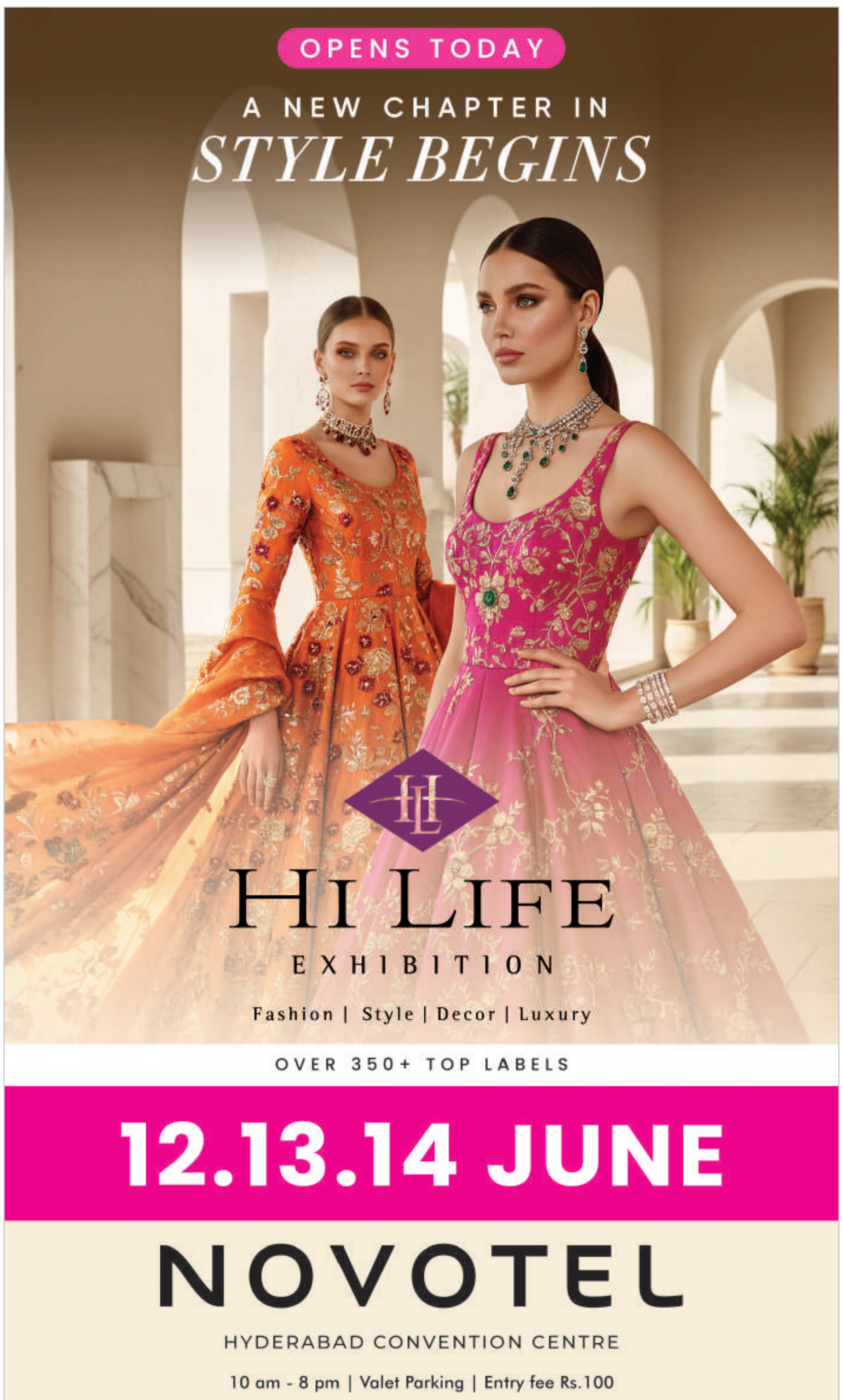

रामलला के 7 करोड़ गायब

पीएमओ मांगे रिपोर्ट, चंपत टार्गेट

अयोध्या, 11 जून (एजेंसियां) अयोध्या राम मंदिर में आए चढ़ावे में 7 करोड़ रुपए की चोरी के दावे पर सियासत जारी है। खुद को मंदिर का पूर्व लेखा प्रभारी बताने वाले महिपाल सिंह ने समाचार एजेंसी से कहा कि मंदिर में चोरी कोई नई बात नहीं थी, यह रोजाना होती थी। मैंने खुद चोरी पकड़ी थी। उन्होंने बताया कि इसकी शिकायत राम मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय और मेंबर गोपाल जी से की थी। अगले ही दिन चंपत राय ने मुझे हटा दिया। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की 8 महीने पुरानी फुटेज डिलीट करवा दी गई। ▶8पर

बांग्लादेश में भारत विरोधी रैलियों की बाढ़

जमात ने खोला मोर्चा

नयी दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां) बांग्लादेश की जमात-ए-इस्लामी और उसके साथ जुड़े 11 विपक्षी दलों ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। इस गठबंधन में शेख हसीना विरोधी छात्र आंदोलन से निकली नेशनल सिटिजन पार्टी भी शामिल है। इन दलों का आरोप है कि भारत लोगों को जबरन सीमा पार भेज रहा है और सीमा के पास बांग्लादेशी नागरिकों की मौत हो रही है। इस विरोध कार्यक्रम की घोषणा जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान की ओर से की गई।

गठबंधन ने कहा है कि 12 जून को बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों और प्रमुख सीमा चौकियों पर विरोध रैलियां होंगी। इसके बाद 15 जून को राजधानी ढाका में बड़ी रैली और जुलूस निकाला जाएगा।

गठबंधन ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी सरकार भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि भारत लोगों को जबरन सीमा पार भेजने की कोशिश कर रहा है। साथ ही यह भी दावा किया कि भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गोलीबारी में बांग्लादेशी नागरिक मारे गए हैं। भारतीय सीमा की ओर मार्च का ऐलान ऐसे समय हुआ है, जब कथित पुश-इन का मुद्दा बांग्लादेश में बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। पुश-इन से मतलब बांग्लादेश के उस आरोप से है कि भारत लोगों को जबरन सीमा पार बांग्लादेश भेज रहा है। ▶8पर

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चीन में मिला शिकारी डायनासोर का करोड़ों साल पुराना जीवाश्म

बीजिंग

चीन में शिकारी डायनासोर का लगभग 120 मिलियन साल पुराना जीवाश्म मिला, जिसे वैज्ञानिकों ने जियान चांग्माएंसिस नाम दिया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह खतरनाक जीव दुनिया के सबसे डरावने विलोसिरेप्टर डायनासोर का रिश्तेदार था, लेकिन इसकी सबसे विशिष्ट पहचान इसके चार पंख और एक लंबी पूंछ थी। चीन के चांग्मा बेसिन में मिले इस बेहद अनोखे जीवाश्म ने प्राचीन पारिस्थितिकी के एक बड़े रहस्य को उजागर किया है। यह जीवाश्म एक शिकारी डायनासोर का है। यह बाज की तरह ताकतवर उड़ान भरने में सक्षम नहीं था, बल्कि एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर उड़ती गिलहरी की तरह ग्लाइड करता था, अपने शिकार पर अचानक झपट्टा मारने के लिए। चांग्मा बेसिन का यह इलाका सालों से प्राचीन पक्षियों के अजीबोगरीब जीवाश्मों के लिए जाना जाता रहा है। वैज्ञानिक लंबे समय से इस बात से हैरान थे कि इन पक्षियों को कौन सा शिकारी खाता था। उल्लू के उगले हुए भोजन के टुकड़ों जैसे दिखने वाले इन अवशेषों ने वैज्ञानिकों को हमेशा परेशान किया था। अब इस नए मांसाहारी डायनासोर की खोज ने सदियों पुराने इस बड़े रहस्य को पूरी तरह सुलझा दिया है। फील्ड म्यूजियम की एसोसिएट क्यूरेटर जिंगमाई ओ कानर ने बताया, यह उस साइट पर मिला इकलौता मांसाहारी जीव है जो पक्षी नहीं था। यह खोज न केवल एक नए डायनासोर को दुनिया के सामने लाती है, बल्कि उस समय के खाद्य श्रृंखला को भी समझने में मदद करती है। जियान चांग्माएंसिस नाम चीनी लोककथाओं के एक पंख वाले पौराणिक जीव से प्रेरित है। यह डायनासोर माइक्रोरेप्टर ग्रुप से संबंध रखता था, जिसके शिकारी जीव आमतौर पर कौवे के आकार के बहुत छोटे और फुर्तीले होते थे। हालांकि, जियान चांग्माएंसिस अपने समूह के बाकी जीवों से आकार में काफी बड़ा था। वैज्ञानिकों को अभी तक इसके ऊपरी हाथ का केवल एक हिस्सा ही मिला है, जिसके आधार पर उन्होंने अनुमान लगाया है कि इस डायनासोर के पंखों का फैलाव करीब चार फीट का रहा होगा। यह आकार आज के समय के एक बड़े बारन उल्लू के बराबर है, जो इस जीव की प्रभावशाली शारीरिक संरचना को दर्शाता है। बड़े आकार के बावजूद, यह अपने छोटे रिश्तेदारों जैसा ही दिखता था। शोधकर्ताओं के अनुसार, जियान की शारीरिक बनावट बहुत ही अनोखी थी, जो इसे हवा में ग्लाइड करने में मदद करती थी। इसके आगे के दोनों हाथों पर बड़े पंख मौजूद थे, और इसके पीछे के दोनों पैरों पर भी छोटे पंख विकसित थे। इन चार पंखों की मदद से यह आसमान में ऊंची उड़ान भरने की ताकत नहीं रखता था, बल्कि जिंगमाई ओ कानर के शब्दों में, जियान असली उड़ान भरने में सक्षम नहीं था, बल्कि यह सिर्फ उड़ती गिलहरी की तरह ग्लाइड करता था। यह अपने शिकार पर अचानक ऊपर से झपट्टा मारता था, और इसके पंख हवा में संतुलन बनाने तथा दूरी तय करने के काम आते थे।

न्यूज ब्रीफ

गोताखोर के अचानक सामने आ गई सबसे खतरनाक शार्क और फिर....

रोम। भूमध्य सागर की असीम गहराइयों में काम कर रहे एक गोताखोर के लिए हाल ही में एक ऐसा पल आया, जो किसी रोमांचक फिल्मी दृश्य से कम नहीं था। समुद्र की सतह से करीब 132 फीट से अधिक की गहराई पर एक डूबे हुए जहाज के मलबे के पास, पुराने और लावारिस पड़े मछली पकड़ने के जालों को हटाते समय एक गोताखोर का सामना अचानक दुनिया के सबसे खतरनाक समुद्री जीवों में से एक, विशाल ग्रेट वाइट शार्क से हो गया। यह अविश्वसनीय घटना तब हुई जब डच गोताखोर डर्क रेमर्स अपने साथी के साथ समुद्र में छोड़े गए पुराने और खतरनाक घोस्ट नेट्स (भूतिया जालों) को साफ करने के एक विशेष मिशन पर थे। ये लावारिस जाल अक्सर समुद्री जीवों के लिए जानलेवा साबित होते हैं और रेमर्स की टीम इन्हें हटाकर समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने का काम करती है। मई महीने के दौरान जब यह टीम गहरे पानी में मलबे की सफाई कर रही थी, तभी अचानक विशालकाय शार्क उनके बिल्कुल करीब आ गई। इस अप्रत्याशित दृश्य को देखकर कुछ पलों के लिए गोताखोर पूरी तरह हैरान रह गए। रेमर्स ने बाद में अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उस नाजुक वक्त में उनके दिमाग का एक हिस्सा कह रहा था कि इंसान आमतौर पर शार्क का शिकार नहीं बनते, लेकिन दूसरा हिस्सा बस यही दुआ कर रहा था कि शार्क को भी यह बात अच्छी तरह पता हो। हालात की गंभीरता और इस दुर्लभ पल के महत्व को समझते हुए रेमर्स ने तुरंत अपना वाटरप्रूफ कैमरा चालू कर दिया, क्योंकि उन्हें डर था कि यदि उन्होंने इसका वीडियो रिकार्ड नहीं किया, तो शायद बाहर आकर कोई भी उनकी इस हैरतअंगेज बात पर यकीन नहीं करेगा। खुशकिस्मती से कैमरे ने सही समय पर काम किया और यह ऐतिहासिक मुलाकात रिकार्ड हो गई। यह पूरा अभियान समुद्री संरक्षण के लिए काम करने वाली वैश्विक संस्थाओं हेल्दी सीज़ और घोस्ट डाइविंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में चलाया जा रहा था।

अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन 2030 तक खत्म हो जाएगा

न्यूयार्क। पृथ्वी से करीब 400 किलोमीटर दूर अंतरिक्ष में स्थित इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

(आईएसएस) अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। नासा ने 2028 से शुरू करके 2030 तक इसे सुरक्षित तरीके से धरती पर गिराने की अपनी योजना को सार्वजनिक किया है। इसके लिए नासा ने 1 अरब डालर (करीब 9500 करोड़ रुपए) का प्लान तैयार किया है। आईएसएस पिछले 25 साल से सबसे बड़ी अंतरिक्ष प्रयोगशाला के रूप में काम कर रहा है। आईएसएस निर्धारित उम्र पूरी कर चुका है। इसका कार्यकाल कई बार बढ़ चुका है। पिछले कुछ सालों से इसमें लगातार तकनीकी खामियां आ रही हैं। स्टेशन को सुरक्षित बनाए रखने पर अरबों डालर खर्च होते हैं। नासा अब अपने संसाधनों को चंद्रमा और मंगल मिशनों पर केंद्रित करना चाहता है। इसलिए आईएसएस को सम्मानजनक और सुरक्षित तरीके से रिटायर करने का फैसला लिया गया है। आईएसएस को एक यान से धरती के वायुमंडल में धकेलेंगे करीब 4.5 लाख किलोग्राम वजनी आईएसएस को यूं ही पृथ्वी की ओर गिरने नहीं दिया जाएगा। 2028 के आसपास स्टेशन को कक्षा में बनाए रखने की प्रक्रिया धीरे-धीरे बंद कर दी जाएगी। विशेष अंतरिक्ष यान से उसे नियंत्रित तरीके से पृथ्वी के वायुमंडल में धकेला जाएगा।

श्रीलंका के पूर्व खुफिया प्रमुख पर ईस्टर बम धमाकों की साजिश रचने का आरोप, सरकार का बड़ा खुलासा

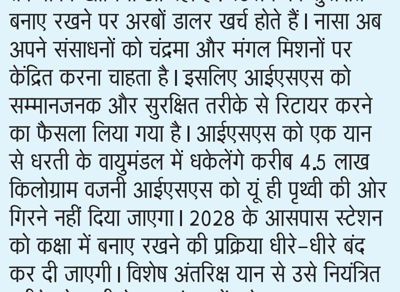

कोलम्बो। श्रीलंका सरकार ने वर्ष 2019 में हुए भयावह ईस्टर रविवार बम धमाकों को लेकर बड़ा दावा किया है। देश के जन सुरक्षा मंत्री ने आरोप लगाया है कि तत्कालीन खुफिया प्रमुख सुरेश सल्ले ने इन हमलों को निर्देशित करने में भूमिका निभाई थी। यह पहली बार है जब किसी वरिष्ठ सरकारी अधिकारी का नाम आधिकारिक तौर पर इस आतंकी हमले से जोड़ा गया है। गौरतलब है कि 21 अप्रैल 2019 को ईस्टर के दिन कोलंबो सहित कई स्थानों पर चर्चों और लग्जरी होटलों को निशाना बनाकर सिलसिलेवार आत्मघाती बम धमाके किए गए थे। इन हमलों में 279 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 500 से अधिक लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे श्रीलंका को झकझोर दिया था और देश के पर्यटन उद्योग को भी भारी नुकसान पहुंचा था। जांच एजेंसियों के अनुसार, पूर्व खुफिया प्रमुख सुरेश सल्ले को पहले भी इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है।

ईरान, बहरीन, कुवैत पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार, होर्मुज बंद, अमेरिका की चेतावनी-अब सिर्फ बमों से होगी बात

तेहरान/वाशिंगटन/ कुवैत सिटी/ मनामा,

अमेरिका ने ईरान को दिन में तारे दिखा दिए हैं। अमेरिका की सेना इस समय भी ईरान पर मिसाइल और ड्रोन से से हमले कर रही है। ईरान ने भी होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करते हुए अमेरिका के साथी देशों बहरीन और कुवैत पर हमले शुरू कर दिए हैं। इससे समूचे मध्य पूर्व में सैन्य तनाव चरम पर पहुंच गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने ईरान पर फिर हमले किए हैं। तेहरान का कहना है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने गुरुवार सुबह कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद उसने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया। अमेरिकी मध्य कमान का कहना है कि आत्मरक्षा के लिए हमले जारी रहेंगे। सेंटकाम ने कहा कि अमेरिका ने रात भर पूरे ईरान पर ताजा हमले किए। इससे तीन महीने से चल रहे संघर्ष को खत्म करने की कोशिशें रुक गईं। तेहरान ने चेतावनी दी कि अब कोई जहाज होर्मुज से गुजर कर दिखाए। तेहरान ने कहा कि बहरीन और कुवैत में जहाजों और अमेरिकी संपत्तियों पर हमला किया गया है। वाशिंगटन ने कहा कि इस रणनीतिक जलमार्ग को बंद करने का दावा झूठा है। कमर्शियल टैंकर गुजर रहे हैं। कुवैत की सेना ने कहा कि देश पर लगातार हमले हो रहे हैं। वायु रक्षा प्रणाली ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रही है। आईआरजीसी ने कहा कि बहरीन पर भी हमला किया गया है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, अली और अहमद एयर फोर्स बेस पर अमेरिकी सेना के 18 महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया गया। शेख ईसा एयर बेस को उड़ा दिया गया है। बहरीन के गृह मंत्रालय गुरुवार सुबह कहा कि देश पर ईरान ने ड्रोन और मिसाइल से हमला किया है। उल्लेखनीय है कि बहरीन में अमेरिकी नौसेना का पांचवां बेड़ा तैनात है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हमने कल भी ईरान पर हमला किया था, आज उससे भी बड़ा हमला होगा। अमेरिका किसी को भी नहीं डरता। जिस दिन चाहेगा, नेतृत्व का झंडा उठाने वालों का हश्र सर्वोच्च नेता खामेनेई जैसा करेगा। ट्रंप के इस बयान के बाद अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदर अब्बास पर हमला किया है। इसके अलावा केशम द्वीप और दक्षिण के शहर सिरिक और मिनाब में जोरदार धमाके हुए हैं। इस बीच अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने साफ किया है कि अब ईरान के साथ सिर्फ और सिर्फ बमों से बात होगी ।

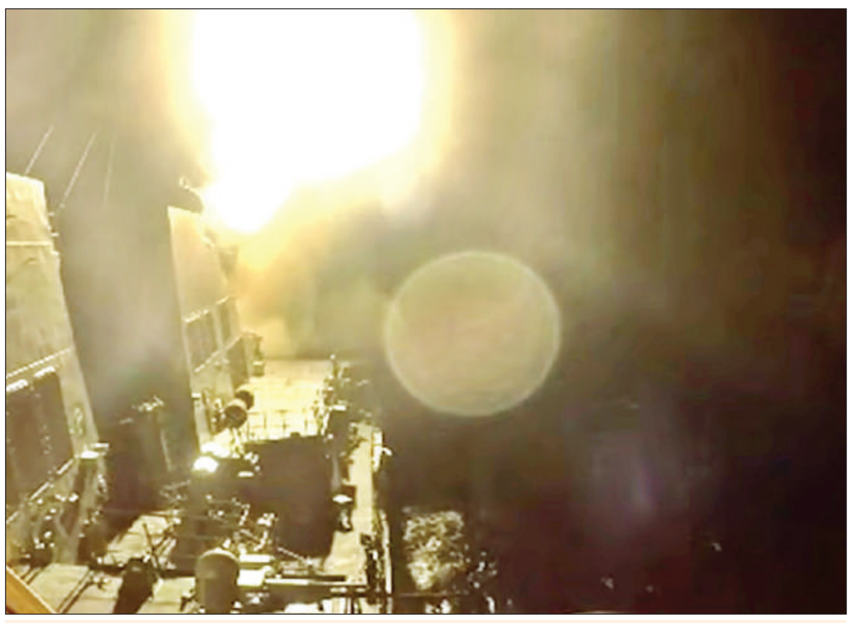

ईरान पर 22 देशों का आरोप, विरोधियों और पत्रकारों को निशाना बना रहा

ब्रिटेन । अमेरिका और ब्रिटेन सहित 22 देशों ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह विदेशों में रह रहे लोगों को धमकाने, उनका अपहरण करने और उन पर हमले की कथित साजिशों में शामिल है। इन देशों ने संयुक्त बयान जारी कर ऐसी गतिविधियों को तुरंत रोकने की मांग की है और अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सामूहिक प्रतिबद्धता जताई है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी), उसकी कुद्स फोर्स और खुफिया एजेंसियां कथित रूप से ईरानी सरकार के विरोधियों, पत्रकारों तथा यहूदी और इजराइली समुदाय से जुड़े लोगों को निशाना बना रही हैं। बयान में इन गतिविधियों को अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया गया है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि संबंधित देश मिलकर इन खतरों का मुकाबला करेंगे और ईरान से अपेक्षा करते हैं कि वह ऐसी सभी कथित कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से बंद करे। इस बयान का समर्थन आस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नार्वे, पुर्तगाल और स्वीडन सहित कई यूरोपीय देशों ने भी किया है। सभी देशों ने अपने-अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करने की बात कही है।

पीओजेके में पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह : नरसंहार का आरोप और भारी दमन

क्वेटा

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) भीषण विरोध प्रदर्शनों और सरकारी दमन की चपेट में है। एक प्रमुख जेएएसी (संयुक्त सेना कार्रवाई समिति) नेता शौकत मीर ने सरकार पर नरसंहार करने और प्रदर्शनकारियों को गोली मरने देने के आदेश जारी करने का आरोप लगाया है। मीर ने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने रावलकोट में प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जबकि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण, अहिंसक और निहत्था था। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पाकिस्तान उन्हें आतंकवादी मानता है, तब पाकिस्तान ने उनसे बातचीत क्यों की, और यह भी स्पष्ट किया कि उनका संघर्ष सिर्फ बुनियादी अधिकारों के लिए है, न कि पाकिस्तानी सत्ता या राज्य के खिलाफ। इस दमन में हताहतों की संख्या पर विरोधाभासी रिपोर्टें सामने आ रही हैं। अधिकारियों ने कम से कम 11 लोगों (सात नागरिक और चार पुलिसकर्मी) की मौत और दर्जनों के घायल होने की पुष्टि की है, लेकिन जेएएसी का दावा है कि 27 प्रदर्शनकारी मारे गए हैं, जबकि लोकल निवासियों का कहना है कि यह संख्या 100 से अधिक है। करीब 200 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। पूरे क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं, जिससे पीओजेके दुनिया से कट गया है। प्रशासन ने दमन को तेज करने के लिए संघीय सरकार से 14,000 तक अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की मांग की है। जेएएसी 1947 के बाद मुख्य भूमि पाकिस्तान में बसे जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करने की मांग कर रही है। उनका आरोप है कि इन सीटों का इस्तेमाल पाकिस्तानी मुख्यधारा की पार्टियां क्षेत्र में सरकार गठन को प्रभावित करने के लिए करती हैं, और इन्हें हटाना अधिक स्वायत्तता के लिए महत्वपूर्ण है। जेएएसी ने मंगलवार को पूरे क्षेत्र में हड़ताल का आह्वान किया है, जो 27 जुलाई को होने वाले स्थानीय चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया के साथ मेल खाता है। इस महीने की शुरुआत में, सरकार ने आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत जेएएसी पर प्रतिबंध लगा दिया था।

सामूहिक गोलीबारी में 12 लोगों की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में एक बार फिर सामूहिक गोलीबारी की बड़ी घटना सामने आई है। मंगलवार शाम देश के गौतेंग प्रांत में जोहान्सबर्ग के पूर्व में स्थित क्लीवलैंड इलाके की जंपर्स अनौपचारिक बस्ती में अज्ञात हमलावरों ने कई जगहों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक हमलावर एक सफेद टोयोटा क्वांटम वाहन में पहुंचे थे। वे बस्ती में दो अलग-अलग रास्तों से दाखिल हुए और कई स्थानों पर गोलीबारी करने के बाद उसी वाहन से फरार हो गए। अधिकारियों का मानना है कि इस हमले में 10 से ज्यादा लोग शामिल थे। घटना के बाद पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस फिलहाल हमले के कारणों की जांच कर रही है और अभी तक किसी मकसद की पुष्टि नहीं हुई है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब दक्षिण अफ्रीका पहले से ही हिंसक अपराधों की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। देश में औसतन हर दिन करीब 60 हत्याएं दर्ज की जाती हैं।

चीन में लोकप्रिय कुत्ते की हत्या के बाद फैला आक्रोष

बीजिंग

चीन में एक सोशल मीडिया स्टार कुत्ते को पहले चुरा लिया गया और बाद में उसे एक रेस्तरां को बेच दिया गया। रेस्तरां के मालिक ने उसे काटकर मांस ग्राहकों को परोस दिया। करोड़ों में लोकप्रिय कुत्ते को लेकर इस तरह की घटना के सामने आने के बाद लोगों के बीच नाराजगी फैल गई है। इतना ही नहीं, इस घटना के बाद चीन में पशु संरक्षण कानूनों को लेकर बहस तेज हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चुटौ नाम का यह कुत्ता चीन के प्रसिद्ध ट्रैवल इन्फ्लुएंसर गुओ का साथी था। चुटौ अपनी यात्राओं और वीडियो के कारण सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय था तथा उसके करीब डेढ़ करोड़ फालोअर्स बताए जाते हैं। 11 मई को वह अचानक लापता हो गया था। उस समय वह गुओ के माता-पिता के पास रह रहा था। कुत्ते के गायब होने के बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज की जांच में दो लोगों को कुत्ते को अपने साथ ले जाते हुए देखा गया। इसी दौरान विदेश यात्रा पर गए गुओ भी वापस लौट आए और उन्होंने चुटौ का पता बताने वाले को 10 हजार युआन का इनाम देने की घोषणा की। पुलिस ने बाद में दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कुत्ते को एक व्यापारी को मात्र 180 युआन में बेच दिया था। जांच आगे बढ़ने पर पता चला कि व्यापारी ने चुटौ को एक रेस्तरां को बेच दिया था, जहां उसकी हत्या कर उसका मांस ग्राहकों को परोस दिया गया।

आरोपियों का दावा है कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि चुटौ कोई प्रसिद्ध कुत्ता है। उनका कहना था कि उन्होंने उसे आवारा समझा था, क्योंकि वह उनके बुलाने पर उनके साथ चला आया था। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए गुओ ने गहरा दुख और नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि चुटौ के गले में ट्रैकिंग डिवाइस लगा हुआ था, लेकिन उसकी बैटरी समाप्त हो जाने के कारण उसका पता नहीं चल सका। बाद में उन्होंने कथित चोरों और रेस्तरां संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। इस घटना ने चीन में पशु अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में कुत्तों को मुख्य रूप से निजी संपत्ति के रूप में देखा जाता है और उनके संरक्षण के लिए कोई व्यापक राष्ट्रीय कानून मौजूद नहीं है।

डिटेंशन सेंटर में इजरायली सेना करती है यौन उत्पीडन : कैदी

फिलिस्तीनी कैदियों की रूह कंपाने वाली दास्तान

गाजा

इजरायली सेना द्वारा फिलिस्तीनी कैदियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न, दुष्कर्म और अमानवीय यातनाओं को एक सोचे-समझे हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का एक बेहद चौंकाने वाला और भयावह खुलासा हुआ है। एक हालिया खोजी डाक्यूमेंट्री में जेल से छूटे कई फिलिस्तीनियों ने डिटेंशन सेंटरों के भीतर अपने साथ हुई बर्बरता की आपबीती बयां की है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के जजों, संयुक्त राष्ट्र और कब्जे वाले क्षेत्रों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत फ्रांसेस्का अल्बनीज ने भी इस बात की पुष्टि की है कि इजरायली सेना द्वारा फिलस्तीनियों के खिलाफ यौन यातनाओं का यह प्रयोग व्यापक और व्यवस्थित पैमाने पर किया जा रहा है।

इस जांच में अल-बकरी और जाब (बदला हुआ नाम) नामक दो फिलिस्तीनी कैदियों ने अपनी पहचान छुपाते हुए इजरायली डिटेंशन सेंटरों के भीतर की जो सच्चाई बताई, वह मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली है। गाजा के एक पूर्व सिविल सर्वेंट अल-बकरी ने अप्रैल 2024 में ईद-उल-फितर के दिन की घटना को याद करते हुए बताया कि उन्हें पूरी तरह नग्न कर, आंखों पर पट्टी बांधकर और हथकड़ियां लगाकर रखा गया था। इस दौरान इजरायली सैनिकों और महिला अधिकारियों ने उनका यौन उत्पीड़न किया। जब कैदी दर्द से चिल्ला रहे थे, तो सैनिक हंस रहे थे और उनका वीडियो बना रहे थे। इतना ही नहीं, अधिकारियों के आदेश पर गार्ड डाग्स से उन पर हमला कराया गया और पेट के बल लेटाकर उनके ऊपर से कुत्ते गुजारे गए।

वहीं, गाजा के एक अन्य नागरिक जाब ने बताया कि महिला सैनिकों ने कमरे में घुसकर उसके हाथ-पैर बांधे और कृत्रिम वस्तुओं के जरिए उसका घिनौना यौन शोषण किया। इस कृत्य के दौरान आस-पास खड़े इजरायली सैनिक तालियां बजा रहे थे और पूरे दुष्कर्म का वीडियो रिकार्ड कर रहे थे। विशेषज्ञों के अनुसार, यौन हिंसा की ये घटनाएं नई नहीं हैं, लेकिन अक्टूबर 2023 के बाद से इनमें अप्रत्याशित तेजी आई है। मार्च 2025 में आई संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भी इजरायल द्वारा व्यवस्थित तरीके से लिंग आधारित और यौन हिंसा का इस्तेमाल किए जाने के पुख्ता सबूत मिले थे, जिसके बाद मई 2025 में संयुक्त राष्ट्र ने इजरायल को संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा की ब्लैकलिस्ट में डाल दिया था।

जुलाई 2024 में नेगेव रेगिस्तान के एक डिटेंशन कैंप से एक फिलिस्तीनी कैदी के सामूहिक दुष्कर्म का वीडियो लीक होने के बाद 10 इजरायली सुरक्षाकर्मियों को पकड़ा गया था। लेकिन इजरायल के दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारियों और सांसदों ने जेल पर हमला कर उन्हें छुड़ाने की कोशिश की, और बाद में सरकार ने सभी सैनिकों के खिलाफ आरोप हटा दिए। इस दुष्कर्म का वीडियो लीक करने वाली इजरायली मेजर जनरल यिफात तोमर-येरुशालमी को गिरफ्तार कर लिया गया। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस वीडियो के बाहर आने को देश के इतिहास का सबसे गंभीर पब्लिक रिलेशंस हमला करार दिया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। भावनात्मक तौर पर ख़तरा उठाना आपके पक्ष में जाएगा। आपमें बहुत-कुछ हासिल करने की क्षमता है- इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट-से दबोच लें। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी को सरप्राइज़ जरुर दें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अच्छी सेहत के चलते आप किसी खेल-कूद की प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। परिवार में नए सदस्य के आने की ख़बर आपको रोमांचित कर देगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आप-को विचार अवश्य करना चाहिए। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ऐसी गतिविधियों में संलग्न रहें, जो आपको सुकून दें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आपका काम दरकिनार हो सकता है- क्योंकि आप अपने प्रिय की बांहों में ख़ुशी, आराम और उल्लास महसूस करेंगे। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। अपने क्षेत्र में आपको अपार सफलता मिलने की संभावना भी है। आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बहुत रोमांचक काम कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. एक-दूसरे का नज़रिया समझकर व्यक्तिगत समस्याएँ सुलझाएँ। इसे औरों के सामने न लाएँ, नहीं तो बदनामी हो सकती है। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। अपने वरिष्ठों को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। आपका कोई क़रीबी आज काफ़ी अजीब मूड में होगा और उसे समझना लगभग असंभव साबित होगा। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ेगी लेकिन साथ ही रिश्तों में मजबूती आएगी। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें- ख़ासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक़्त। पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। भावनात्मक उथल-पुथल आपको परेशान कर सकती है। इस राशि के कारोबारियों को आज कारोबार के सिलसिले में अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपको मानसिक तनाव दे सकती है। नौकरी पेशा लोगों को आज ऑफिस में इधर-उधर की बातें करने से बचना चाहिए। आज के दिन शुरू किया गया निर्माण का कार्य संतोषजनक रूप से पूरा होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। आज आपका मन ख़ुश होगा और आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों पर पैसे ख़र्च करने का आनंद लेंगे। सावधान रहें, कोई आपसे दिल्लगी या फ़्लर्ट करके अपना उल्लू सीधा कर सकता है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 जून 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 07:39 तक
नक्षत्र : अश्विनी प्रातः 06:29 तक
योग : अतिगंड रात्रि 09:25 तक
करण : कौलव प्रातः 09:13 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:435(बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत। अधिक मास चालू है , गण्डमूल प्रातः 06:29 तकै

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

युवाओं के हाथों हुआ सीसी रोड का शुभारंभ एकादशी पर मिली क्षेत्र को सौगात

जयपुर, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ (कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार) के कुशल नेतृत्व में स्थानीय पार्षद राधेश्याम बोहरा द्वारा युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाते हुए, मास्टर भाव्यंश चौधरी, शिवा संयुक्त विकास समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश कुमावत एवं सचिव धर्मपाल चौधरी के कर-कमलों से इस विकास कार्य का शुभारंभ करवाना वाकई एक सराहनीय और प्रेरणादायक कदम है।

एकादशी के पावन पर्व पर गांधी पथ पश्चिम से भूरा पटेल मार्ग को जोड़ने वाली इस मुख्य सड़क के निर्माण की शुरुआत होना पूरी क्षेत्रीय जनता के लिए एक बड़ी सौगात है। यह मुख्य सड़क जो कई कॉलोनियों को आपस में जोड़ती है, लंबे समय से उबड़-खाबड़ होने और गंदे पानी के भराव के कारण जर्जर स्थिति में थी। इससे सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही थी, जिनका यहां से पैदल निकलना भी दूभर था। अब इस मार्ग के सीमेंटेड (सीसी रोड) हो जाने से क्षेत्रवासियों को न केवल जलभराव और कीचड़ की समस्या से मुक्ति मिलेगी, बल्कि यातायात भी सुगम और सुरक्षित हो जाएगा।

इस शुभ अवसर पर विकास समिति के पदाधिकारियों, प्रबुद्ध नागरिकों और मातृशक्ति (महिलाओं) की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ा दिया। युवाओं के हाथों से ऐसे सार्वजनिक हित के कार्यों की शुरुआत करवाना यह दर्शाता है कि हमारी युवा पीढ़ी ही भविष्य के विकास की नींव है। लंबे समय की इस बड़ी परेशानी को दूर करने और क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाई देने के लिए कॉलोनी वासियों की ओर से कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और कर्मठ स्थानीय पार्षद राधेश्याम बोहरा जी का राजेंद्र जी चौधरी, ब्रिजेश जी शर्मा, अशोक यादव, श्रवण चौधरी, रतन लाल राजोरिया, मास्टर वंश चौधरी, सुनीता पारीक, बबली जांगिड, धर्मा देवी चौधरी, विकेश देशवाल सहित आभार व्यक्त करना पूरी तरह न्यायसंगत है।

ठाणे की घोंगड़ी बैठक : कलेक्टर खुद कंबल पर बैठे, आदिवासी गांव में सुनीं समस्याएं

ठाणे, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी कार्यालय का नाम सुनते ही आंखों के सामने फाइलों के ढेर, मेज-कुर्सियां, साहब का वातानुकूलित केबिन और बाहर खड़ी आम लोगों की भीड़ जमा हो जाती है। लेकिन सोचिए, अगर यही सरकारी कार्यालय सीधे आपके गांव में, आपके आंगन में आ जाए तो? और साक्षात जिले के सर्वोच्च प्रशासनिक प्रमुख यानी जिलाधिकारी महोदय आपके साथ जमीन पर, एक साधारण सी घोंगड़ी (कंबल) पर बैठकर आपके प्रश्न सुनें और उन समस्याओं का समाधान करें तो? जी हां, यह किसी फिल्म का दृश्य नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र के प्रसिद्ध ठाणे जिला राजस्व प्रशासन द्वारा शहापुर तालुका के दुर्गम इलाकों में लाई गई एक मूक क्रांति है।

ठाणे के ऊर्जावान जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल की संकल्पना और अपर जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटील, निवासी उप-जिलाधिकारी डॉ. संदीप माने, भिवंडी प्रांत अधिकारी अमित सानप, शहापुर के तहसीलदार परमेश्वर कासुले की पहल पर शहापुर के आदिवासी और ग्रामीण इलाकों में आयोजित की गई यह 'घोंगड़ी बैठक' आज पूरे महाराष्ट्र में चर्चा और प्रशंसा का विषय बनी हुई है। इस ऐतिहासिक घटना की पृष्ठभूमि अत्यंत रोचक थी। दिन भर के कृषि कार्य के बाद थके हुए अधिकारी एवं कर्मचारी के साथ-साथ किसान और ग्रामीण रात के समय एक जगह जमा हुए थे। आमतौर पर यह धारणा बनी रहती है कि सरकारी अधिकारी रात के समय दुर्गम इलाकों में नहीं जाते। लेकिन, इस घोंगड़ी बैठक उपक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि यह बैठक रात के समय सीधे गांव में आयोजित की गई थी।

जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल का गांव में आगमन होते ही पारंपरिक ढोल-नगाड़ों और नृत्य के साथ ग्रामीणों ने बहुत उत्साह और अपनापन दिखाकर उनका स्वागत किया। ग्रामीण और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच यह दृश्य मानवीय रिश्तों की एक नई डोर को मजबूत करने वाला था। कोई दिखावा नहीं, वीआईपी संस्कृति का कोई अंश नहीं, ऐसे अत्यंत सादे और पारंपरिक वातावरण में इस 'घोंगड़ी बैठक' की शुरुआत हुई।

एक तरफ जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल स्वयं जमीन पर आम लोगों के साथ घोंगड़ी पर बैठे थे।

रात के अंधेरे में एक साधारण बल्ब की रोशनी में चल रहा यह सीधा संवाद केवल एक सरकारी औपचारिकता नहीं थी, बल्कि प्रशासन और जनता के बीच टूटते भरोसे को फिर से जोड़ने वाला एक मजबूत सेतु था। इस बैठक में शहापुर तालुका के ग्रामीणों का भारी और स्वतःस्फूर्त प्रतिसाद देखने को मिला। वर्षों से मन में दबे प्रश्न लिए आशा भरी निगाहों से बैठे नागरिक और महिलाएं बड़ी संख्या में वहां उपस्थित थे।

भारतीय संस्कृति में एकादशी आत्मशुद्धि और सेवा का पर्व है : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने पदमा एकादशी के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। एकादशी के इस विशेष अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा, समर्पण और मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान पूरे वातावरण में भक्ति, सेवा और सामाजिक सद्भाव का भाव देखने को मिला।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगतनारायण अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में एकादशी का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। एकादशी केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, आत्मसंयम, आध्यात्मिक उन्नति और मानव सेवा का महापर्व है। हमारे वेद, पुराण और धार्मिक ग्रंथ एकादशी के महत्व का विस्तृत वर्णन करते हैं तथा बताते हैं कि इस दिन किए गए जप, तप, व्रत, दान और सेवा कार्यों का पुण्य कई गुना बढ़ जाता है।

उन्होंने कहा कि सनातन धर्म हमें केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रखता, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सेवा करने की भी प्रेरणा देता है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना, असहाय लोगों की सहायता करना और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना ही सच्चे धर्म का पालन है। एकादशी का पर्व हमें यही संदेश देता है कि हम अपने जीवन में सेवा, करुणा, त्याग और परोपकार जैसे गुणों को आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को सबसे अधिक आवश्यकता प्रेम, सहयोग और संवेदनशीलता की है। जब लोग एक-दूसरे की सहायता के लिए आगे आते हैं, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होता है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य इसी भावना को लेकर निरंतर कार्य कर रहे हैं और सेवा को अपनी साधना मानते हैं। यह केवल भोजन वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता के प्रति समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक सशक्त अभियान है।

उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि जीवन में समय-समय पर सेवा कार्यों में अवश्य भाग लें, क्योंकि दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। एकादशी जैसे पावन अवसर हमें अपने भीतर झांकने, आत्मचिंतन करने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता करने लगे तो समाज में किसी भी व्यक्ति को अभाव और उपेक्षा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरसुवाले अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय एवं जगन गुप्ता सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया तथा सेवा और मानवता के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया।

डॉ. सतीश पूनिया को सांसद चुने जाने पर बधाइयों का तांता

बीकानेर, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान से राज्यसभा सांसद निर्विरोध निर्वाचित होने पर भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को उनके निवास पर जाकर भाजपा नेताओं ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर श्रीगंगानगर सह प्रभारी मोहन सुराणा एवं भाजपा देहात जिला मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने डॉ. सतीश पूनिया से उनके निवास पर शिष्टाचार मुलाकात कर राज्यसभा सांसद निर्विरोध निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मोहन सुराणा ने कहा कि डॉ. सतीश पूनिया का संगठनात्मक अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं जनसेवा के प्रति समर्पण राज्यसभा में राजस्थान के हितों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं मनीष सोनी ने कहा कि डॉ. पूनिया का राज्यसभा के लिए निर्वाचित होना भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है तथा उनके अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ प्रदेश एवं देश को मिलेगा। इस दौरान दोनों नेताओं ने डॉ. पूनिया के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे राज्यसभा में राजस्थान के विकास, किसानों, युवाओं एवं आमजन से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे।

बांसवाड़ा नगर निगम की बैठक में विकास कार्यों को मंजूरी

बांसवाड़ा, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार को नगर निगम कार्यालय में चेयरपर्सन श्रीमती कसुलावर विजया की अध्यक्षता में कार्यकारिणी समिति की सामान्य बैठक हुई। बैठक में 19 वार्डों के पार्षदों और को-ऑप्टेड सदस्यों ने भाग लिया। वार्डों से जुड़े विकास कार्यों के प्रस्तावों पर चर्चा कर सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। रेवेन्यू, बिजली, शिक्षा, मिशन भागीरथ, रोड्स एंड बिल्डिंग्स सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को शहरी विकास के लंबित मुद्दों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। बैठक में वाइस चेयरपर्सन रेशमा बेगम एजाज, नगर आयुक्त गोपू गंगाधर, सभी पार्षद और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

अहिंसा शाकाहार रैली 20 जून को

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटीज मूवमेंट द्वारा 20 जून को अहिंसा शाकाहार रैली का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटीज मूवमेंट के संस्थापक एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शक ब्रह्मर्षि सुभाष पात्रीजी के दिव्य आशीर्वाद से किया जा रहा है। रैली का उद्देश्य सभी प्राणियों के लिए करुणा, सभी के लिए स्वास्थ्य और पृथ्वी के लिए शांति का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

आयोजकों के अनुसार, रैली के दौरान खुद जियो और दूसरों को भी जीने दो, दयाभाव अपनाओ, शाकाहारी बनो और ग्रह को बचाओ। जैसे प्रेरणादायी संदेशों के माध्यम से लोगों को अहिंसा, शाकाहार एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा।

रसूलपुरा स्थित ऑल इंडिया गौ प्रसार कार्यालय में आयोजित एक बैठक में स्माइलस्स ओरल हेल्थ फाउंडेशन की डॉ. सौम्या बोम्मकांति ने 20 जून को आयोजित होने वाली अहिंसा शाकाहार रैली तथा हरि हरा कला भवन में होने वाले सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर ऑल इंडिया गौ लवर के अध्यक्ष संजय गुप्ता, मुकेश कटारिया, एम. यस. राव, विकास कावरला, श्याम सुंदर अग्रवाल, भारती बहन सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

रैली 20 जून 2026 (शनिवार) को शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे तक आयोजित होगी। इसका प्रारंभ सिकंदराबाद स्थित पिरामिड केयर सेंटर से होगा तथा समापन हरि हरा कला भवन में किया जाएगा। रैली में बड़ी संख्या में आध्यात्मिक साधक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिकों के शामिल होने की संभावना है।

रैली के उपरांत शाम 6:00 बजे से 8:00 बजे तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सामूहिक ध्यान, भगवद्गीता प्रवचन, शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति तथा शुद्ध शाकाहारी रात्रि भोज शामिल रहेगा।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद एवं आध्यात्मिक विद्वान श्री वेणुगोपाला चारी, पिरामिड स्पिरिचुअल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री विजय भास्कर रेड्डी, प्रसिद्ध यूट्यूब इन्फ्लुएंसर जयदेव एवं शांति गौथमी तथा फाइट मास्टर्स श्री राम एवं श्री लक्ष्मण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

108 जोड़ों का सामूहिक सत्यनारायण व्रत कल

बांसवाड़ा, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अधिक मास के उपलक्ष्य में आगामी शनिवार, 13 जून को 108 जोड़ों द्वारा सामूहिक सत्यनारायण स्वामी व्रत का आयोजन किया जाएगा।

कोटा दुर्गम्मा मंदिर के जनरल सेक्रेटरी बालकृष्ण ने बताया कि अधिक मास तीन साल में एक बार आता है और इस दौरान कम से कम एक व्रत करना विशेष फलदायी माना जाता है। घरों में समयाभाव को देखते हुए ''सर्वे जना सुखिनो भवन्तु'' की भावना से यह सामूहिक आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने सभी भक्तों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि व्रत में भाग लेने वाले जोड़े अपना नाम पहले से मंदिर कमेटी के फोन नंबर 7989162149 पर रजिस्टर करा सकते हैं।

गांधारी मिनी स्टेडियम को 3.50 करोड़ की मंजूरी

बांसवाड़ा, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। येल्ला रेड्डी विधानसभा क्षेत्र के गांधारी मंडल में लंबे समय से प्रतीक्षित मिनी स्टेडियम के निर्माण के लिए 3.50 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है।

स्थानीय विधायक मदन मोहन के निरंतर प्रयासों और विशेष पहल से अंतिम स्वीकृति मिली है, जिसके बाद अब जल्द ही भूमिपूजन कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

यह मिनी स्टेडियम गांधारी के युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं देने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को निखारने और उच्च स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस मौके पर गांधारी के लोगों, युवाओं और खिलाड़ियों ने विधायक मदन मोहन का आभार जताया और इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

यदि हो गए हों पाप तो ऐसे करें पुण्य अर्जित

फाल्गुन शुक्ल एकादशी को आने वाली एकादशी को आमलकी एकादशी कहते हैं। इस वर्ष यह एकादशी 19 मार्च शनिवार के दिन है। इस दिन आंवले के वृक्ष के पास बैठ कर भगवान का पूजन किया जाता है।

व्रत की कथा

एक बार एक राजा के राज्य में रात भर भूखा-प्यासा बैठा रहा। उस दिन फाल्गुन शुक्ल एकादशी थी। इस प्रकार अनजाने में ही उसने आमलकी एकादशी का व्रत रख लिया। रात्रि जागरण करने के कारण उसे अनजाने में ही इस व्रत का फल मिल गया। दूसरे जन्म में वह एख बडे राज्य का अधिकारी बना। इसलिए लोग इस व्रत को करते हैं ताकि उनके पुनर्जन्म में वह और भी अधिक प्रभावशाली बन पाएं। दरअसल इस व्रत को करने से इस जन्म में किए पाप से मुक्ति मिल जाती है। और इंसान अगले जन्म में वैभव, सुख शांति के साथ जीताहै।

गोस्वामी तुलसीदास भी सत्संगति के महत्व को इस कथन में स्पष्ट करते हैं। एक घड आधी घडी, आधी की पुनि आध। तुलसी संगत साधु की, कटै कोटि अपराध।।

किस तरह मनी प्लांट अगर शुभ है तो अशुभ भी

मनी प्लांट यानि धन का पौधा। यह जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ है। मनी प्लांट जैसा कि नाम से ही जाहिर है मनी प्लांट यानि धन का पौधा। यह पौधा जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ माना जाता है। भूमि पर फैलकर वृद्धि करने वाली बेल दोषकारक होती है।

वैसे तो घर में रखने के लिए आपको पॉम लीव्स, बोनसाई जैसे कई इंडोर प्लांट मिल जाएँगे, लेकिन कम खर्च और अच्छी ग्रोथ के कारण जो रंग मनी प्लांट आपके घर में भरता है, वह किसी अन्य इंडोर प्लांट से संभव नहीं। इस प्लांट को लेकर लोगों के मन में कई तरह की धारणाएँ हैं, जैसे- इस पौधे को घर में लगाने से घर में पैसा आता है, तो कुछ का मानना है कि इस पौधे को लगाने से घरवालों की तरक्की होती है।

उसी मान्यता है कि जिसके घर में मनी प्लांट का पौधा लगा होता है उसके उसके घर में न केवल सुख-समृद्धि में इजाफा होता है बल्कि घर में धन का भी आगमन होता है। इसी वजह से कुछ लोग घरों में मनी प्लांट का पौधा लगाते हैं। लेकिन कई बार मनी प्लांट लगाने के बावजूद भी धनागमन में कई अंतर नहीं होता बल्कि और आर्थिक नुकसान उठाना पडता है। इसका कारण हे गलत दिशा। वास्तु शास्त्र के अनुसार हर पौधे के लिए एक दिशा निर्धारित होती है। यदि पौधे को उचित दिशा में लगाया गया तो वह सकारात्मक प्रभाव डालता है वहीँ, यदि उसके उस पौधे का गलत स्थिति में वृक्षारोपण किया गया तो वह नकारात्मक प्रभाव डालता है जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होने लगता है।

वास्तु के अनुसार, यदि सही दिशा और सही जगह में मनी प्लांट का पौधा नहीं लगाया गया तो धनलाभ के बजाय हानि का सामना करना पडता है। वास्तु शास्त्रीयों का मानना है कि मनी प्लांट के पौधे के घर में लगाने के लिए आग्नेय दिशा सबसे उचित दिशा है। इस दिशा में यह पौधा लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का भी लाभ मिलता है। मनी प्लांट को आग्नेय यानि दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाने का कारण ये है इस दिशा के देवता गणेशजी है जबकि प्रतिनिधि शुक्र हैं। गणेश जी अमंगल का नाश करने वाले हैं जबकि शुक्र सुख-समृद्धि लाने वाले। यही नहीं बल्कि बेल और लता का कारण शुक्र को माना गया है। इसलिए मनी प्लांट को आग्नेय दिशा में लगाना उचित माना गया है। मनी प्लांट को कभी भी ईशान यानि उत्तर पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए, यह दिशा इसके लिए सबसे नकारात्मक मानी गई है। क्योंकि ईशान दिशा का प्रतिनिधि देवगुरू बृहस्पति को माना गया है। और शक्र तथा बृहस्पति में शत्रुवत संबंध होता है। इसलिए शुक्र से संबंधित यह पौधा ईशान दिशा में होने पर नुकसान होता है। हालांकि इस दिशा में तुलसी का लगाया जा सकता है। घरों का सुंदरता बढाने के लिये मनी प्लांट्स लगाए जाते हैं। ये शुक्र के कारक हैं। मनी प्लांट लगाने से पति-पत्नी के संबंध मधुर होते हैं। फँगशुई के अनुसार बांस के पौधे सुख व समृद्धि के प्रतीक होते हैं मनी प्लांट की सबसे बडी खासियत यह है कि घर हो या आँगन यह प्लांट कहीं भी आसानी से लग जाता है। साथ ही यह केवल पानी में भी लगाया जा सकता है और इसके रखरखाव के लिए भी ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पडती है। इसे घर के अंदर व बाहर दोनों जगह ही रखा जा सकता है।

मनी प्लांट ऐसी जगह रखें जहां अधिक धूप ना हो। इसे घर में भी रखा जा सकता है। पानी में रखना बेहतर होता है लेकिन इस पानी को हर सप्ताह बदल देना चाहिए। जमीन पर इसकी बेलों को नहीं फैलाना चाहिए। मनी प्लांट को घर के अंदर गमले में अथवा बोतल में पानी भरकर भी लगाया जा सकता है। इससे सुख-समृद्धि प्रदान करने वाले सकारात्मक उर्जा को आकर्षित किया जा सकता है। जिस कोने में यह होता है उसकी ओर बरबस ही निगाहें चली जाती हैं।

आप चाहें तो इसकी इन सुनहरी पत्तियों को काँट-छाँट कर इसे और भी आकर्षक बना सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि घर में मनीप्लांट लगाने पर सुख-समृद्धि के साथ धन का आगमन बढता है। इसी के चलते लोग अपने घरों में यह पौधा लगाते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार यह पौधा घर में उचित दिशा में नहीं लगाया गया है तो आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। इसलिए शुक्र से संबंधित यह पौधा ईशान दिशा में होने पर नुकसान होता है। हालांकि इस दिशा में तुलसी का पौधा लगाया जा सकता है।

मनी प्लांट यानि धन का पौधा। यह जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ है। यह पौधा जितना हरा होता है घर में धन का आगमन उसी तेजी से होता है। इसके पत्तों का मुरझाना या सफेद हो जाना अशुभ माना जाता है।

मनोकामनाएं सिद्ध करने हेतु विशेष गणेश मन्त्र

भगवान गणेश जी देवताओं में सबसे पहले पूजे जाते है। उनकी उपासना बहुत ही सरल है और वह अपने भक्तो पर अति शीघ्र प्रसन्न हो जाते है। शास्त्रों में अलग अलग मनोकामनाओ के लिए गणेश जी के कई सिद्ध मन्त्र दिए हुए है । जिनका यदि पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के जाप किया जाय तो शीघ्र ही अभीष्ट लाभ की प्राप्ति होती है । गणेश उत्सव के इन 10 दिनों में अपनी मनोकामनाओं को सिद्ध करने हेतु कार्यविशेष के मंत्रो का जाप करना विशेष फलदायी रहता है ।

गणेशजी के इन नामों व इन मंत्रो कै जाप से किसी भी प्रकार के कार्यो की अडचने दूर हो जाती है

भगवान गणेश के अति शुभ बारह नामों का नित्य स्मरण करने वाले व्यक्ति को जीवन में किसी भी प्रकार के संकटों का सामना नहीं करना पडता है । विद्या अध्ययन, विवाह के समय, यात्रा , रोजगार के शुभारम्भ में या अन्य किसी भी शुभ कार्य को करते समय गणेश के बारह नाम लेने से कार्यो की अडचने दूर हो जाती है।

विद्या अध्ययन, विवाह के समय, यात्रा , रोजगार शुभारम्भ या अन्य किसी भी शुभ कार्य को करते समय गणेश के बारह नाम लेने से कार्यो की अडचने दूर होती है। भगवान गणेश के बारह नामों का यह पाठ संकटनाशक स्तोत्र के नाम से भी जाना जाता है। इस मंत्र स्तोत्र के चमत्कारी 12 श्रीगणेश नाम स्मरण से पहले भगवान गणेश की पूजा जरूर करें - प्रणम्यं शिरसां देवं गौरीपुत्र विनायकम।

भगवान गणपति के 12 नाम निम्नलिखित है

1- सुमुख -- अर्थात सुन्दर मुख वाले,
2- एकदन्त -- अर्थात एक दांत वाले,
3- कपिल -- अर्थात कपिल वर्ण के,
4- गजकर्ण -- अर्थात हाथी के कान वाले,
5- लम्बोदर -- अर्थात लम्बे पेट वाले,
6- विकट -- अर्थात विपत्ति का नाश करने वाले,
7- विनायक -- अर्थात न्याय करने वाले,
8- धूम्रकेतु -- अर्थात धुये के रंग वाली पताका वाले,
9- गणाध्यक्ष -- अर्थात गुणों के अध्यक्ष,
10- भालचन्द्र -- अर्थात मस्तक में चन्द्रमा धारण करने वाले,
11- गजानन -- अर्थात हाथी के समान मुख वाले,
12- विघ्ननाशन -- अर्थात विघ्नों को हरने वाले,

ऋण से मुक्ति के लिए

''ऊँ गणेश ऋणं छिन्धि वरणयं हुं नम: फट''

इस मन्त्र की एक माला का नित्य जाप करें।

संकट नाश के लिए

''ऊँ नमो हेरम्ब मदमोहित मम संकटान निवारय स्वाहा''

इस मन्त्र की 1 माला का नित्य जाप करें।

वशीकरण के लिए

''ऊँ श्रीं गं सौम्याय गणपते वरवरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा''

निम्न मन्त्र की 5 माला का जाप करें।

आलस्य, निराशा, कलह व विपत्ति नाश के लिए

''गं क्षिप्रप्रसादनाय नम:''

मन्त्र की कम से 2 माला का जाप करें।

धन व आत्मबल प्राप्ति के लिए

''ऊँ गं नम:''

निम्न मन्त्र की एक माला का नित्य जाप करें।

आर्थिक समृद्धि व रोजगार प्राप्ति के लिए

''ऊँ श्रीं गं सौभ्याय गणपते वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा''

इस मंत्र की एक माला का नित्य जाप करें।

सभी मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिये

''गं गणपते नम:''

इस मंत्र की एक माला का नित्य जाप करें।

सुबह उठते ही सबसे पहले क्या और क्यों देखें

प्रतिदिन सुबह-सुबह हमारा एक प्रश्न होता है कि हमारा दिन कैसा रहेगा दिन को अच्छा बनाने के लिए सभी कुछ न कुछ धर्म-कर्म अवश्य ही करते हैं। सभी चाहते हैं कि उनका नया दिन शुभ रहे, खुशियां देने वाला हो, दुख दूर करने वाला हो और सफलताएं दिलाने वाला हो।

शास्त्रों के अनुसार एक सटीक उपाय बताया गया है जिससे हमारा पूरा दिन श्रेष्ठ बनता है और सभी दुख-क्लेश दूर होते हैं। सुबह उठते ही सबसे पहले क्या करना चाहिए कि हमारा पूरा दिन अच्छा रहे और घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहे। कई लोग भगवान के दर्शन करते हैं तो कुछ अपने घर के सदस्यों का चेहरा देखते हैं लेकिन बिस्तर छोडने से पहले हमें हमारे हाथों के दर्शन करने चाहिए। कुछ लोग सोचते हैं कि हाथों के दर्शन से क्या होगा।

तो इस प्रश्न का उत्तर यह है कि धर्म ग्रंथों और ऋषि-मुनियों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि हमारे हाथों की हथेलियों में दैवीय शक्तियां निवास करती हैं। इसी वजह से हमें सुबह उठते ही सबसे पहले अपने हाथों की हथेलियों के दर्शन करने चाहिए। दोनों हाथों को मिलाकर उसके दर्शन करके ही बिस्तर छोडना चाहिए। हमारे हाथ के आगे के हिस्से में (अंगुलियों की ओर) लक्ष्मी, मध्य भाग में सरस्वती और नीचले भाग में नारायण यानी विष्णु का वास होता है। प्रात: हाथों के दर्शन से ही तीनों दिव्य शक्तियों के दर्शन का पुण्य मिलता है।

सुबह हथेलियों का दर्शन करने के पीछे यही संदेश है कि हम परमात्मा से अपने कर्मों में पवित्रता और शक्ति की कामना करते हैं। संसार का सारा वैभव, शिक्षा, पराक्रम हमें हाथों के जरिए ही मिलता है। इसलिए हाथों में लक्ष्मी, सरस्वती और विष्णु तीनों का वास माना गया है। कहते हैं दिन की शुरुआत अच्छी हो तो पूरा दिन अच्छा बीतता है। इसके लिए जरुरी है कि सुबह उठकर ऐसे काम करें जो आपको उत्साहित और उर्जावान बनाए रखे। न कि ऐसी गलती कर बैठें कि पूरा दिन तनाव और परेशानी में बीते।

हथेली को देखें-

हथेली को देखें, शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य को अपना दिन बेहतरीन बनाने के लिए सुबह उठकर सबसे पहले अपना हाथ देखना चाहिए। हाथ ही कर्म करता है और भाग्य को बदलने की क्षमता रखता है।

आखिर क्यों देखें हथेली-

आखिर क्यों देखें हथेली, कहा जाता है कराग्रे वसति लक्ष्मी:, कर मध्ये सरस्वती। करमूले तू गोविन्द:, प्रभाते कर दर्शनम। यानी हथेली में लक्ष्मी, सरस्वती और गोविंद का वास है। इनके दर्शन से पूरा दिन अच्छा रहता है।

मन्त्र का ध्यान

मन्त्र का ध्यान, हथेली देखते हुए इस मंत्र का ध्यान भी करना चाहिए, ताकि आपके मन में लक्ष्मी, सरस्वती और गोविंद की छवि बने।

सबसे पहले किसे छूयें-

सबसे पहले किसे छूयें, बिछावना से उतरते समय पांव सीधे जमीन पर में नहीं रखना चाहिए। धरती को माता के समान आदरणीय कहा गया है इसलिए सबसे पहले धरती का स्पर्श करके हथेली को माथे से लगाएं।

ऊर्जा का संचार-

ऊर्जा का संचार, ऐसे करने से तन मन में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। अपने कार्य में आप बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं।

घर में समृद्धि लाएंगे ये उपाय

कडी मेहनत और प्रयासों के बावजूद जब समृद्धि आपसे दूर रहती है तो अपने घर के वास्तु पर ध्यान देना चाहिए। यह संभावित है कि आपकी समृद्धि की राह की रुकावट के लिए घर का वास्तु जिम्मेदार हो। अगर घर में वास्तु दोष है तो आप कुछ आसान उपायों के जरिए उन्हें दूर करके संपन्नता की राह की रुकावट को दूर कर सकते हैं।

तिजोरी की दिशा :

अपने घर में तिजोरी को हमेशा दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दीवार के करीब या इस दीवार की अलमारी में रखना चाहिए। इस दिशा में तिजोरी होगी तो वह हमेशा उत्तर दिशा में खुलेगी। उत्तर भगवान कुबेर की दिशा है और उस दिशा में तिजोरी खुलने का अर्थ यही है कि धन के देव कुबेर उसे भरते रहेंगे। तिजोरी या धन की अलमारी को किसी भी अन्य दिशा में रखने से बचें।

तिजोरी बीम के नीचे न हो:

किसी भी हाल में धन या तिजोरी बीम के नीचे न हो। ऐसी स्थिति में तिजोरी रखने पर घर में सदैव आर्थिक संकट बना रहता है और बिजनेस में भी नुकसान की आशंका आप पर मंडराती रहती है।

तिजोरी के सामने आईना :

धन को बढाने के लिए किए जाने वाले उपायों में यह भी एक उपाय है। जब भी कांच में आप धन को देखते हैं तो वह आपको हमेशा दुगुना नजर आएगा। यह आपकी सकारात्मकता को बढाने का एक उपाय है जो बहुत कारगर है।

उत्तर-पूर्व दिशा में स्वच्छता:

यूं तो पूरे घर में ही सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए ताकि समृद्धि आपके घर में प्रवेश कर सके लेकिन फिर उत्तर-पूर्व दिशा में किसी भी तरह का कचरा न हो इस बात का ख्याल रहे। इस हिस्से में सीढियों के निर्माण से भी बचना चाहिए। उत्तर-पूर्व कोने में मशीनरी जैसी भारी चीजें रखने से बचना चाहिए।

उत्तर-पूर्व में ऊंची इमारत न हो :

अपने घर या प्लॉट के उत्तर-पूर्व दिशा में कोई ऊंची इमारत या मंदिर वगैरह के होने को टालना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो धन का नुकसान होता है। अगर ऐसी स्थिति हो तो भी इसका तो बहुत ही ध्यान रखें कि उनकी छाया आपके घर या प्लॉट न गिरे।

गोलाई से बचें :

उत्तर-पूर्व कोने में घुमावदार दीवार के निर्माण से बचना चाहिए। इस दिशा में अगर बाउंड्री वॉल भी बनवा रहे हैं तो उसमें गोलाई न हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। उसे सही कोण पर मोड देने के बारे में सतर्क रहें।

छत की ढलान की दिशा:

छत में हमेशा ढलान दक्षिण पश्चिम से उत्तर-पूर्व की तरफहोना चाहिए। घर बनाते समय इस बात का ध्यान रहे कि छत का उत्तर-पश्चिम हिस्सा थोड सा ऊंचा हो।

स्त्री शक्ति है 'यिन' और 'यांग' ?

चीनी फेंगशुई के अनुसार, यिन और यांग शक्ति सृष्टि में शांति स्थापित करने के लिए होती हैं। ये एक दूसरे की पूरक होती हैं। लेकिन कभी-कभी ये एक दूसरे की विरोधी भी हो सकती हैं। इनमें एक के बिना दूसरे के अस्तिव नहीं हैं।

'यिन' स्त्री शक्ति है जो अंधकारमय और एवं निष्क्रिय होती है। 'यांग' पुरुष शक्ति है जो प्रकाशमय और सक्रिय है।

यह दोनों ठीक वैसे ही हैं जैसे अंधकार में प्रकाश का होना। जैसे जीवन है तो मृत्यु होगी ठीक उसी तरह यिन और यांग शक्तियां एक दूसरे की पूरक हैं।

यिन और यांग के संतुलन से ही सृष्टि में एकरसता होती है। उदाहरण के लिए सूर्य की तेज रोशनी यांग होती है। लेकिन इसे परदे लगाकर कम किया जाए या संतुलित किया जा सकता है।

ये हैं यिन शक्तियां

पृथ्वी, चंद्रमा, रात, अंधकार, नीचे, ठंडा, मुलायम, निष्क्रिय, पानी, पीछे, पुत्री और मां।

ये हैं यांग शक्तियां

आकाश, सूर्य, दिन, प्रकाश, ऊपर, गरम, कठोर, पिता, पुत्र, आगे, आग और सक्रिय।

बालों के हिसाब से चुनें शैंपू ...

आजकल बाजार में कई प्रकार के शैंपू और कंडीशनर उपलब्ध हैं तो, ऐसे में सवाल यह उठता है कि आप अपने बालों के हिसाब से कौन सा शैंपू चुनेंगी जो बालों को सूट करे। कभी भी विज्ञापन देख कर शैंपू और कंडीशनर नहीं खरीदना चाहिए। हमेशा देख लें कि जो शैंपू आप खरीदने जा रही हैं, उसमें क्या-क्या सामग्री मिली हुई है। अगर आपके बाल कर्ली हें तो आपको क्रीमी और नमी प्रदान करने वाला शैंपू प्रयोग करना चाहिए। इसमें शिया बटर, जर्म ऑयल और नट ऑयल मिला होना चाहिए। इसके अलावा आपको अल्ट्रा कंडीशनिंग मॉइस्चराइजर लगाना चाहिए। अगर आपके बाल ऑयली है तो आपको क्रीमी शैंपू और कंडीशनर नहीं लगाना चाहिए। ऐसा प्रोडक्ट चुनें जिसमें पेन्थिनॉल मिला हो। यह ऐसा तत्व है जो बालों की मोटाई बढाता है। स्प्रे कंडीशनर का प्रयोग कीजिए जो कि बालों सिर की त्वचा तक नहीं जाता है और केवल बालों तक ही सीमित रहता है। टूटे और रूखे बालों के लिए क्रीमी शैंपू सही होता है। इसके साथ ही रोजाना कंडीशनिंग की भी जरुरत होती है। ऑयली एंड ड्राय बालों में जड़े तो ऑयली रहती हैं लेकिन बालों का आखिरी छोर रूखा रहता है। तो, ऐसे में आपको रोजाना साधारण शैंपू का प्रयोग कर के बाल धोने चाहिए। कंडीशनर का प्रयोग कीजिए लेकिन उसे बालों की जड़ों पर मत लगाइए वरना वह ऑयली हो जाएंगे। सिलीकॉन मिला हुआ कंडीशनर ना प्रयोग करें वरना यह कलर किए हुए बालों को खराब कर सकता है।

देर तक ऐसे टिकाएं लिपस्टिक...

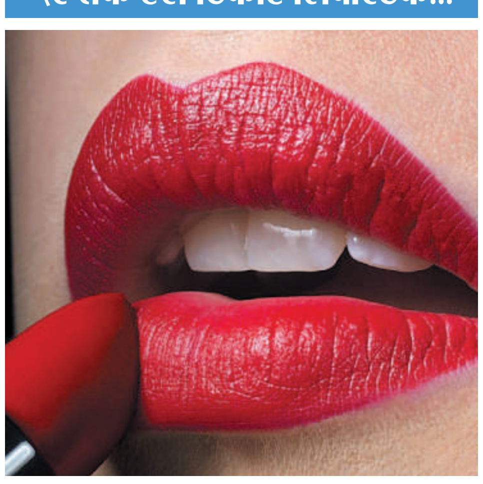

मेकअप में सबसे महत्वपूर्ण स्थान रखने वाली लिपस्टिक ज्यादातर महिलाओं की प्रिय होती है। पर समस्या यह आती है कि लिपस्टिक होठों पर ज्यादा देर तक टिकी नहीं रहती। लिपस्टिक का शेड स्किन टोन से बिल्कुल मैच करते हुए होना चाहिए, तभी वह आपके होठों पर भाएगी। यदि आपको होठों पर लिपस्टिक ज्यादा समय के लिए टिका कर रखना है तो उसे होठों पर लगाने से पहले प्रिटोलियम जैली लगा लें। इस तरह से वह ज्यादा देर तक होठों पर टिकी रहेगी। यदि आप चाहती हैं कि आपकी लिपस्टिक ज्यादा देर के लिए टिकी रहे तो, लगाने के एक रात पहले उसे फ्रिज में रख दें। एक्सपर्ट का मानना है कि ऐसा करने से लिपस्टिक लंबे समय तक होठों पर टिकी रहती है। सही तरह का बेस लगाने के लिए आपको होठ पर हल्का सा पाउडर लगाना चाहिए। पाउडर लगे होठ पर लिपस्टिक लगाएं। ऐसा करने के बाद यदि आप एक कप कॉफी भी पीती हैं तो भी आपकी लिपस्टिक नहीं छूटेगी। मोटे होठों पर डार्क कलर की लिपस्टिक बहुत अच्छी दिखती है और इससे होठ ज्यादा सुंदर और गुलाबी दिखाई देते हैं। अगर आपको होठों पर उभार दिखाने हैं तो उसके किनारे पतली लिप लाइनर लगा कर उसे होठों पर लिपस्टिक के साथ भर लें। बुजुर्ग महिलाओं को लिपस्टिक लगानी है तो वे बोल्ड और डार्क लिपस्टिक न लगाएं। लिपस्टिक के दो शेड्स को कभी नहीं मिला कर लगाना चाहिए।

ऐसे करें आंखों का मेकअप...

> आंख हमारे शरीर का वह हिस्सा है, जो सच्ची फिलिंग को व्यक्त करता है। अगर आप इसे और आकर्षक बनाना चाहतीं हैं तो इनका अच्छे से मेकअप करना होगा। हर किसी की आंखों का आकार एक समान नहीं होता। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम अपनी आंखों के आकार के अनुसार ही मेकअप करें।

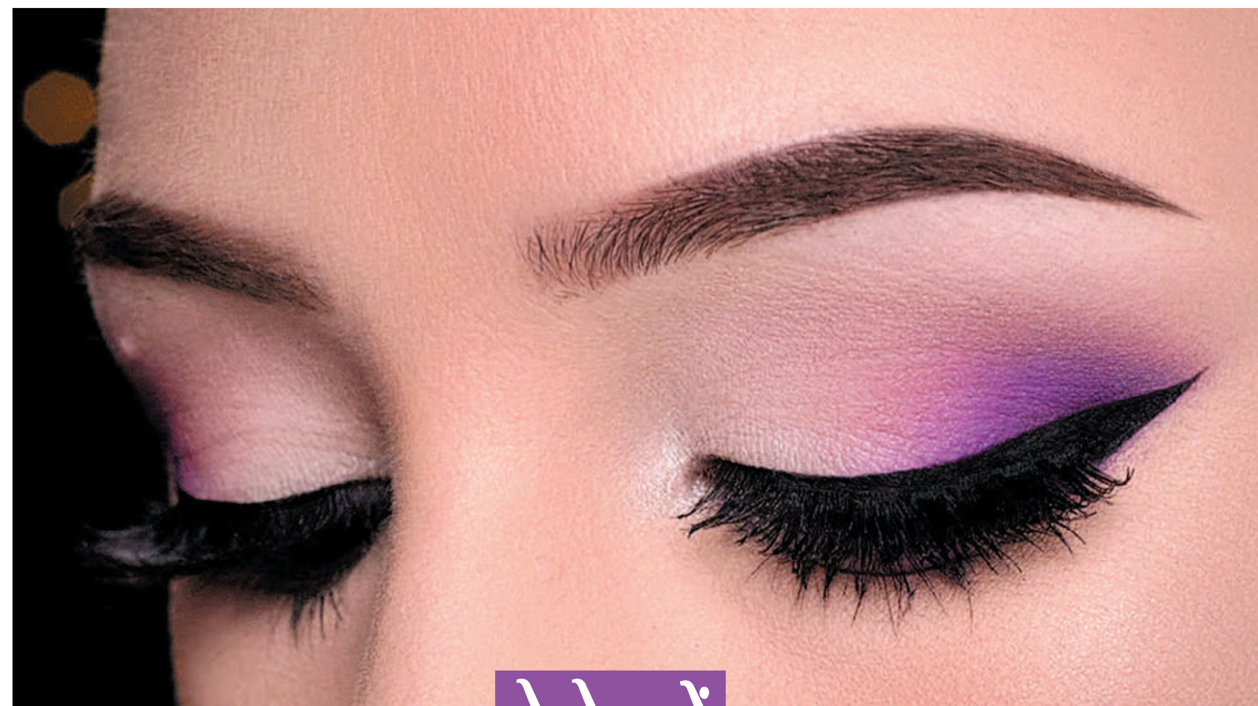

आंखे मानव शरीर के सबसे अहम हिस्सों में से एक है। इसके बिना इस सुंदर दुनिया की सिर्फ हम कल्पना कर सकते। आपकी आंखों का मेकअप हिट भी हो सकता है और फ्लॉप भी। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप मेकअप कैसे करती हैं और किससे कराती हैं। आप सावधानी से मेकअप करके अपनी आंखों को जीवंत बना सकती हैं। चमकदार आंखें हर जगह चर्चा में रहती हैं और ध्यान भी आकर्षित करती हैं। जब भी आप किसी मेकअप का चुनाव करें तो थोड़ी सावधान रहें। यह जरूर देख लें कि आपका मेकअप आपके आउटफिट से मेल खाता हो। आप चाहे परंपरागत आउटफिट को पसंद करती हों या फिर मॉडर्न आउटफिट को, पर आंखों का मेकअप ही आपको भीड़ से अलग दिखाएगा। यह भी सच है कि हर किसी की आंखों का आकार एक समान नहीं होता। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम अपनी आंखों के आकार के अनुसार ही मेकअप करें। अगर आपकी आंखों का आकार छोटा है तो आंखों का मेकअप इस प्रकार करें कि आपकी आंखें बड़ी लगें। गोल आंखों के लिए डार्क आईशैडो परफेक्ट होते हैं। क्लोज सेट आईज आपस में लगभग सटी हुई लगती हैं। ऐसी आंखों के लिए इनर कॉर्नर पर लाइट आईशैडो और आउटर कार्नर पर इंटेल कलर अप्लाई करें।

उभरी आंखें

उभरी आंखें यानी कॉन्वेक्स आईज वैसी आंखें होती है जो बाहर की तरफ निकली हुई होती हैं। इसलिए इन्हें बल्जिंग या प्रोट्रूडिंग आईज भी कहते हैं। इन आंखों को मीडियम कलर से गहरे रंग तक के आई शैडो से पलकों पर शेड दें। इन पर कभी भी फ्रॉस्टेड शेड्स या हाईलाइटर न इस्तेमाल करें। इससे आंखें और ज्यादा उभरी नजर आएंगी और आपकी खूबसूरती बिगाड़ सकती है। आंखों के निचले किनारों पर काजल पेंसिल लगाएं। ऊपरी आईलैशेज पर मसकारा के एक-दो हलके कोट्स लगाए जा सकते हैं।

गहरी आंखें

डीप सेट यानी गहरी आंखें भीतर धंसी हुई दिखती हैं। इनमें ब्रो बोन यानी आंखों और भौंहों के बीच की हड्डी का उभार भी कम होता है। इन पर ऐसा मेकअप किया जाना चाहिए जिससे आंखें उभरी दिखें। पलकों पर हलका दबा हुआ पिंक या बेज शैडो लगाना अच्छा रहेगा। आंखों की ऊपरी रेखा यानी क्रीज की तरफ उसे हलका करें। मीडियम-टोंड आई शैडो का इस्तेमाल करें और ब्रो बोन से शुरू करके ब्रो के किनारों तक लगाएं। आंखों के ऊपरी हिस्से में बनी लाइन को स्मोकी-कलर शैडो से गहरा करें। यह पूरे मेकअप से मैच करने वाला हो। और आखिर में काली या भूरी पेंसिल से काजल लगाएं।

क्लोज-सेट आईज

क्लोज-सेट आईज में दोनों आंखों के बीच की दूरी कम दिखाई पड़ती है। यानी नाक से इनकी दूरी जरा कम होती है। इन आंखों के मेकअप के लिए पलकों के भीतरी हिस्से पर हलका और बीच के हिस्से पर मीडियम शेड लगाएं। ऊपरी पलकों के बाहरी किनारों पर एक लाइन सी खींचें। अब ब्रो बोन के बाहरी यानी कान की ओर वाले हिस्से पर गहरा शैडो लगाकर उसे अच्छी तरह एकसार करें। आंखों में ब्लैक काजल लगा सकती हैं। अगर आप मसकारा लगाना चाहती हैं तो भीतरी लैशेज पर हलके रंग का और बाहरी तरफ थोड़ा गहरे रंग को इस्तेमाल में लाएं। बाहरी तरफ उसे थोड़ा उभारने की कोशिश करें और भौंहों की ओर थोड़ा कम उभारें।

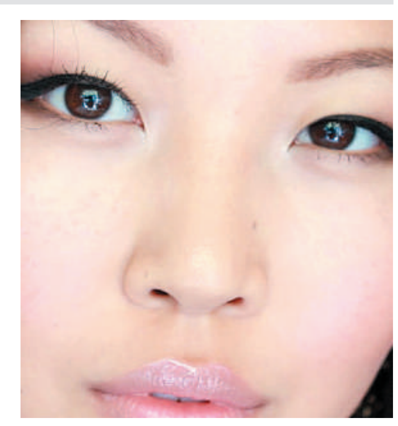

एशियन आईज

नाक की तरफ भीतरी किनारों की ओर थोड़ी झुकी हुई आंखों को एशियन आईज कहते हैं। इनमें शैडो का प्रयोग करते समय लेयरिंग इफेक्ट देने के लिए तीन रंगों का प्रयोग करें। आई लैशेज के पास हलका शैडो लगाएं, पलकों पर मीडियम कलर और ब्रो बोंस पर बेहद हलके रंग का प्रयोग करें। आंखों के किनारे लाइन या ऊपरी तरफ क्रीज बनाने से बचें। आई लाइनर का प्रयोग केवल आंखों के ऊपरी हिस्से पर करना बेहतर रहेगा।

वाइड सेट आईज

क्लोज-सेट आई की तुलना में वाइड सेट आईज की दूरी नाक से थोड़ी ज्यादा होती है। इसलिए ऐसे मेकअप की जरूरत होती है जो आंखों को बैलेंस दिखाए। आंखों और नाक के बीच वाले हिस्से पर छोटे ब्लशर ब्रश से अपने स्किन टोन से थोड़ा गहरे टोन पाउडर लगाएं। नाक की तरफ ब्रश करते हुए पाउडर को एकसार करें। ब्रो की बाहरी रेखा पर न्यूट्रल-टोंड हाईलाइटर का इस्तेमाल करें। क्रीज लाइन यानी आंखों के ऊपरी हिस्से पर पडने वाली रेखा पर शेड दें और आंख के भीतरी किनारे यानी नाक की तरफ वाले हिस्से को उभारें। आंख के बाहरी किनारे पर हलके मैट शैडो से ब्रश करके आई मेकअप को पूर्णता दें। मसकारा लगाते समय लैशेज सीधी रखें। उसके बाहरी हिस्से पर दाहिनी तरफ ज्यादा मसकारा लगाएं।

उनींदी आंखें

उनींदी आंखों यानी हूडेड आईज में आईलैशेज बहुत कम होते हैं, वैसी आंखें उनींदी सी लगने लगती हैं। इस तरह की आंखों को ऐसा मेकअप करने की जरूरत होती है जिनसे ये थोड़ी सजग दिखाई दें। सोई-सोई सी या नशीली सी न दिखें। पलकों के भीतरी आधे हिस्से पर मैट या न्यूट्रल कलर का आई शैडो लगाएं। उसके आसपास के हिस्से पर थोडा गहरा रंग लगाएं, लेकिन इसे बाहरी हिस्से में न लगाएं। गहरे रंग के इस्तेमाल से परहेज करें। इससे आपकी पलकें भारी लगने लगेंगी। आंखों के ऊपरी और निचले किनारों पर भी गहरे रंगों का इस्तेमाल न करें। ऊपरी लैशेज को थोड़ा कर्ल करें और मसकारा के एक-दो कोट्स ही लगाएं। ब्रो बोन पर मीडियम शेड्स का इस्तेमाल करें। यहां न तो बहुत चटख और चमकीले रंगों का प्रयोग करें और न ही बहुत हलके रंगों का।

आमंड शेप्ड आईज

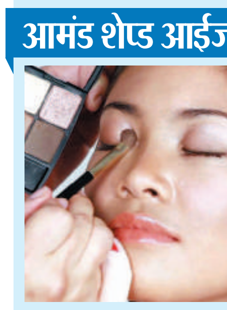

आमंड शेप्ड आईज को सर्वोत्तम माना जाता है। इन्हें कई तरह से सजाया जा सकता है। जैसे बारीक आई लाइनर, कृत्रिम आई लैशेज, ब्राइट कलर्स। सबसे पहले ब्रो बोन में स्किन टोन के मुताबिक हलके रंग का शैडो प्रयोग में लाएं। आई लिड (पलकों) से कुछ शेड गहरा रंग चुनें। आंख के निचले किनारों पर ब्लैक या ब्राउन काजल पेंसिल से रेखा बनाएं। आंखों के बाहरी किनारों की तरफ उभारने की कोशिश करें। अगर आपकी आंखें नीली हैं तो ब्लू पेंसिल का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

राउंड आईज

राउंड आईज यानी गोल आंखों के लिए गहरे रंग का शैडो चुनें। नाक की ओर से शुरू करके ब्रो के बाहरी तरफ ऊपर ले जाते हुए शैडो को अच्छी तरह एकसार करें। निचली पलक पर हलके टोंड शैडो या पेंसिल का प्रयोग करें और इसे ऊपर की ओर बाहरी हिस्से तक ले जाएं। ब्रो लाइन के पास म्यूटेड हाईलाइटर लगाएं।

छोटी आंखें

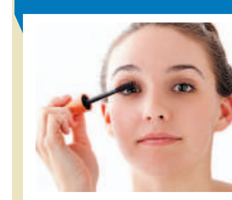

आंखें यदि छोटी हैं तो इन्हें बड़ा दिखाने के लिए पलकों के बाहरी किनारे पर ऊपर की तरफ हलके रंग का पाउडर शैडो छोटे ब्लशर की मदद से लगाएं। क्रीज के पास गहरा शैडो प्रयोग करें। लेकिन नाक की तरफ आंखों के भीतरी हिस्से पर कोई रंग न प्रयोग करें, क्योंकि इससे आंखें और छोटी दिखने लगेंगी। किनारों पर शैडो लगाने के लिए ब्रश का प्रयोग करें। इसके बाद आंख के निचले हिस्से पर हलकी ग्रे कलर की काजल पेंसिल से रेखा बनाएं।

निस्तेज आंखें

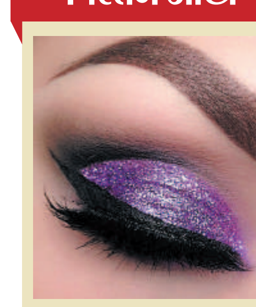

निस्तेज आंखों के लिए आई मेकअप आंखों के भीतरी हिस्से से शुरू करें। ऊपरी और बाहरी तरफ मीडियम टोंड शैडो ब्रश की मदद से लगाएं। इसे ब्रो लाइन के ठीक पास तक लाकर छोड़ दें। पलकों की बाहरी रेखा पर किसी भी रंग का प्रयोग न करें। लेकिन आंख की ऊपरी क्रीज लाइन को थोड़ा उभारने की कोशिश करें, मीडियम ब्राउन आई शैडो से रेखा बनाएं, फिर अपनी पलकों को थोडा कर्ल करें। मसकारा के कुछ कोट्स भी इसमें मदद करेंगे।

चावल के पानी से चेहरा धोने के फायदे

उबले चावल के पानी यानी मांड के स्वास्थ्य लाभों के बारे में शायद आप जानती होंगी। लेकिन क्या आप जानती हैं कि यह पानी सेहत के लिए जितना फायदेमंद है, त्वचा के लिए उतना ही गुणकारी। जीं हां चावल आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है। त्वचा की देखभाल के लिए घरेलू उपायों का प्रयोग करने वालों को पके चावल के पानी से बहुत फायदा हो सकता है। चावल के पानी का इस्तेमाल त्वचा की देखभाल के लिए भी किया जा सकता है। सप्ताह में एक बार इस घरेलू उपाय का इस्तेमाल करने से सौंदर्य से जुड़ी कई समस्याओं का निदान आसानी से हो जाता है।

त्वचा के लिए चावल का पानी

चावल के पानी में मौजूद प्रोटीन, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा के कारण यह त्वचा में नमी बरकरार रहती है। इसके इस्तेमाल से त्वचा की रंगत निखरती है। चेहरे के दाग-धब्बे और झुर्रियां दूर होती हैं। इसके अलावा माड़ से त्वचा में कसावट आती है और पोर्स टाइट होते हैं। इन खूबियों के चलते यह पानी एक अच्छा क्लींजर भी है।

इस्तेमाल का तरीका

- एक कप चावल को अच्छी तरह से साफ करके पानी में भिगो दें।
- आधे घंटे के बाद जब चावल में मौजूद पोषक तत्व पानी में घुल जाए तो बर्तन को गैस में रख दें और चावल को पकने दें।
- चावल पकने के बाद उसका माड़ निकाल लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें।
- फिर इस पानी से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें।
- मसाज करने के 10 मिनट बाद चावल के पानी से ही अपना चेहरा धोकर सूखे कपड़े से चेहरा पोंछ लें।
- आपको तुरंत अपनी त्वचा में बदलाव नजर आने लगेगा।

बालों के लिए फायदेमंद

त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी चावल का पानी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप पतले और बेजान बालों की समस्या से परेशान है तो चावलों के पानी से बालों को धोएं। चावल के पानी से बालों को धोने से बाल घने होने के साथ-साथ बालों में चमक भी बनी रहती है। चावल के पानी को अपने बालों में लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर शैम्पू और कंडीशनर से धो लें। आप महंगे ट्रीटमेंट के बिना पा सकते हैं, सुंदर और चमकीले बाल। लेकिन इस उपाय को अपनाने से पहले चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

बारिश में करें वाटरप्रूफ मेकअप...

> अगर आपको बारिश में भीगने का मनकर रहा है तो घबराने की जरूरत नहीं है। बरसात में वाटरप्रूफ मेकअप करना चाहिए। वाटरप्रूफ मेकअप की सब से खास बात यह होती है कि बारिश का पानी भी इस का कुछ बिगाड़ नहीं पाता है। रेन डांस और स्विमिंग पूल में मजा लेते वक्त भी वाटरप्रूफ मेकअप का कमाल दिखता है। पसीना आने पर मेकअप त्वचा के रोमछिद्रों में घुल कर अंदर चला जाता है, जिस से मेकअप बदरंग दिखाई देने लगता है। मेकअप रोमछिद्रों के जरिए शरीर के अंदर न जाए, वाटरप्रूफ मेकअप में यही किया जाता है। त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर के किया गया मेकअप ही वाटरप्रूफ मेकअप कहलाता है।

वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स

वाटरप्रूफ मेकअप की बढ़ती मांग को देखते हुए मेकअप प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियों ने वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स बनाने शुरू कर दिए हैं। इन प्रोडक्ट्स के अंदर ऐसे तत्व डाल दिए जाते हैं, जो मेकअप करने के दौरान त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं। इस से मेकअप त्वचा के अंदर नहीं जा पाता और पसीना या पानी उसे बहा नहीं पाता है। वाटरप्रूफ मेकअप की सब से खास बात यह होती है कि यह चाय, काफी आदि पीने से भी खराब नहीं होता है। इस तरह के मेकअप प्रोडक्ट्स से मेकअप करते समय त्वचा को वाटरप्रूफ करने की जरुरत नहीं रहती है। वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स में क्रीम, लिपस्टिक, फेस बेस, रूज, मस्कारा और काजल जैसी ढेर सारी चीजें अब बाजार में मिलने लगी हैं।

जरा सावधान रहें

वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स सिलिकोन का प्रयोग कर के बनाए जाते हैं। इन में प्रयोग होने वाला डाइनोथिकोन आयल त्वचा को चमकदार बनाता है। यह वाटरप्रूफ मेकअप को आसानी से फैलने में मदद करता है, लेकिन वाटरप्रूफ के जहां तमाम फायदे हैं, वहीं इस के साथ कुछ खराबियां भी हैं, जिन्हें जान लेना जरूरी होता है। वाटरप्रूफ मेकअप को हटाने के लिए पानी का प्रयोग ही काफी नहीं होता है। इस को हटाने के लिए बेबी आयल या फिर सिलिकोन आयल का प्रयोग करना होता है। वाटरप्रूफ मेकअप का प्रयोग त्वचा पर खराब प्रभाव डालता है। इस से त्वचा को नुकसान पहुंचता है। त्वचा पर इन्फैक्शन हो जाता है। ज्यादा प्रयोग करने से समय से पहले त्वचा पर झुर्रियां भी पड़ने लगती हैं। वाटरप्रूफ मेकअप का प्रयोग खास अवसरों पर ही करें, रोज इस का प्रयोग न करें।

डेली मेकअप

बारिश के दिनों में फाउंडेशन का इस्तेमाल करना सुरक्षित नहीं होता है। कॉम्पैक्ट पाउडर के जरीए मैट लुक सब से बेहतर विकल्प है। फाउंडेशन की जगह फेस पाउडर का इस्तेमाल करें। कॉम्पैक्ट के साथ हलका मेकअप करें। इस से पूरा फेस भी कवर हो जाएगा और वह तैलीय भी नहीं दिखेगा। लाइलैक ब्लौसम और प्रीसियस पिंक कलर के परिधान के साथ सौफ्ट पिंक और डीप रास्पबैरी लिपस्टिक बेहतर रहेगी। काजल के इस्तेमाल से आंखों को खूबसूरत बनाएं। लाइलैक ब्लौसम और प्रीसियस पिंक कलर के परिधान के साथ सौफ्ट पिंक और डीप रास्पबैरी लिपस्टिक बेहतर रहती है। अपनी आंखों को ऐटिटयूड काजल से हाईलाइट करें।

पार्टी मेकअप

मानसून सीजन के दौरान चेहरे को ब्लशर के हलके प्रयोग से निखारें। अगर आप भीग जाती हैं तो चेहरे को टिशू पेपर से सुखा लें। टिशू पेपर को पूरे चेहरे पर न मलें। गालों पर ब्लशर को बाहर की तरफ ब्लैंड करें। हलके रंगों का ज्यादा इस्तेमाल करें। क्रीम की जगह पाउडर्ड आईशैडो का प्रयोग करें। यह चेहरे पर आईशैडो को फैलने से रोकेगा। अगर आप मसकारे का इस्तेमाल करना चाहती हैं, तो वाटर रैसिस्टैंस मसकारे का इस्तेमाल करें ताकि भारी बारिश में भी वह सुरक्षित रहे। मानसून के दौरान लिक्विड आईलाइनर की जगह पैंसिल आईलाइनर का इस्तेमाल करें।

बालों का रखें ख्याल

मौसम में नमी के कारण पसीना ज्यादा बहता है जिस वजह से स्कैल्प तैलीय हो जाती है और बाल चिपचिपे हो जाते हैं। लगातार मौसम में नमी और शरीर से पसीना आने की वजह से सिर बिल्कुल चिपचिपी हो जाती है जिस वजह से सिर की त्वचा पर जीवाणु और फंगस अपना घर बना लेते हैं। पर्यावरण प्रदूषण भी हवा के द्वारा सिर और बालों पर चिपक जाते हैं जो कि पहले से ही चिकनापन लिए होते हैं।

हेयर केयर के लिए टिप्स

अपनी सिर को बिल्कुल सूखा रखने की कोशिश करें। मानसून में अपने बालों को हर रोज शैंपू करें क्योंकि इस समय पसीना ज्यादा बहता है। माइल्ड शैंपू का प्रयोग सही रहेगा। बालों के हिसाब से कंडीशनर चूज करें। ऑयली बालों के लिए लाइट कंडीशनर और सूखे बालों के लिए जरा सा स्ट्रांग कंडीशनर अच्छा होता है। अपने आप को हाइड्रेट रखने के लिए खूब सारा पानी पिएं और फलों का जूस। इस समय बालों का झड़ना आम बात है, तो ऐसे में बिल्कुल भी ना घबराएं।

संपादकीय

देश का 'अपारंपरिक पीएम'

नरेंद्र मोदी बीते 12 लंबे सालों से, यानी 4400 दिनों से, निरंतर तीसरी बार देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। यह कोई सामान्य घटना या राजनीतिक, लोकतांत्रिक स्वीकृति ही नहीं है, बल्कि देश के जनमत का निष्कर्ष है। भारत का प्रधानमंत्री बनना अपने आप में हिमालय लांघने जैसा कीर्तिमान है। यह लोकतंत्र के सशक्तिकरण का भी प्रमाण है। भारत जैसे बहुक्षेत्रीय, बहुभाषायी, बहुसांस्कृतिक, बहुनस्लीय, बहुधर्मी देश का इतने लंबे कार्यकाल तक प्रधानमंत्री बने रहना विविधता की मुहर भी है। लेकिन प्रधानमंत्रियों की आपसी तुलना नहीं की जानी चाहिए। न तो जवाहर लाल नेहरू 'महानतम' थे और न ही नरेंद्र मोदी 'कमतर महान' हैं। वे लोकतंत्र के जनादेश के वाहक हैं और देश का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्रियों की राजनीतिक परिस्थितियां, कालखंड भिन्न होते हैं, लिहाजा तुलना बुनियादी और शास्त्रीय आधार पर गलत है। देश में वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्री भी हुए हैं, जिन्हें राजनीतिक कारणों से एक साल का कार्यकाल भी नसीब नहीं हुआ, लेकिन वे भी प्रधानमंत्रियों की जमात में शामिल हैं। उनके नाम भी राष्ट्रीय उपलब्धियां दर्ज होंगी! नेहरू इसलिए सर्वाधिक उल्लेखनीय रहे हैं, क्योंकि उन्हें 'स्वतंत्र भारत' का सबसे पहले नेतृत्व करने का अवसर मिला। उन्हें राष्ट्रीय निर्माण के 'बुनियादी पत्थर' रखने का दायित्व मिला। उन्होंने आईआईटी, आईआईएम, एम्स, भारी उद्योग, भाखड़ा जैसे बांध, रेलवे के शुरुआती विस्तार आदि को आकार दिया। बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने उनका खूब विस्तार कराया। आज देश के प्रमुख राज्यों में आईआईटी और एम्स मौजूद हैं। सभी स्मारक 'सुई' से शुरुआत करनी पड़ी। उन्होंने भी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गलतियां कीं, लेकिन यह तो इनसानी फितरत है। लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया, उन्हें पीछे कर दिया, ऐसी हुंकारों से भाजपाई मंत्रियों, नेताओं और काडर को बचना चाहिए। नेहरू के कालखंड में देश की जीडीपी एक ट्रिलियन डॉलर से बहुत कम थी और मोदी को जब सत्ता सौंपी गई, तो जीडीपी 2 ट्रिलियन डॉलर को पार कर चुकी थी और आज 12 साल बाद हम 4 ट्रिलियन डॉलर की, विश्व की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। आजादी के बाद देश की आबादी करीब 5 गुना अधिक हो चुकी है, लिहाजा जीडीपी भी उसी अनुपात में बढ़ रही है। दरअसल कई मायनों में प्रधानमंत्री मोदी 'अपारंपरिक प्रधानमंत्री' हैं। उन्होंने जन-धन बैंक खाते, उज्ज्वला गैस, शौचालय, सरकारी मदद से पक्के घर, हर नल में जल, आयुष्मान भारत, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त करना, तीन तलाक संबंधी कानून, वैश्विक महामारी कोरोना के संदर्भ में 220 करोड़ से अधिक कोरोना टीके की खुराक मुफ्त देना, कोरोना टीके का भारत में ही आविष्कार आदि 'अपारंपरिक' कार्यक्रम और योजनाएं हैं। इनकी व्यवस्था में खामियां हैं, विसंगतियां हैं, जनता को शिकायतें हैं, लेकिन ये नीतिगत अभियान निरंतर जारी हैं। ऐसा किसी भी पूर्व प्रधानमंत्री ने नहीं सोचा। प्रधानमंत्री मोदी को इसका राजनीतिक लाभ मिलता रहा है। कोरोना के दौर से 80 करोड़ से अधिक भारतीयों को 5 किलो मुफ्त राशन हर महीने मुहैया कराया जा रहा है और 2029 तक जारी रहेगा, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञ और जानकार सवाल करते रहे हैं कि यदि इन (अब 81.35 करोड़) लोगों को मुफ्त राशन न बांटा जाए, तो क्या ये लोग भूखे मर जाएंगे? यदि देश की यही स्थिति है, तो गरीबी के आंकड़ों का यथार्थ भयावह है। फिर 25 करोड़ लोगों को गरीबी-रेखा से बाहर निकालने के दावे बेमानी हैं। हम मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों पर निरंतर सवाल उठाते रहे हैं। यह हमारा संवैधानिक, लोकतांत्रिक जनादेश है। प्रधानमंत्री मोदी के कालखंड में नक्सलवाद लगभग समाप्त कर दिया गया है। आतंकवाद कभी-कभार सांसें लेने लगता है, अलबत्ता अलगाववाद के साथ उसका भी सूपड़ा साफ कर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी को 32 देशों ने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा है, यह भारत का ही सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 से अधिक देशों की संसद को संबोधित भी किया है, यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी अभूतपूर्व है।

भारत जैसे बहुक्षेत्रीय, बहुभाषायी, बहुसांस्कृतिक, बहुनस्लीय, बहुधर्मी देश का इतने लंबे कार्यकाल तक प्रधानमंत्री बने रहना विविधता की मुहर भी है। लेकिन प्रधानमंत्रियों की आपसी तुलना नहीं की जानी चाहिए। न तो जवाहर लाल नेहरू 'महानतम' थे और न ही नरेंद्र मोदी 'कमतर महान' हैं। वे लोकतंत्र के जनादेश के वाहक हैं और देश का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्रियों की राजनीतिक परिस्थितियां, कालखंड भिन्न होते हैं, लिहाजा तुलना बुनियादी और शास्त्रीय आधार पर गलत है। देश में वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्री भी हुए हैं, जिन्हें राजनीतिक कारणों से एक साल का कार्यकाल भी नसीब नहीं हुआ, लेकिन वे भी प्रधानमंत्रियों की जमात में शामिल हैं। उनके नाम भी राष्ट्रीय उपलब्धियां दर्ज होंगी! नेहरू इसलिए सर्वाधिक उल्लेखनीय रहे हैं, क्योंकि उन्हें 'स्वतंत्र भारत' का सबसे पहले नेतृत्व करने का अवसर मिला। उन्हें राष्ट्रीय निर्माण के 'बुनियादी पत्थर' रखने का दायित्व मिला। उन्होंने आईआईटी, आईआईएम, एम्स, भारी उद्योग, भाखड़ा जैसे बांध, रेलवे के शुरुआती विस्तार आदि को आकार दिया।

बच्चे को जन्म देना अपेक्षाकृत आसान है, किंतु उसे एक जिम्मेदार, शिक्षित और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है

पचास के बाद पेरेंट्स और बच्चे का भविष्य

डॉ. प्रियंका सौरभ

चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने उन दंपतियों के लिए भी माता-पिता बनने का मार्ग खोल दिया है, जो किसी कारणवश प्राकृतिक रूप से संतान प्राप्ति में सक्षम नहीं थे। IVF (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) जैसी तकनीक ने हजारों परिवारों को संतान सुख दिया है। निस्संदेह यह आधुनिक चिकित्सा की एक बड़ी उपलब्धि है। किंतु हर उपलब्धि के साथ कुछ प्रश्न और जिम्मेदारियाँ भी जुड़ी होती हैं। आज जब कुछ दंपति 50-52 वर्ष या उससे अधिक आयु में, कभी-कभी कर्ज लेकर, IVF के माध्यम से माता-पिता बनने का निर्णय लेते हैं, तब इस विषय पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है। संतान की इच्छा मनुष्य की सबसे स्वाभाविक और गहरी भावनाओं में से एक है। हर व्यक्ति चाहता है कि उसका अपना परिवार हो, घर में बच्चों की किलकारियाँ गूंजें और जीवन को एक नई दिशा मिले। इसी चाहत के कारण अनेक दंपति वर्षों तक उपचार करवाते हैं और आर्थिक तथा मानसिक संघर्ष झेलते हैं।

विज्ञान ने मानव जीवन को अनेक सुविधाएँ और संभावनाएँ प्रदान की हैं। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने उन दंपतियों के लिए भी माता-पिता बनने का मार्ग खोल दिया है, जो किसी कारणवश प्राकृतिक रूप से संतान प्राप्ति में सक्षम नहीं थे। IVF (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) जैसी तकनीक ने हजारों परिवारों को संतान सुख दिया है। निस्संदेह यह आधुनिक चिकित्सा की एक बड़ी उपलब्धि है। किंतु हर उपलब्धि के साथ कुछ प्रश्न और जिम्मेदारियाँ भी जुड़ी होती हैं। आज जब कुछ दंपति 50-52 वर्ष या उससे अधिक आयु में, कभी-कभी कर्ज लेकर, IVF के माध्यम से माता-पिता बनने का निर्णय लेते हैं, तब इस विषय पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है। संतान की इच्छा मनुष्य की सबसे स्वाभाविक और गहरी भावनाओं में से एक है। हर व्यक्ति चाहता है कि उसका अपना परिवार हो, घर में बच्चों की किलकारियाँ गूंजें और जीवन को एक नई दिशा मिले। इसी चाहत के कारण अनेक दंपति वर्षों तक उपचार करवाते हैं और आर्थिक तथा मानसिक संघर्ष झेलते हैं। उनकी भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। लेकिन माता-पिता बनना केवल बच्चे के जन्म तक सीमित नहीं है। वास्तविक जिम्मेदारी उसके बाद शुरू होती है। बच्चे को जन्म देना अपेक्षाकृत आसान है, किंतु उसे एक जिम्मेदार, शिक्षित और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है। जब कोई दंपति 50 वर्ष की आयु में माता-पिता बनता है, तो यह स्वाभाविक है कि जब बच्चा बारहवीं कक्षा में पहुँचेगा, तब माता-पिता की आयु लगभग 68 से 70 वर्ष के बीच होगी। यह जीवन का वह चरण होता है जब अधिकांश लोग सेवानिवृत्ति के बाद आरामदायक जीवन की अपेक्षा करते हैं। उम्र बढ़ने के साथ शरीर में अनेक परिवर्तन आते हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, थायराइड, हृदय रोग, गठिया और अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ सामान्य हो जाती हैं। ऐसे में बच्चे की पढ़ाई, करियर और भावनात्मक जरूरतों के लिए पहले जैसी सक्रियता बनाए रखना आसान नहीं होता। किशोरावस्था और युवावस्था किसी भी बच्चे के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होती है। इसी

अवधि में उसे सही मार्गदर्शन, आत्मविश्वास और भावनात्मक सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, उच्च शिक्षा का चयन, करियर की योजना और जीवन से जुड़े अनेक निर्णय इसी उम्र में लिए जाते हैं। यदि उस समय माता-पिता स्वयं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हों, तो बच्चे और परिवार दोनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। कई बार बच्चे को अपनी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के साथ-साथ माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है। इस विषय का एक सामाजिक पक्ष भी है। विद्यालयों और सामाजिक आयोजनों में बच्चे अपने मित्रों और सहपाठियों के बीच रहते हैं। कई बार उम्रदराज माता-पिता होने के कारण बच्चों को अनावश्यक टिप्पणियों या मजाक का सामना करना पड़ सकता है। यद्यपि यह समाज की अपरिपक्वता का परिचायक है, फिर भी इसका प्रभाव बच्चे के मनोविज्ञान पर पड़ सकता है। बच्चे अक्सर अपने साथियों के बीच स्वयं को सहज और स्वीकार्य महसूस करना चाहते हैं। ऐसी परिस्थितियाँ कभी-कभी उनके आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकती हैं। आर्थिक दृष्टि से भी देर से मातृत्व-पितृत्व कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है। IVF उपचार पर लाखों रुपये खर्च हो सकते हैं। अनेक परिवार इसके लिए अपनी बचत समाप्त कर देते हैं या ऋण लेते हैं। इसके बाद बच्चे के पालन-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं पर निरंतर खर्च होता है। आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना पहले की तुलना में कहीं अधिक महंगा हो चुका है। यदि माता-पिता पहले से आर्थिक दबाव में हों और सेवानिवृत्ति के निकट हों, तो भविष्य में बच्चे की उच्च शिक्षा और करियर निर्माण के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना कठिन हो सकता है। महिलाओं के संदर्भ में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रकृति ने प्रजनन के लिए एक जैविक समय-सीमा निर्धारित की है। रजोनिवृत्ति या मेनोपॉज इस बात का संकेत है कि शरीर प्रजनन क्षमता के अंतिम चरण में पहुँच चुका है। आधुनिक चिकित्सा तकनीकें इस सीमा को कुछ हद तक आगे बढ़ा सकती हैं, किंतु वे उम्र से जुड़ी सभी चुनौतियों को समाप्त नहीं कर सकतीं। अधिक आयु में गर्भधारण और प्रसव के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। हालाँकि इस विषय पर चर्चा करते समय संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि अधिक आयु में माता-पिता बनने वाला हर व्यक्ति अपने बच्चे के लिए समस्या बन जाएगा। अनेक लोग 60 वर्ष की आयु में भी पूरी तरह स्वस्थ, सक्रिय और आर्थिक रूप से सक्षम होते हैं। वहीं कई युवा माता-पिता भी अपने बच्चों को पर्याप्त समय और संसाधन नहीं दे पाते। इसलिए किसी निर्णय का मूल्यांकन केवल उम्र के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन औसत परिस्थितियों को देखते हुए आयु एक महत्वपूर्ण कारक अवश्य है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस संदर्भ में गोद लेने का विकल्प भी विचारणीय है। हमारे देश में हजारों ऐसे बच्चे हैं जो किसी कारणवश माता-पिता के स्नेह और संरक्षण से वंचित हैं। यदि सक्षम परिवार उन्हें अपनाएँ, तो न केवल उन बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सकता है, बल्कि परिवारों को भी संतान सुख प्राप्त हो सकता है। दुर्भाग्य से आज भी समाज में जैविक संतान को अधिक महत्व दिया जाता है, जिसके कारण अनेक लोग गोद लेने जैसे सकारात्मक विकल्प पर गंभीरता से विचार नहीं करते। वास्तव में माता-पिता बनने का अर्थ केवल अपनी इच्छा पूरी करना नहीं है। इसका अर्थ है आने वाले बीस-पच्चीस वर्षों तक बच्चे के जीवन में सक्रिय भागीदारी निभाना, उसके सपनों को समर्थन देना और हर परिस्थिति में उसके साथ खड़ा रहना। इसलिए संतान प्राप्ति का निर्णय लेते समय केवल वर्तमान की खुशी नहीं, बल्कि भविष्य की जिम्मेदारियों को भी ध्यान में रखना चाहिए। भावनाएँ महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दूरदर्शिता भी उतनी ही आवश्यक है। अंततः प्रश्न IVF या चिकित्सा विज्ञान का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या हम अपने निर्णयों के दीर्घकालिक परिणामों पर पर्याप्त विचार कर रहे हैं। संतान जीवन की सबसे बड़ी खुशियों में से एक है, लेकिन वह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। इसलिए देर से मातृत्व-पितृत्व का निर्णय लेने से पहले स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति, सामाजिक परिस्थितियों और सबसे बढ़कर बच्चे के भविष्य को केंद्र में रखकर सोचने की आवश्यकता है। क्योंकि किसी भी बच्चे का सर्वोत्तम हित ही हर निर्णय का आधार होना चाहिए। यही परिपक्व अभिभावकत्व की पहचान है।

देश दुनिया से

बचत के विरोधाभासी चक्र में फंसी पीढ़ी

बचत करने की आदत हम भारतीयों के स्वभाव के मूल में है। देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग तरीके की 'गुल्लक संस्कृति' है। कभी बच्चों के शादी-ब्याह के नाम पर आय का एक हिस्सा बचाकर रखना तो कभी घर बनाने के लिए बचत। छोटी-छोटी बचत अनेक बार बड़ी काम आती है। बचाने की इस प्रवृत्ति के कारण ही अनेक बार मंदी के दौर में उतना बड़ा झटका आम लोगों को नहीं लगा, जितनी आशंका जताई गयी थी। नोटबंदी के दौरान गुल्लक संस्कृति काम आई। बड़े नोट बंद हुए, लेकिन छोटी-छोटी बचत वालों ने उस दौर में अपने इन छोटे नोटों से ही काम चलाया। इस बचत की संस्कृति को समझते हुए अनेक सरकारों ने भी समय-समय पर कई योजनाएं शुरू कीं। मसलन—किसान विकास पत्र, सुकन्या समृद्धि योजना, लाडो लक्ष्मी, कन्या सुमंगल, महिला सम्मान बचत वगैरह-वगैरह। लेकिन आज, बदले वैश्विक परिदृश्य में सत्ता के शिखर से बचत का एक अन्य मंत्र दिया जा रहा है। विदेश यात्राओं से परहेज करें। अभी आभूषण नहीं खरीदें। ईंधन बचाएं। अघोषित तरीके से सीधा संदेश यह भी है कि बचत करें। आज की युवा पीढ़ी विरोधाभास के चक्रव्यूह में फंसी है। वह घूमने-फिरने की शौकीन है। वह नये-नये कपड़े खरीदने, खानपान के नये अड्डों में जाने और आभूषणों को खरीदने की शौकीन है। यह पीढ़ी क्रेडिट कार्ड संस्कृति वाली है। जितना है, उससे भी ज्यादा खर्च करने में विश्वास। यानी इस पीढ़ी को बचत की बहुत ज्यादा फिक्र नहीं है। पहले से ही खुलकर खर्च करने वाली इस पीढ़ी को लेकर रही-सही कसर आयकर प्रणाली की नयी व्यवस्था ने पूरी कर दी है। करीब 12 लाख रुपये तक कोई कर नहीं, उसके बाद बचत का कोई फायदा नहीं। पुरानी व्यवस्था में टैक्स बचाने के नाम पर ही सही, नौकरी-पेशा व्यक्ति एक सीमा तक बचत करने की कोशिश करता था। शायद इसी बहाने कुछ बच जाये। अब, चूंकि बचत योजनाओं से ज्यादा फायदा होना ही नहीं है तो उस ओर सोचना ही क्या? प्रोविडेंट

फंड योजना में अभी बेसिक वेतन का 12 प्रतिशत जमा होने का प्रावधान है। इसे 30 प्रतिशत तक बढ़ा भी सकते हैं। आमतौर पर इसे सेवानिवृत्ति के लिए बचाया गया धन माना जाता है। इस बचत से पैसा निकालना कठिन होता था। अभी तक भी ऐसा ही है, लेकिन अब इसमें भी नयी व्यवस्था पर काम लगभग पूरा हो चुका है। इस बचत को भी अब सेविंग अकाउंट की तरह बनाने की कवायद चल रही है। यानी एटीएम की तरह इसमें से पैसे निकाले जा सकते हैं। नयी व्यवस्था के मुताबिक कर्मचारी को अपने नियोक्ता से मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। गौर हो कि पहले पीएफ राशि निकालना बहुत आसान नहीं था। अब नयी व्यवस्था में अपने कुल पीएफ राशि का पचास से 75 फीसदी तक सीधे निकाला जा सकता है। हालांकि, बदले नियमों के तहत खाते में हर समय कुल योगदान का न्यूनतम 25 प्रतिशत हिस्सा सुरक्षित रखना अनिवार्य है।एक तरफ बचत की बात और दूसरी ओर खर्च करने के लिए इतनी छूट। आज का युवा वर्ग बचत के इस मंत्र में विरोधाभास के चक्रव्यूह में फंस गया है। चक्रव्यूह का पहला द्वार तो वे खुद ही हैं। खाओ-पीओ, घूमो-फिरो और ऐश करो की नीति। इस द्वार को किसी तरह पार कर भी लें या यूं कहें कि अपनी आदतों पर किसी तरह काबू पा भी लें तो दूसरा द्वार आयकर में अब बचत प्रावधान करीब-करीब खत्म। टैक्स स्लैब में फायदा मिलना ही नहीं है या टैक्स कटना ही है तो कोई अतिरिक्त बचत करके फायदा क्या? इसे भी पार पाने की जुगत कर ले। या बचत जरूरी है मानकर कुछ बचा भी ले तो अब पीएफ से निकासी की नयी व्यवस्था। यह तो सर्वमान्य सत्य है कि घर-गृहस्थी में रुपयों की जरूरत आये दिन रहती है। अपनी कमाई से भी अधिक की जरूरत होती है। इस पर साधारण-सा मनोवज्ञान है कि लोन आदि लेने से पहले व्यक्ति अपनी ही बचत पर नजर डालता है। ऐसे में उसे अब सबसे पहले पीएफ ही नजर आएगा। वैसे जानकार कहते हैं कि बेशक आज का युवा इससे पहले की पीढ़ी के लोगों से जरा हटकर है, लेकिन वह शेयर मार्केट, म्यूचुअल फंड और एसआईपी (सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) में दूसरी तरह से बचत करता है। हालांकि ये सब 'सब्जेक्ट टू मार्केट रिस्क' हैं, लेकिन वह जोखिम ले लेता है। इसमें कुछ पार पा लेते हैं, कुछ गंवा बैठते हैं। 'जनरेशन गैप' के तथ्यों से इतर वह भविष्य की योजनाएं भी करता है, उसका स्वरूप दूसरा होता है। उसके फोन में बचत विशेष के कई एप हैं। बदलते दौर में यह तो मानकर चलना पड़ेगा कि बेशक बचत मंत्र में विरोधाभास हो, लेकिन नयी पीढ़ी विरोधाभास के चक्रव्यूह से निकल ही जाएगी। फिर नियम भी बदलते रहते हैं, समय चक्र की तरह। विरोधाभास के इस चक्रव्यूह को तोड़ने की जरूरत पड़ी तो वह बाहर आने की कोशिश कर लेगा। हां, ध्यान रखना होगा कि कहीं बाहर निकलने की तेज आपाधापी में वह अंतिम पायदान पर कहीं घिर न जाये। क्योंकि बड़ी-बड़ी कंपनियों की चकाचौंध में 'हायर एंड फायर' का ऐसा प्रावधान भी छिपा है जो पलभर में अर्श से फर्श पर ले आता है।

आप का नज़रिया

सरकारी चम्मच हटाएं

अपव्यय की शेखियों में अगर सरकारी उपक्रम घाटे की मंजिल बन जाएं, तो इस पाप की शिनाख्त होनी चाहिए। आम तौर पर सरकारी उपक्रमों पर लादे गए पद व ऐसे ओहदों की सुविधाओं से जाया हुई जवाबदेही का जिक्र नहीं होता, लेकिन जब कभी सरकार संज्ञान लेती है, तो मालूम होता है कि कहीं गुण दोष के आधार पर बड़े फैसले हो सकते हैं। पर्यटन विकास निगम के इतिहास में एक ओर 147 करोड़ का घाटा और दूसरी ओर काम का ढर्रा यह कि ओहदे पूजे जा रहे हैं। एक बड़े फैसले का इंतजार खत्म करते हुए सरकार ने एचपीटीडीसी की इकाइयों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रबंध निदेशक व निदेशक मंडल के सदस्यों को मिलने वाली रियायतों को समाप्त कर दिया है। रोचक तथ्य यह है कि इन पदाधिकारियों को मात्र सौ रुपए में कमरा और खाने में पचास प्रतिशत की छूट उपलब्ध थी। ये छूट नहीं, बल्कि छूट के सिलसिलों को कुछ इस तरह बांटती रही कि निदेशक मंडल की बैठकों में सदस्यों को फ्री सेवाएं तत्पर रहीं। इतना ही नहीं प्रबंध निदेशक के बच्चों की शादियों पर ठहरने की व्यवस्था में पचास और खाने की व्यवस्था में चालीस प्रतिशत की छूट भी उपलब्ध थी, जबकि परिवहन व्यवस्था पर भी 20 प्रतिशत की छूट मिलती रही। इसे हम कैंकड़ा व्यवस्था कह सकते हैं। किसी ने छूट के नियमों में झांकने तक की कोशिश नहीं की। ऐसे कई छेद सार्वजनिक उपक्रमों के औचित्य, उनकी मेहनत व कर्मचारियों के सरोकारों को बदनाम करते हैं। जाहिर तौर पर ऐसी छूट की नियमावली दरअसल सियासी अंकगणित के तहत कार्य करती है। आश्चर्य यह कि पर्यटन की नीतियों का सत्यानाश सरकारी होटलों में ही होता रहा। प्रदेश में जिस तरह सैलानियों का आगमन इस वक्त शिखर पर है, तो इस दौर में कोई होटल-रेस्तरां असफल कैसे हो सकता। सफल होटल भी घाटे में आ सकता है, अगर उसके संचालन की शर्तें व्यावसायिक नहीं होंगी या घाटे की जवाबदेही तय नहीं होगी। इस परिप्रेक्ष्य में अगर सुक्खू सरकार एक ही झटके में पर्यटन निगम से चिपकी स्वार्थ की छूट को खत्म कर रही है, तो यह एक दीर्घकालीन प्रक्रिया के तहत अन्य सार्वजनिक उपक्रमों की छानबीन करते हुए, अनावश्यक खर्चों को कम कर सकती है। हिमाचल में किसी भी सरकार का प्रदर्शन परिवहन निगम के संचालन व छवि पर निर्भर करता है। अतीत में कई तरह के प्रयोग करके परिवहन सेवाएं अगर आज प्रदेश को गतिशील बनाती हैं, तो इसमें एचआरटीसी की भूमिका रही है, लेकिन अब प्रबंधकीय गिरावट का कोई न कोई उदाहरण सडक़ों पर बेबस सरकारी बस की हालत देख कर पेश होता है। कहने को एक साथ 26 नई वोल्वो बसों की खरीद करके हिमाचल पथ परिवहन निगम ने एक नया संकल्प लिया, लेकिन कार्यशैली में बदलाव न होने के कारण कोई आशाजनक परिवर्तन नहीं आया। इसके बरअक्स निजी वोल्वो बसों की कतार में सरकारी बसों के रूट ही अप्रासंगिक हो गए। सवाल आमदनी और खर्च से कहीं आगे राजनीतिक इच्छाओं के कारण कातिल हो गया और अनावश्यक ढांचे-अफसरशाही और जवाबदेही के अभाव में सारा कुनबा बिखर रहा है। ऐसे में क्या सुक्खू सरकार अनावश्यक डिपो की तादाद घटा कर सरकारी बसों के संचालन को उपभोक्ता की उम्मीदों और विश्वास के अनुरूप करेगी। जाहिर है हर सरकारी उपक्रम को घाटे से बचाना है, तो सख्त फैसले लेने पड़ेंगे और अगर ये कदम सुक्खू सरकार की निशानी बन रहे हैं, तो इन्हें राजनीति से ऊपर, प्रदेश की खातिर सही मानना होगा।

आम तौर पर सरकारी उपक्रमों पर लादे गए पद व ऐसे ओहदों की सुविधाओं से जाया हुई जवाबदेही का जिक्र नहीं होता, लेकिन जब कभी सरकार संज्ञान लेती है, तो मालूम होता है कि कहीं गुण दोष के आधार पर बड़े फैसले हो सकते हैं। पर्यटन विकास निगम के इतिहास में एक ओर 147 करोड़ का घाटा और दूसरी ओर काम का ढर्रा यह कि ओहदे पूजे जा रहे हैं। एक बड़े फैसले का इंतजार खत्म करते हुए सरकार ने एचपीटीडीसी की इकाइयों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रबंध निदेशक व निदेशक मंडल के सदस्यों को मिलने वाली रियायतों को समाप्त कर दिया है। रोचक तथ्य यह है कि इन पदाधिकारियों को मात्र सौ रुपए में कमरा और खाने में पचास प्रतिशत की छूट उपलब्ध थी। ये छूट नहीं, बल्कि छूट के सिलसिलों को कुछ इस तरह बांटती रही कि निदेशक मंडल की बैठकों में सदस्यों को फ्री सेवाएं तत्पर रहीं। इतना ही नहीं प्रबंध निदेशक के बच्चों की शादियों पर ठहरने की व्यवस्था में पचास और खाने की व्यवस्था में चालीस प्रतिशत की छूट भी उपलब्ध थी, जबकि परिवहन व्यवस्था पर भी 20 प्रतिशत की छूट मिलती रही। इसे हम कैंकड़ा व्यवस्था कह सकते हैं। किसी ने छूट के नियमों में झांकने तक की कोशिश नहीं की। ऐसे कई छेद सार्वजनिक उपक्रमों के औचित्य, उनकी मेहनत व कर्मचारियों के सरोकारों को बदनाम करते हैं। जाहिर तौर पर ऐसी छूट की नियमावली दरअसल सियासी अंकगणित के तहत कार्य करती है। आश्चर्य यह कि पर्यटन की नीतियों का सत्यानाश सरकारी होटलों में ही होता रहा। प्रदेश में जिस तरह सैलानियों का आगमन इस वक्त शिखर पर है, तो इस दौर में कोई होटल-रेस्तरां असफल कैसे हो सकता। सफल होटल भी घाटे में आ सकता है, अगर उसके संचालन की शर्तें व्यावसायिक नहीं होंगी या घाटे की जवाबदेही तय नहीं होगी।

कुछ अलग

एक और बदलाव की पुकार

जिंदगी उस मिस्ड काल जैसी हो गई है, कि चाहे जिसके नाम उसे बजाते रहो, कोई उठाता नहीं। हां, अगर कोई मोबाइल करता है, और उसे उठा लो, तो वह अवश्य कोई नए धंधे वाला होता है। साइबर ठगी के धंधे वाला। जी हां, गुस्ताखी कर रहा हूं। आजकल न किसी काम के न काज के, नौ मन अनाज के वाले माहौल में नौ मन अनाज तो खैर कभी हमने देखा नहीं। पांच किलो अनाज अवश्य देखा है, जो सरकार रियायती अनाज की दुकान के बाहर हमारी कतार लगवा कर हमारे बीच बरसों से बांटती रहती है। पहले घोषणा हुई थी कि यह अनाज हमारे घरों तक पहुंचा दिया जाएगा। चार महीने बीतने भी नहीं पाए। अब फिर हुक्म हो गया, उन्हीं दुकानों पर वापस जाओ, क्योंकि कारिन्दों से लेकर इस अनाज के दलाल तक बिना काम के हो गए हैं। उनके नए चहेतों की जमात तो पैदा नहीं हुई, हां, पुराने चहेतों के बेकार होकर हाथ से फिसलने का डर पैदा हो गया। नौ नकद न तेरह उधार। जो चहेते जेब में पड़े हैं, उन्हें गंवा कर नए चंवर झुलाने वाले पैदा करो, जो अनाज को आपके घरों तक पहुंचाने की बजाय अपने घरों के बाहर लगवानी शुरू करें। कठिन काम था। इसलिए इसे छोड़, अब पुरानी प्रणाली फिर अपना ली गई। रियायती अनाज की दुकान के बाहर फिर वैसी कतार लगाओ, और जैसे हो वैसे ही रहो के सूत्रवाक्य के गुण गाओ। बंधु, क्रांति यहां बेटिकट हो गई है, और 'जैसे हो वैसे ही रहो' की आदत पक्की। ऐसे माहौल में परिवर्तन के नाम कोई मोबाइल करने का कोई मतलब नहीं। घंटी बजती रहेगी, कोई इसे उठाएगा नहीं। इसलिए बेहतर है कि परिवर्तन के लिए घंटियां बजानी बंद कीजिये, और जैसे हो वैसे ही रहो के स्वर्ण-पथ पर अपने स्थापित मसीहाओं का जयघोष करते हुए चलते रहो।

दृष्टि कोण

मोदी ने नेहरु का रिकॉर्ड तोड़ने के साथ ही कांग्रेस का घमंड भी चकनाचूर कर दिया है

मोदी हैं तो मुमकिन है, यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि पिछले बारह वर्षों में भारत की बदलती राजनीतिक और प्रशासनिक तस्वीर का सबसे सशक्त प्रतीक बन चुका है। जिस उपलब्धि को दशकों तक असंभव माना जाता रहा, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभव कर दिखाया है। 10 जून 2026 को नरेंद्र मोदी ने देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज करा लिया। लगातार 4399 दिनों तक देश का नेतृत्व करते हुए उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु के 4398 दिनों के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। देखा जाये तो यह उपलब्धि केवल एक रिकॉर्ड टूटने भर की कहानी नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में आए एक बड़े राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक भी है। नरेंद्र मोदी ने सिर्फ नेहरू का रिकॉर्ड नहीं तोड़ा है बल्कि उस राजनीतिक सोच को भी चुनौती दी है जिसमें लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि सत्ता पर केवल एक ही परिवार या एक ही दल का स्वाभाविक अधिकार है। दशकों तक देश की राजनीति गांधी परिवार और कांग्रेस पर केंद्रित रही, लेकिन एक गरीब परिवार से निकले, संघर्षों के बीच पले-बढ़े और कभी रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी ने लोकतंत्र की ताकत के बल पर देश की सर्वोच्च सत्ता तक पहुंचकर भारतीय राजनीति की दिशा ही बदल दी। मोदी का यह सफर करोड़ों सामान्य भारतीयों के लिए प्रेरणा का विषय है। यह संदेश देता है कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के पास होती है, और जनता जब ठान ले तो वह किसी भी स्थापित राजनीतिक समीकरण को बदल सकती है। लगातार तीसरी बार केंद्र की सत्ता संभालते हुए और सबसे लंबे कार्यकाल का रिकॉर्ड बनाकर नरेंद्र मोदी ने यह साबित कर दिया है कि मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट विजन और जनता के भरोसे के दम पर भारतीय राजनीति में असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। देखा जाये तो मोदी ने जो रिकॉर्ड बनाया है वह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह उस जनविश्वास की कहानी है जिसने नरेंद्र मोदी को लगातार तीन बार देश की सत्ता

सौंपी। आजादी के बाद केवल जवाहरलाल नेहरू ही ऐसे नेता थे जिन्होंने लगातार तीन लोकसभा चुनाव जीतकर सरकार बनाई थी। नरेंद्र मोदी ने भी वही करिश्मा दोहराया, लेकिन उससे आगे जाकर लोकतांत्रिक राजनीति में एक नया अध्याय लिख दिया। 26 मई 2014 को जब नरेंद्र मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आने वाले वर्षों में वह भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली और निर्णायक नेता बनकर उभरेंगे। 2019 में उन्होंने पहले से भी अधिक प्रचंड जनादेश हासिल किया और दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। 2024 के चुनाव में भले भारतीय जनता पार्टी अकेले दम पर बहुमत के आंकड़े से नीचे रही, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की चमक और प्रभाव जरा भी कम नहीं हुआ। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने फिर सत्ता संभाली और मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। दरअसल नरेंद्र मोदी का यह सफर केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में भी उन्होंने लंबे समय तक प्रशासन संभालते हुए सुशासन का एक अलग मॉडल प्रस्तुत किया। अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने 4610 दिनों तक राज्य की कमान संभाली। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में मिलाकर मोदी अब नौ हजार दिनों से अधिक समय तक किसी निर्वाचित सरकार के प्रमुख रह चुके हैं। मार्च 2026 में उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का 8930 दिनों का रिकार्ड भी तोड़ दिया था और देश के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले निर्वाचित प्रमुख बन गए थे। उधर, मोदी के इस ऐतिहासिक मुकाम पर केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया से उन्हें बधाइयों का सिलसिला मिला।

भारत में जन्मे निखिल चौधरी को आस्ट्रेलिया की टी-20 टीम में पहली बार मौका, ट्रैविस हेड की लेंगे जगह

नई दिल्ली

भारत में जन्मे और वर्तमान में तस्मानिया तथा होबार्ट हरिकेन्स के लिए खेलने वाले लेग स्पिन आलराउंडर निखिल चौधरी को पहली बार आस्ट्रेलिया की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें आराम दिए गए ट्रैविस हेड के स्थान पर टीम में जगह मिली है।

इससे पहले 30 वर्षीय निखिल चौधरी भारत में पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं। उन्होंने 2017 से 2019 के बीच पंजाब के लिए 12 टी-20 और दो लिस्ट-ए मुकाबले खेले थे। निखिल वर्ष 2020 में अपने चाचा से मिलने आस्ट्रेलिया गए थे। इसी दौरान कोविड महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ बंद हो गईं और वह वहीं रह गए। फिलहाल उनके पास 2027 तक वैध अस्थायी वीज़ा है। उनके पास अभी स्थायी निवास या आस्ट्रेलियाई नागरिकता नहीं है, लेकिन आईसीसी नियमों के अनुसार आस्ट्रेलिया में पाँच वर्ष रहने के कारण वह राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के पात्र हो गए। आस्ट्रेलिया में उन्होंने ग्रेड क्रिकेट से अपनी पहचान बनाई। इसके बाद तत्कालीन हरिकेन्स गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स की नजर उन पर पड़ी और उन्हें होबार्ट हरिकेन्स से अनुबंध मिला। निखिल ने पिछले तीन सत्रों में बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन किया। 2024-25 सीजन में हरिकेन्स को खिताब दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके बाद उन्होंने तस्मानिया के लिए लिस्ट-ए और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया, जहाँ उन्होंने शेफील्ड शील्ड में अपना पहला शतक भी लगाया और पहली बार पाँच विकेट लेने का कारनामा किया। आस्ट्रेलिया के चयनकर्ता टोनी डोडेमेड ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि निखिल काफी समय से राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की नजर में थे।

उन्होंने कहा, निखिल लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर की योजनाओं का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने ब्रिस्बेन में प्री-सीजन शिविरों के दौरान टीम के साथ अभ्यास किया था। बिग बैश लीग में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया और अब उन्हें टीम में मौका दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि निखिल इस वर्ष आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के साथ भी जुड़े रहे हैं।

भारत में जन्म लेने के बाद आस्ट्रेलिया की पुरुष टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले निखिल पहले खिलाड़ी नहीं होंगे। इससे पहले लेग स्पिनर रेक्स सेलर्स ने 1964 में आस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था। वहीं महिला क्रिकेट में पूर्व कप्तान लिसा स्थालेकर, जिनका जन्म पुणे में हुआ था, आस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

आस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि बांग्लादेश दौरे पर निखिल अंतरराष्ट्रीय माहौल का अनुभव हासिल करेंगे और अगले सप्ताह होने वाले पहले टी-20 मुकाबले में चयन के दावेदार रहेंगे। आस्ट्रेलिया को उम्मीद है कि कप्तान मिशेल मार्श भी टखने की चोट से उबरकर टी-20 श्रृंखला तक फिट हो जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

माधव तिवारी के आलराउंड प्रदर्शन से उज्जैन फाल्कन्स की वापसी, रीवा जगुआर्स की दमदार जीत

इंदौर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी20 स्कंदिया कप 2026 में मंगलवार को उज्जैन फाल्कन्स और रीवा जगुआर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। पहले मुकाबले में उज्जैन फाल्कन्स ने भोपाल लायंस को 16 रन से हराकर जीत की राह पर वापसी की। टास हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फाल्कन्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 195/8 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से यश दुबे ने 54 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि माधव तिवारी ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में नाबाद 61 रन बनाए। उनकी पारी में चार छक्के शामिल रहे। मध्यक्रम में आए गिरावट के बाद तिवारी ने पारी को संभालते हुए टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल टीम की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। टीम 20 ओवर में 179/7 रन ही बना सकी। उज्जैन की ओर से माधव तिवारी ने गेंदबाजी में भी योगदान देते हुए 2 विकेट हासिल किए। दूसरे मुकाबले में रीवा जगुआर्स ने इंदौर पिंक पैंथर्स को 31 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए रीवा ने 209/5 रन का विशाल स्कोर बनाया। अनंत वर्मा ने नाबाद 71 रन की शानदार पारी खेली, जबकि सागर सोलंकी ने मात्र 28 गेंदों में 60 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। 210 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंदौर पिंक पैंथर्स की टीम 178 रन पर सिमट गई। कप्तान वेंकटेश अय्यर केवल 19 रन ही बना सके, जबकि शिवम शुक्ला ने 36 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली। रीवा की ओर से गेंदबाजी में अंकित कुशवाहा ने 3 विकेट झटके, जबकि रामवीर गुर्जर, रोहित राजावत और कप्तान पृथ्वीराज सिंह तोमर ने 2-2 विकेट लेकर जीत सुनिश्चित की। दोनों मैचों में बल्लेबाजों और गेंदबाजों के संतुलित प्रदर्शन ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और लीग में प्रतिस्पर्धा को और रोमांचक बना दिया।

एनसीएए चैंपियनशिप : जाकोबे थार्प ने 110 मीटर बाधा दौड़ में तोड़ विश्व रिकार्ड

यूजीन। अमेरिका के युवा एथलीट जाकोबे थार्प ने एनसीएए आउटडोर चैंपियनशिप के हीट मुकाबले में गुरुवार को पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ का नया विश्व रिकार्ड बना दिया। आबर्न विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे थार्प ने 12.75 सेकंड का समय निकाला और पूर्व विश्व रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले यह रिकार्ड अमेरिका के एरीज़ मेरिट के नाम था, जिन्होंने वर्ष 2012 में 12.80 सेकंड का समय दर्ज किया था। विश्व रिकार्ड बनाने के बाद थार्प ने कहा, मैंने ऐसा करने की योजना नहीं बनाई थी। सच कहूं तो मेरा ऐसा इरादा नहीं था। पांचवीं लेन में दौड़ शुरू करने वाले 20 वर्षीय थार्प शुरुआत में थोड़े धीमे नजर आए, लेकिन तीसरी बाधा पार करने के बाद उन्होंने बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने शानदार गति पकड़ी और दमदार अंदाज में दौड़ समाप्त की। थार्प ने कहा, मुझे पता था कि इस प्रतियोगिता तक पहुंचते-पहुंचते मेरी तैयारी बहुत अच्छी हो जाएगी, क्योंकि हमने इसी प्रतियोगिता के लिए अपनी फिटनेस को चरम स्तर तक पहुंचाने की योजना बनाई थी। मुझे विश्वास था कि मैं कुछ असाधारण कर सकता हूं, बस उसे सही तरीके से अमल में लाना था। थार्प ने इससे पहले वर्ष 2024 अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी जीता था। हालांकि, थार्प के इस विश्व रिकार्ड को अभी विश्व एथलेटिक्स की आधिकारिक मंजूरी मिलना बाकी है।

आईसीसी प्लेयर आफ द मई मंथ के नामिनेशन जारी, नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाड़ियों का दबदबा

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मई महीने के लिए प्लेयर आफ द मंथ अवार्ड के लिए पुरुष और महिला वर्ग की नामांकित सूची जारी कर दी है। इस सूची में नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला है। पुरुष वर्ग के नामांकित खिलाड़ी पुरुष वर्ग में नेपाल के आलराउंडर दीपेंद्र सिंह ऐरी, बांग्लादेश के स्पिनर तैजुल इस्लाम और अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम को नामांकन मिला है। दीपेंद्र सिंह ऐरी (नेपाल) ने यूएई के खिलाफ शतक जड़ा और पूरे महीने में 249 रन बनाए। साथ ही उन्होंने 8 विकेट भी हासिल किए। जबकि तैजुल इस्लाम (बांग्लादेश) ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 13 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं, मुशफिकुर रहीम (बांग्लादेश) ने 235 रन बनाकर सीरीज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। महिला वर्ग के नामांकित खिलाड़ी महिला वर्ग में इंग्लैंड की लारेन बेल, पाकिस्तान की गल फरोजा और न्यूजीलैंड की मैडी ग्रीन को शार्टलिस्ट किया गया है।

मेक्सिको में फीफा विश्व कप 2026 की रंगारंग शुरुआत

ओपनिंग सेरेमनी में शकीरा ने लूटी महफिल

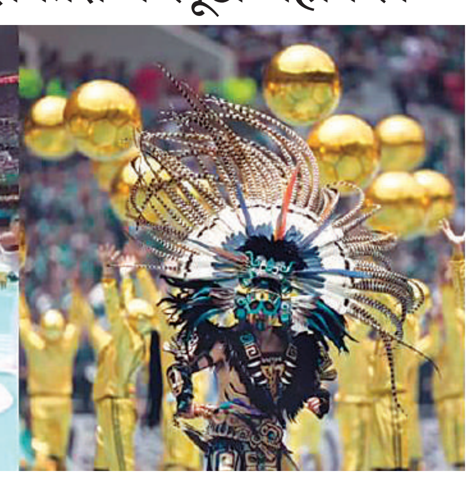

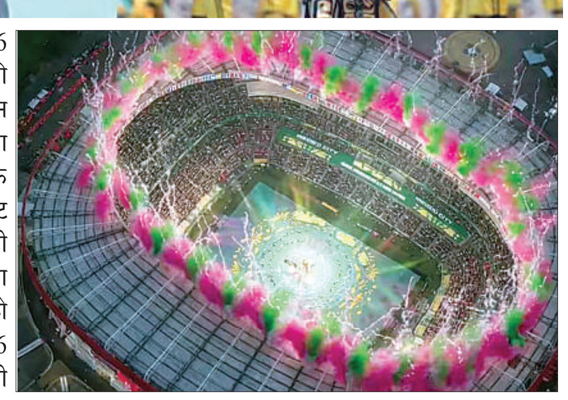

मेक्सिको । फीफा विश्व कप 2026 का आगाज हो गया है। टूर्नामेंट की पहली ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन मेक्सिको सिटी के एस्टाडियो एज्टेका स्टेडियम में किया गया। मेक्सिको के साथ अमेरिका और कनाडा भी टूर्नामेंट के मेजबान हैं। इन दोनों देशों में भी ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। टूर्नामेंट का पहला मैच मेक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच है। 2026 फीफा वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी की शुरुआत एक शानदार डांस और थिएट्रिकल परफॉर्मेंस के साथ हुई। वह मेक्सिको की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक जड़ों को दर्शाता है।

मैक्सिकन पॉप बैंड 'माना' ने अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों में जोश भर दिया। इसके बाद कोलंबियाई सिंगर जे बाल्विन ने भी अपने गाने गाए। म्यूजिकल समूह लॉस एंजिल्स अजुल्स ने अपने परफॉर्मेंस से सभी को मंत्रमुक्त कर दिया।

कोलंबिया की सिंगर और डांसर शकीरा ने अपने परफॉरमेंस से महफिल लूट ली। उन्होंने बर्ना बॉय के साथ अपना मशहूर गाना 'डाई डाई' परफॉर्म किया। यह गाना फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ऑफिशियल गानों में से एक है। 2026 वर्ल्ड कप से पहले ओपनिंग सेरेमनी के दौरान आतिशबाजी भी हुई। 70 हजार से ज्यादा क्षमता वाले एस्तादियो एज्टेका स्टेडियम में दर्शकों को पहले कभी ऐसा नजारा देखने को नहीं मिला था।

अफगानिस्तान के खिलाफ 349 रन बनाकर भी हारी इंडिया ए, बारिश ने खराब कर दिया खेल

दांबुला: इंडिया ए को ट्राई नेशन ए सीरीज के दूसरे मैच में अफगानिस्तान ए के खिलाफ हार झेलनी पड़ी है। दांबुला में खेले गए मुकाबले में इंडिया ए ने पहले बैटिंग करते हुए 49 ओवर में 9 विकेट खोकर 349 रन बनाए। बारिश की वजह से अफगानिस्तान ए को 38 ओवर में 294 रनों का लक्ष्य मिला। 25.5 ओवर के बाद टीम ने दो विकेट पर 177 रन बना लिए थे। इसके बाद फिर से बारिश आ गई। खेल दोबारा शुरू नहीं हो पाया और अफगानिस्तान की टीम ने डकवर्थ लुइस नियम से मैच को 4 रनों से जीत लिया।

वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह की विस्फोटक शुरुआत

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत धमाकेदार रही। वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 7.1 ओवर में 74 रन जोडे। वैभव ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए सिर्फ 22 गेंदों में 44 रन बनाए। हालांकि, वह अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और 9 चौके लगाने के बाद पवेलियन लौटे। प्रियांश आर्या महज 8 रन बनाकर आउट हुए।

इंडिया ए की तरफ से तीन फिफ्टी

इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ और प्रभसिमरन ने तीसरे विकेट के लिए 74 गेंदों में 79 रन जोड़े। ऋतुराज ने 80 गेंदों में 66 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं, प्रभसिमरन 69 गेंदों में 84 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान तिलक वर्मा ने भी अर्धशतक लगाया और 73 गेंदों पर 66 रन ठोके। सूर्यांश शेडगे ने 27 गेंदों में 40 रनों की उपयोगी पारी खेली। अंत में अनुकूल रॉय ने 8 गेंदों में 2 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 16 रन बनाए। अफगानिस्तान ए की ओर से गेंदबाजी में अब्दुल्ला अहमदजई ने 5 विकेट झटके तो फरमानुल्लाह साफी ने 3 विकेट अपने नाम किए।

अफगानिस्तान ने शुरुआत से ही तेज रन बनाए

अफगानिस्तान की पारी देरी से शुरू हुई। टीम को जीत के लिए डीएलएस नियम से 38 ओवर में 294 रनों का मुश्किल लक्ष्य मिला। कप्तान इमरान मीर और हसन ईसाखिल की सलामी जोड़ी ने टीम को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 48 गेंदों पर 63 रन जोड़े। अरशद खान ने ईसाखिल (34) को आउट करके साझेदारी तोड़ी। खालिद तनीवाल सिर्फ दो रन बनाकर अनुकूल रॉय का शिकार बन गए।

इसके बाद बाहिर शाह ने इमरान मीर का साथ निभाया। इमरान ने 45 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की। 26वें ओवर में बाहिर का भी अर्धशतक पूरा हो गया। इसी ओवर की 5वीं गेंद के बाद बारिश की वजह से खेल को रोकना पड़ा, जिसके बाद यह दोबारा शुरू नहीं हो पाया। मीर ने 70 गेंदों पर 75 जबकि शाह ने 52 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली। दोनों के बीच 108 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। भारतीय गेंदबाजों ने अतिरिक्त के 15 रन दिए।

डायमंड लीग एथलेटिक्स

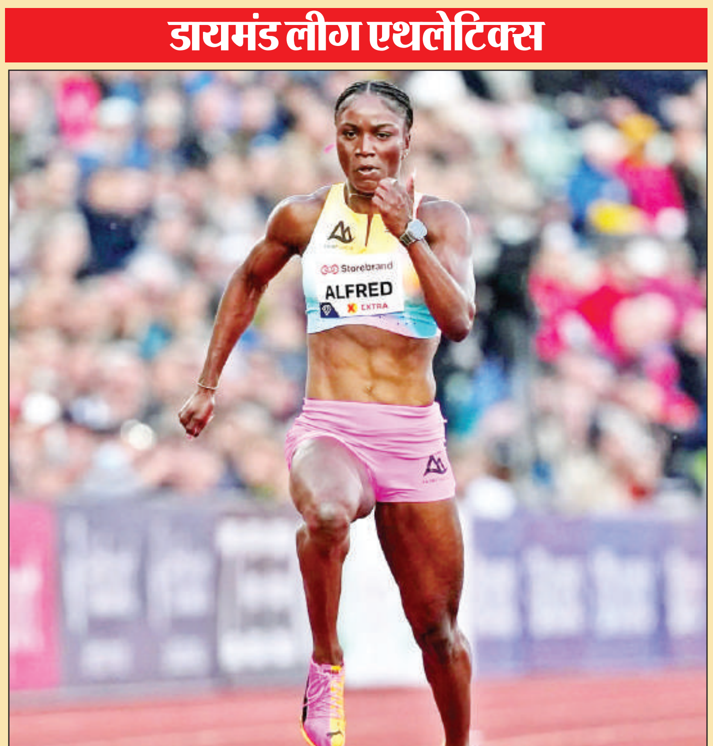

नार्वे के ओस्लो में अपने जन्मदिन पर डायमंड लीग एथलेटिक्स की 100 मीटर रेस जीतकर जश्न मनाती हुई जूलियन अल्फ्रेड।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ 20 जून को करेगा पहले इंडियन एथलेटिक अवार्ड्स का आयोजन

नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) 20 जून को नई दिल्ली में पहली बार इंडियन एथलेटिक अवार्ड्स 2026 का आयोजन करेगा। इस पहल का उद्देश्य भारतीय एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और खेल के विकास में योगदान देने वाले सभी प्रमुख हितधारकों को सम्मानित करना है।

यह पुरस्कार समारोह भारतीय एथलेटिक्स की उपलब्धियों का उत्सव होगा, जिसमें वर्तमान और पूर्व खिलाड़ी, कोच, तकनीकी अधिकारी, मार्गदर्शक, राज्य संघ, प्रायोजक और खेल को आगे बढ़ाने वाले अन्य सहयोगियों को सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह में देश के कई प्रमुख वर्तमान और पूर्व एथलीट शामिल होने की संभावना है। माना जा रहा है कि यह आयोजन भारतीय एथलेटिक्स समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा और उभरते खिलाड़ियों के मनोबल को मजबूत करेगा। इस अवसर पर कुल 10 श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे, जिनमें लाइफटाइम अचीवमेंट, सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ कोच, सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी, सर्वश्रेष्ठ राज्य संघ और एथलेटिक्स को बढ़ावा देने वाले राज्य शामिल हैं।

एएफआई अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि भारतीय एथलेटिक्स ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है और यह पुरस्कार केवल पदक विजेताओं के लिए नहीं बल्कि उन सभी लोगों के लिए हैं जो पर्दे के पीछे रहकर खेल को मजबूत करते हैं।

एएफआई की वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंजू बाबी जार्ज ने कहा कि यह समारोह भारतीय एथलेटिक्स से जुड़े हर स्तर के समर्पण और संघर्ष को सम्मान देने का माध्यम बनेगा।

वहीं नीरज चोपड़ा ने कहा कि ऐसे सम्मान युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और पूरे खेल तंत्र को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दिए जाने वाले प्रमुख पुरस्कार:

- वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट
- वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट
- वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ कोच
- लाइफटाइम अचीवमेंट एथलेटिक्स अवार्ड (3 सम्मान)
- वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ राज्य संघ
- वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी अधिकारी
- एथलेटिक्स को सर्वाधिक समर्थन देने वाला राज्य
- एथलेटिक्स को समर्थन देने वाला संगठन
- एथलेटिक्स सहयोगी भागीदार।

फीफा विश्व कप टिकट कीमतों का इन्फैन्टिनो ने किया बचाव, सोमाली रेफरी विवाद पर बोले- थोड़ा शांत रहना चाहिए

मेक्सिको सिटी

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने विश्व कप 2026 के टिकटों की ऊंची कीमतों का बचाव करते हुए कहा कि यदि फीफा गलत कर रहा है, तो उत्तर अमेरिका में टिकट बेचने वाले लगभग सभी आयोजक भी गलत होंगे। विश्व कप के उद्घाटन मुकाबले से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इन्फैन्टिनो ने टिकट मूल्य निर्धारण, सुरक्षा नियमों और अमेरिका में प्रवेश से रोके गए सोमाली रेफरी के मुद्दे पर अपनी बात रखी।

विश्व कप 2026 के समूह चरण मुकाबलों के टिकट लगभग 140 अमेरिकी डालर से शुरू हुए, जबकि फाइनल मुकाबले के टिकटों की कीमत कई हजार डालर तक पहुंच गई। फाइनल के कुछ टिकटों की कीमत बाद में और बढ़ाई गई।

इन्फैन्टिनो ने कहा कि यदि टिकट कम कीमत पर बेचे जाते तो वे दोबारा बिक्री बाजार और अवैध टिकट कारोबार में बहुत अधिक दाम पर बिकते और उसका लाभ फुटबाल को नहीं मिलता।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के लिए औसत टिकट मूल्य 500 डालर से कम रखा गया है और यह अमेरिका के अन्य बड़े खेल आयोजनों के स्तर के आसपास है।

हाल के दिनों में अमेरिका के कुछ राज्यों में टिकट बिक्री की जांच शुरू हुई है, लेकिन इन्फैन्टिनो ने कहा कि फीफा इसको लेकर चिंतित नहीं है।

उन्होंने कहा, हम हर जांच का स्वागत करते हैं। हमने टिकट बिक्री शुरू करने से पहले विशेषज्ञों और कानूनी सलाहकारों के साथ पूरी प्रक्रिया की समीक्षा की थी।

सोमाली रेफरी विवाद पर भी दिया जवाब

विश्व कप में पहली बार सोमालिया से रेफरी बनने जा रहे ओमर आर्टान को अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया।अमेरिकी अधिकारियों ने सुरक्षा जांच से जुड़ी चिंताओं का हवाला दिया।

इस पर इन्फैन्टिनो ने कहा कि फीफा सभी चीजों को नियंत्रित नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा, हम समाधान खोजने की कोशिश करते हैं। कभी-कभी थोड़ा शांत रहना भी जरूरी होता है। हर बात पर तुरंत शोर मचाने से समाधान नहीं निकलता।

उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और सरकारों तथा सुरक्षा एजेंसियों के निर्णयों का सम्मान करना पड़ता है।

ईरान टीम के अमेरिका आने को बताया बड़ी उपलब्धि

इन्फैन्टिनो ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद ईरान की टीम को विश्व कप में खेलने के लिए अमेरिका पहुंचाने में फीफा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि फीफा को कई जटिल परिस्थितियों के बीच काम करना पड़ता है और यही उसकी जिम्मेदारी भी है।

मानव इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन होगा विश्व कप

इन्फैन्टिनो ने दावा किया कि विश्व कप 2026 संभवत: मानव इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन बनने जा रहा है।

फीफा को इस प्रतियोगिता से लगभग 11 अरब डालर की आय की उम्मीद है। इन्फैन्टिनो ने कहा कि यदि सभी प्रसारण और सेवाएं भुगतान आधारित कर दी जातीं तो आय इससे कहीं अधिक हो सकती थी, लेकिन तब दुनिया भर के करोड़ों दर्शक विश्व कप नहीं देख पाते।

56 वर्षीय इन्फैन्टिनो वर्ष 2016 से फीफा अध्यक्ष हैं और अगले कार्यकाल के लिए भी चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

लोकायन का त्रिदिवसीय राष्ट्रीय शोध परिषद सम्मेलन संपन्न

भारतीय लोकसंस्कृति में लोकनायकों एवं लोकनायिकाओं की सामाजिक भूमिका पर हुआ राष्ट्रीय मंथन

गुरुग्राम, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय लोकसंस्कृति में लोकनायकों एवं लोकनायिकाओं की सामाजिक भूमिका तथा उनके समर्पण विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय केंद्रित राष्ट्रीय शोध परिषद का सफल आयोजन हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एसजीटी विश्वविद्यालय में संपन्न हुआ। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन लोकायन संस्था, मुंबई, प्रज्ञा संस्था, नई दिल्ली तथा एसजीटी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्राध्यापकों, शोधकर्ताओं, कलाकारों एवं लोकसंस्कृति के अध्येताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों के लोकनायकों एवं लोकनायिकाओं के जीवन, कार्यों तथा समाज पर उनके प्रभाव से संबंधित शोधपत्र प्रस्तुत किए। प्रस्तुत शोधपत्रों को अत्यंत अध्ययनपरक, शोधोन्मुख एवं बहुआयामी बताते हुए उनका संकलन पुस्तक के रूप में भी प्रकाशित किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में प्रो. डॉ. हेमंत पाटील, प्रो. डॉ. कुलभूषण पाटील, प्रो. डॉ. जगदीश्वर राव तथा प्रज्ञा संस्था के देवेंद्र राय सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहे। सम्मेलन की रूपरेखा एवं आयोजन संबंधी जानकारी लोकायन संस्था की अध्यक्ष डॉ. मोनिका ठक्कर एवं सचिव योगेश्वर लोकायन ने दी। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में वक्ताओं ने कहा कि जो व्यक्ति अपने कर्म, कर्तव्य एवं समर्पण के माध्यम से समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है, वही वास्तविक अर्थों में लोकनायक अथवा लोकनायिका कहलाने का अधिकारी होता है। उन्होंने कहा कि लोकनायक समाज को दिशा देने, सामाजिक चेतना जागृत करने तथा सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा ने सामाजिक समरसता पर बल देते हुए कहा कि भारत की लोक परंपराओं में वर्ण एवं जाति के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं मिलता। लोकसंस्कृति सदैव समानता, सह-अस्तित्व एवं मानवीय मूल्यों को प्रोत्साहित करती रही है।

सम्मेलन के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के डीन डॉ. विजय शर्मा ने सभी शोधकर्ताओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने भारतीय लोकसंस्कृति के संरक्षण, संवर्धन तथा लोकनायकों की प्रेरक गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रतिभागियों ने ऐसे आयोजनों को राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। सम्मेलन में महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, हरियाणा, असम सहित विभिन्न राज्यों से आए शोधकर्ताओं ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इनमें प्रमुख रूप से रमाकांत पाटिल, आचार्य के. ऋषिकेश, डॉ. पंकज एम. सौन्दर्वा, महेश अग्रवाल, डॉ. कृष्ण कुमारी, प्रो. महेश कुमार वाघेला, योगेश शाह, रोशनी घराट, विवेक ताम्हणकर एवं सागर चोटलिया सहित अनेक विद्वान शामिल रहे।

नंद महोत्सव पर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में गूंजे भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगमपेट में परम पावन पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में नंद महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। व्यासपीठ पर आसीन पंडित मनोज त्रिवेदी शीमाली ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म एवं नंदोत्सव की दिव्य एवं प्रेरणादायी कथा का रसपान कराया।

कथा के दौरान पंडित मनोज त्रिवेदी शीमाली ने भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य, नंद बाबा के आनंदोत्सव तथा गोकुल में छाई हर्षोल्लास की भावपूर्ण लीलाओं का वर्णन किया। कथा श्रवण कर उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए और पूरे पंडाल में भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों की गूंज सुनाई दी।

नंद महोत्सव के अवसर पर कथा स्थल का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कथा श्रवण कर भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली सहित उनके परिवारजन एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

केबीआर पार्क में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुई इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर आयोजित पूजा, आरती एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में यजमान पद्मा किरण सेसैया गरु ने विशेष पूजा के सहयोगी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विधि-विधान के साथ संपन्न हुई पूजा के दौरान भक्तों ने भगवान गणेश की आराधना कर सुख, समृद्धि एवं मंगलकामना की प्रार्थना की। पूजा एवं आरती के दौरान पूरा वातावरण गणपति बप्पा के जयघोष से भक्तिमय बना रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आयोजन की सफलता की सराहना की।

इस अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, वित्थलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक कुमार लाखोटिया, पी.वी.आर. मूर्ति, महेश कुमार डकोटिया, विजय कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), विजय कुमार अग्रवाल (एडवोकेट), सी.ए. सुरेश कुमार अग्रवाल, सेसैया गरु, विजय रेड्डी, संध्या अग्रवाल, पद्मा किरण रेड्डी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ट्रंप...

ट्रंप ने दावा किया कि तनाव के बावजूद वार्ता के चैनल पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं और संदेशों का आदान-प्रदान जारी है।

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, ट्रंप ने लगातार दूसरे दिन ईरान को धमकाते हुए ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका ईरान के तेल व गैस उद्योग पर उसी तरह कब्जा कर लेगा, जैसे उसने वेनेजुएला में किया था। बता दें कि खार्ग द्वीप ईरान के ऊर्जा ढांचे की रीढ़ है, जहां से रोज 20 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन होता है और सामान्य दिनों में 90 प्रतिशत हिस्सा निर्यात होता है। ट्रंप ने लिखा कि आज नहीं तो कल, ईरान के खार्ग द्वीप पर अमेरिकी झंडा लहराएगा और उसके तेल और गैस बाजार पर पूरा नियंत्रण हमारा होगा।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, ईरान में ताजा सैन्य अभियान कई घंटे तक चला। ईरानी मीडिया ने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट केशम द्वीप, बंदर अब्बास, मिनाब और सिरिक क्षेत्रों में विस्फोटों की सूचना दी है। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने कुवैत और बहरीन स्थित अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया। कुवैत ने कुछ समय के लिए अपना हवाई क्षेत्र नागरिक विमानों के लिए बंद कर दिया, जबकि बहरीन में चेतावनी सायरन बजाए गए।

कुवैत ने पिछले 48 घंटों में अपने हवाई क्षेत्र में घुसे 24 ईरानी ड्रोन नष्ट करने का दावा किया है। एपी के अनुसार, अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पत्रकारों से कहा, अगर हमें बमों के ज़रिए बातचीत करनी पड़ी, तो हम ऐसा ही करेंगे। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री स्काट बेसेंट ने चेतावनी दी है कि खाड़ी में ईरान की हरकतों के गंभीर आर्थिक नतीजे होंगे। उन्होंने कहा कि अगर इस इलाके में अमेरिका के सहयोगियों के खिलाफ कोई भी आक्रामक कदम उठाया गया, तो तेहरान की जब्त संपत्तियों के जरिये दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बेसेंट ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि खाड़ी में हमारे सहयोगियों को जो भी नुकसान पहुंचाया जाएगा, उसकी भरपाई ईरानी खातों से पैसे निकालकर की जाएगी। बेसेंट ने यह भी कहा कि पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथारिटी को दिए जाने वाले किसी भी टोल की भरपाई "उनके खातों से पैसे निकालकर" की जाएगी। रायटर के अनुसार, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने ट्रंप पर तंज कसते हुए कहा कि इस लड़ाई में ट्रंप के सामने दो रास्ते हैं। दोनों ही रास्ते सरेंडर के हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अमेरिका को झुकना ही होगा।

खतरनाक पदार्थ ...

इसके बाद वहां लॉकडाउन लगाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि विभाग सुरक्षा के मानक प्रोटोकॉल लागू कर रहा है, जिसमें प्रभावित क्षेत्र के लोगों को वहीं सुरक्षित रहने को कहा गया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पेंटागन के अंदर कई फ्लोर हैं। कॉरिडोर को लॉकडाउन किया गया है। बाकी जगह को खाली करा दिया गया है। यहां खतरनाक पदार्थों से जुड़ी हुई घटना है। इससे निपटने वाली टीम भी मौके पर मौजूद है। पेंटागन ने अपने बयान में कहा है कि जांच में दो घंटे लग सकते हैं। इमारत में फंसे लोगों की मदद के लिए रिस्पॉन्स टीम भी है। कॉरिडोर 4 से 7 में सेकेंड से फिफ्थ फ्लोर को लॉकडाउन किया गया था। पुलिसकर्मी गैस मास्क और केमिकल से बचने वाले सुरक्षा गियर पहने हुए हैं। इधर, न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने कहा है कि गलत अलार्म बज जाने से घटना हुई है। इमारत की सुरक्षा जांच की जा रही है।

होर्मुज में ...

लेकिन यूएस नेवी ने दादागीरी करते हुए सीधे इस पर हमला कर दिया। इस बीच 11 जून यानी गुरुवार को एमटी जलवीर नाम के एक और भारतीय क्रू वाले जहाज से जुड़ी समुद्री सुरक्षा घटना सामने आई। भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि ओमान के निकट एक जहाज संकट में फंस गया है और भारतीय चालक दल को निकालने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

बाद में रिपोर्ट आई कि इस जहाज पर 21 भारतीय क्रू मेंबर्स सवार थे। हालांकि इस हमले में इन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई है। और सभी क्रू मेंबर्स का रेस्क्यू कर लिया गया है। यह तीन दिनों में तीसरी ऐसी घटना है जिसने भारत की चिंता बढ़ा दी है।

क्रू मेंबर्स इंडियन, लेकिन जहाज नहीं

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि इन घटनाओं में शामिल तीनों जहाज विदेशी झंडे वाले हैं। ये भारतीय स्वामित्व वाले जहाज नहीं हैं; ये सभी विदेशी झंडे वाले जहाज हैं। उन्होंने इस बात की भी पुष्टि की कि ये हमले वहां तैनात अमेरिकी नौसेना ने किए हैं।

होर्मुज में फंसे हैं हजारों इंडियन सेलर

शिपिंग मिनिस्ट्री के अधिकारी मुकेश मंगल ने बताया कि 562 भारतीय नाविक अभी भी उस इलाके में भारतीय झंडे वाले 13 जहाजों पर मौजूद हैं; इनमें से 329 होर्मुज के पश्चिम में और बाकी होर्मुज के पूर्व में हैं। इसके अलावा उस इलाके में विदेशी झंडे वाले कई जहाजों पर लगभग 18,000 भारतीय नाविक मौजूद हैं।

मुकेश मंगल ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में जहाज चलाने की पूरी आज़ादी है और गाइडलाइंस तभी लागू होती हैं जब जहाज बंदरगाहों के करीब पहुंचते हैं।

अमेरिका ने क्या दलीलें दी?

अमेरिका ने इन घटनाओं पर विस्तृत प्रतिक्रिया दी है और तस्वीरें भी जारी की हैं। एमटी जलवीर पर एक्शन की वजह बताते हुए अमेरिकी नेवी ने दावा किया है कि एमटी जलवीर ओमान की खाड़ी से ईरान का तेल ले जाने की कोशिश कर रहा था। जब जहाज के क्रू ने अमेरिकी सेना के निर्देशों का बार-बार पालन नहीं किया तो अमेरिकी विमान ने जहाज के इंजन रूम पर दो हेलफायर मिसाइलें दागीं। एमटी जलवीर पर गिनी बिसाऊ का झंडा लगा था।अमेरिकी नेवी ने कहा कि इससे पहले इसी हफ्ते अमेरिकी विमानों ने सोमवार और मंगलवार को पलाऊ के झंडे वाले जहाजों एमटी मैरिवेक्स और एमटी सेटेबेलो को रोका था। मैरिवेक्स ने एक ईरानी बंदरगाह तक जाने की कोशिश करके नाकेबंदी का उल्लंघन किया था और सेटेबेलो ने ईरानी तेल ले जाने की कोशिश की थी।

UNSC में पाक...

पाकिस्तान वर्तमान में 2025-26 कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। इसके अलावा वह सुरक्षा परिषद की 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष भी रहा है और आतंकवाद-रोधी समिति का उपाध्यक्ष भी है।

ऐसे में पाकिस्तान ने अपने कूटनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए बीएलए और मजीद ब्रिगेड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की मांग को जोर-शोर से उठाया था। हालांकि पश्चिमी देशों के विरोध के कारण यह प्रस्ताव फिलहाल आगे नहीं बढ़ सका।

ममता बनर्जी...

इसके लिए यह देखना जरूरी है कि विधानसभा में किस पार्टी के कितने विधायक हैं, कौन सी पार्टी असली विपक्ष है और राजनीतिक हकीकत क्या है।

टीएमसी का आरोप है कि स्पीकर ने एक बागी नेता को यह अहम पद देकर विधानसभा की पुरानी परंपराओं को तोड़ा है और राजनीतिक संतुलन बिगाड़ा है।

गुरुवार को इस मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने टीएमसी की यह मांग नहीं मानी कि फौरी तौर पर स्पीकर के फैसले पर रोक लगाई जाए। यानी कोर्ट ने कोई स्टे ऑर्डर नहीं दिया।

इसका मतलब साफ है कि फिलहाल ऋतब्रत बनर्जी नेता प्रतिपक्ष के पद पर बने रहेंगे। लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 16 जून तय की है। उस दिन दोनों पक्षों की दलीलें और सुनी जाएंगी और इसके बाद ही कोई बड़ा फैसला आ सकता है।

रामलला...

चंपत राय मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं में मनमर्जी चलाते हैं। अगर कोई विरोध करता है, तो उसे हटा दिया जाता है। इस बीच, शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार को एटा में कहा राम मंदिर में शिला पूजन के समय से ही चोरी हो रही है। कितने आरोप लग चुके हैं। उन्होंने कहा जब मंदिर बनने लगा तो प्लॉट बिकने लगे। दो-दो मिनट में प्लॉट करोड़ के हो जाते थे। वहां पहले से ही चंपत राय बैठे हैं। चंपत का मतलब ही होता है लेकर भाग जाना।राम मंदिर आंदोलन से जुड़े भाजपा नेता और बजरंग दल संस्थापक विनय कटियार भी लखनऊ से अयोध्या पहुंचे। उन्होंने कहा कि जिस तरह के आरोप हैं, उनकी सच्चाई सामने आनी चाहिए। जांच जरूरी है। जहां करोड़ों लोगों की श्रद्धा और विश्वास से जुड़ा हो, तब पारदर्शिता महत्वपूर्ण होती है। जांच होगी तो वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

महंत परशुराम बोलेउम्रकैद हो

हनुमत किला पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास महाराज ने कहा कि अगर धुआं नहीं होता, तो आग नहीं दिखाई पड़ती। अगर राम मंदिर में चंदा चोरी का आरोप सिद्ध होता है, तो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा हो। जिससे नजीर हो और भविष्य में कभी कोई इस तरह की गलती न कर सके।

उन्होंने कहा कि इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जिससे जनता और रामभक्तों में जो भ्रम है, वह दूर किया जा सके। दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ सके।

सपा प्रमुख ने मुद्दा उठाया था

सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई है। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए। चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है।विवाद बढ़ा तो भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने 9 जून को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर उइख जांच की मांग की। अगले दिन यानी 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने भी बुधवार को ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक की। इसमें चढ़ावे की राशि, उसके उपयोग और लेखा-जोखा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

चढ़ावा कहां जमा होता था, सिर्फ चंपत को पता

खुद को मंदिर का पूर्व लेखा प्रभारी बताने वाले महिपाल सिंह ने दैनिक भास्कर से कहा जब मैं मंदिर में तैनात था, तब चढ़ावे में आने वाले सोने-चांदी के आभूषणों और बर्तनों का कहीं कोई रिकॉर्ड नहीं था। ये कहां जमा होते थे, यह सिर्फ चंपत राय और टिन्नू ही जानते थे। मुझे ऑडिट का काम आता था, इसलिए आरएसएस ने कोटा से हमें अयोध्या मंदिर में तैनात किया था।राम मंदिर के समर्पण निधि अभियान के दौरान मैं डिपॉजिटर था। मेरे अंडर करीब 50 डिपॉजिटर काम करते थे। इसके बावजूद मंदिर के लेन-देन और चढ़ावे को बैंक में जमा कराने से जुड़े बाउचर पर मेरे हस्ताक्षर तक नहीं कराए जाते थे। इस संबंध में जब मैंने चंपत राय से बात की, तो वे कोई जवाब नहीं देते थे। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि जिन लोगों ने अखिलेश यादव पर टोंटी चोर होने का आरोप लगाया था, उन्हें अब राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े तथ्यों पर जवाब देना चाहिए। पहले चंपत राय ने सफाई दी थी कि कोई गड़बड़ी नहीं है, लेकिन अब पैसा बरामद होने और चार लोगों की गिरफ्तारी की खबरें आ रही हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अयोध्या के साधु-संत भी नियमित चोरी की बात कह रहे हैं।

महंत कमल नयन दास ने बुधवार को कहा अगर कोई गड़बड़ी हुई है, तो उसकी जांच अवश्य होनी चाहिए, लेकिन जांच कौन करेगा। जांच करने वाले खुद बेईमान हैं। जो हल्ला मचा रहे हैं, वो भी दूध के धुले नहीं हैं। जो कभी साइकिल पर चलते थे, आज बड़ी-बड़ी गाड़ियों में घूम रहे। आलीशान भवनों में रहते हैं।आखिर यह सब कैसे हुआ, इसका जवाब भी समाज को मिलना चाहिए। जो जैसा करेगा, भगवान उसे वैसा फल देंगे। आज जो लोग राम मंदिर और ट्रस्ट पर सवाल उठा रहे, उन्हें आत्ममंथन करना चाहिए। क्या उन्होंने जीवन में कभी कोई गलती नहीं की? मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन ये ठीक बात नहीं है।दान और चढ़ावे के संबंध में उन्होंने कहा वर्षों तक मंदिरों में आने वाले सोने-चांदी और दान का हिसाब-किताब रखा जाता रहा है। कई बार श्रद्धालुओं द्वारा बिना नाम बताए भी बड़ी मात्रा में दान दिया जाता था, जिसकी जानकारी संबंधित व्यवस्थाओं में दर्ज होती रही है।अयोध्या के भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने लेटर लिखा था राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में चढ़ावे, दान और मंदिर प्रशासन से जुड़े किसी भी विवाद या आरोप पर पारदर्शिता आवश्यक है। अगर आरोप निराधार हैं, तो जांच के माध्यम से सच्चाई सामने लाई जाए।

जमात ने...

रिपोर्टों के मुताबिक, हाल ही में नई दिल्ली में हुई बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की महानिदेशक स्तर की बैठक से पहले ढाका ने भी यह मुद्दा उठाया था।

हालांकि, भारत इन आरोपों को लगातार खारिज करता रहा है। भारत का कहना है कि वो किसी को जबरन सीमा पार नहीं भेज रहा, बल्कि केवल अवैध विदेशी नागरिकों को तय कानूनी प्रक्रिया और दोनों देशों के बीच बनी व्यवस्था के तहत वेरिफिकेशन के बाद उनके देश वापस भेज रहा है।

अब बांग्लादेश के इस्लामवादी दल इस मुद्दे को सिर्फ सरकारी बातचीत तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि इसे सड़क पर भी ले जाने की तैयारी कर रहे हैं।

जमात ने पूर्व सांसद एएचएम हमीदुर रहमान आजाद के हस्ताक्षर वाले बयान में कहा कि 12 जून को सीमा के पास वाले जिलों में विरोध प्रदर्शन होंगे और 15 जून को ढाका में विरोध सभा और जुलूस निकाला जाएगा।

इसी महीने की शुरुआत में आजाद ने बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद के सीमा संबंधी बयानों की तुलना भारतीय मंत्रियों के बयानों से की थी। उनका कहना था कि सरकार भारत के प्रति ज़रूरत से ज्यादा नरम रुख अपना रही है।

मई में पश्चिम बंगाल, असम में बीजेपी की जीत और भारत के अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने पर जोर दिए जाने के बाद बांग्लादेश ने अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी थी।

11 दलों का यह गठबंधन बांग्लादेश के 12 फरवरी के आम चुनाव से पहले बनाया गया था। इसका नेतृत्व जमात-ए-इस्लामी कर रही है, जो अब देश के प्रमुख विपक्षी दलों में शामिल है। इसमें बांग्लादेश खेलाफत मजलिस, खेलाफत मजलिस, बांग्लादेश खिलाफत आंदोलन और निजाम-ए-इस्लाम पार्टी जैसे कई इस्लामवादी दल भी शामिल हैं।

राफेल मेक ...

फ्रांसीसी सूत्रों ने बताया कि मेक इन इंडिया इस सौदे का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। भारत द्वारा विकसित हथियारों, मिसाइलों और गोला-बारूद को राफेल विमानों पर फोकस करना भी समझौते का अभिन्न अंग है। फ्रांस ने यह भी दोहराया कि वह भारत के साथ अपने रक्षा संबंधों को केवल ग्राहक और आपूर्तिकर्ता के रिश्ते के रूप में नहीं देखता, बल्कि इसे एक लॉन्ग टर्म रणनीतिक साझेदारी मानता है।

114 नए राफेल की खरीद प्रक्रिया शुरू

भारत ने फ्रांस को 114 अतिरिक्त राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए औपचारिक लेटर ऑफ रिक्वेस्ट भेज दिया है। यह सरकारी स्तर पर रक्षा खरीद प्रक्रिया शुरू करने के लिए आवश्यक औपचारिक दस्तावेज होता है। भारतीय वायुसेना के लिए खरीदे जाने वाले ये राफेल विमान मेक इन इंडिया योजना के तहत निर्मित किए जाएंगे। इसके लिए फ्रांसीसी विमान निर्माता डसॉल्ट एविएशन किसी भारतीय कंपनी के साथ साझेदारी करेगा।

भारत ने इस सौदे के लिए कुछ गैर-वार्तनीय शर्तें रखी हैं। इनमें स्वदेशी हथियारों का एकीकरण, भारतीय डेटा लिंक प्रणाली और डिजिटल नेटवर्किंग शामिल हैं। सौदे के तहत इंजन, एयरफ्रेम और एवियोनिक्स तकनीक का हस्तांतरण किया जाएगा। इसके अलावा सभी 114 विमानों में भारतीय हथियारों और मिसाइलों को इंक्लूड किया जाएगा। डसॉल्ट सुरक्षित डेटा लिंक भी उपलब्ध कराएगा, जिससे राफेल विमान भारतीय रडार, सेंसर और ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम के साथ पूरी तरह जुड़ सकेंगे।

भारतीय वायुसेना वर्तमान में 2015 में खरीदे गए 36 राफेल विमानों का एफथ्रीआर संस्करण संचालित करती है। हालांकि, डसॉल्ट अब अधिक उन्नत एफ-4 संस्करण पेश कर चुका है और भविष्य में एफ-5 संस्करण भी आने वाला है। भारत नए सौदे में एफ-4 और आगामी एफ-5 संस्करणों का मिश्रण चाहता है। इन नए संस्करणों में अत्याधुनिक एईएसए रडार, बेहतर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता, उन्नत आत्म-सुरक्षा प्रणाली, लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली मिसाइलें और बेहतर उपग्रह संचार सुविधाएं शामिल होंगी। नई पीढ़ी के राफेल विमानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित एल्गोरिदम भी लगाए जाएंगे, जो पायलट को बेहतर स्थितिजन्य जागरुकता और निर्णय लेने में सहायता करेंगे। इससे युद्धक्षेत्र में विमान की प्रभावशीलता और जीवित रहने की क्षमता बढ़ेगी। डसॉल्ट के साथ-साथ इंजन निर्माता सफरान और एवियोनिक्स कंपनी थेल्स भी तकनीक हस्तांतरण कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगी। एयरफ्रेम, इंजन और एवियोनिक्स निर्माण तकनीक भारत में स्थापित होने के बाद इस परियोजना में स्वदेशी सामग्री की हिस्सेदारी 55 से 60 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है।

भारतीय वायुसेना पहले से 36 राफेल विमानों का संचालन कर रही है, जबकि भारतीय नौसेना ने 26 नौसैनिक राफेल विमानों का ऑर्डर दिया है। यदि 114 नए विमानों का सौदा पूरा होता है तो भारत के पास कुल 176 राफेल विमान हो जाएंगे।अंबाला वायुसेना स्टेशन पर राफेल के लिए प्रशिक्षण और मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओ-वरहाल सुविधा पहले से ही कार्यरत है। भारतीय वायुसेना के पास दो अतिरिक्त स्क्वाड्रन यानी लगभग 36 से 38 विमानों को तुरंत शामिल करने के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना, स्पेयर पाट्र्स और प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध हैं।

पीएम मोदी की फ्रांस यात्रा

आपको बता दें कि पीएम मोदी 13 से 14 जून तक फ्रांस के नीस शहर का दौरा करेंगे। पीएम मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के आमंत्रण पर जा रहे हैं। इसके बाद पीएम मोदी 16 से 19 जून के बीच फ्रांस के इवियन और पेरिस का भी दौरा करेंगे। यहां पीएम मोदी 16 से 17 जून तक फ्रांस के इवियन में आयोजित ऋ7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 12 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन टीम ने गौशालाओं का किया दौरा, पूज्य जैनाचार्यों से की भेंट

गौसेवा, जीवदया और गौशालाओं की आत्मनिर्भरता पर हुआ व्यापक मंथन

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। लव फॉर काऊ फाउंडेशन की टीम ने मेडचल-मनोहराबाद रोड स्थित विभिन्न गौशालाओं का दौरा कर गौसेवा कार्यों का अवलोकन किया। साथ ही मनोहराबाद में नवनिर्माणाधीन श्री वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर में विराजित पूज्य जैनाचार्यों एवं गुरु भगवंतों से भेंट कर फाउंडेशन की विभिन्न योजनाओं, 'गौमाता के लिए एक रुपया दान' अभियान तथा जीवदया से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ट्रस्टी रंजना शाह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार एवं मुकेश चौहान ने मेडचल के कलाकल स्थित 'या देवी आई.जी. गौशाला' का दौरा किया। इसके बाद उन्होंने मनोहराबाद स्थित श्री वासुपूज्य स्वामी गौधाम का अवलोकन किया।

इसके उपरांत टीम ने नवनिर्माणाधीन श्री वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर में विराजित परमपूज्य अध्यात्मयोगी आचार्य श्रीमद् विजय कलापूर्ण सूरीश्वरजी म.सा. के शिष्यरत्न पूज्य आचार्य श्रीमद् विजय तीर्थभद्र सूरीश्वरजी म.सा. तथा पूज्य पन्यास प्रवर श्री तीर्थरुचि विजयजी म.सा. सहित अन्य संतों से भेंट कर गौवंश संरक्षण, सेवा एवं अध्यात्म के प्रसार पर चर्चा की।

बैठक में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि आधुनिक समय में गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा युवा पीढ़ी को जीवदया और गौसेवा से जोड़ने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए। इस अवसर पर स्थानीय जैन समाज एवं गौशाला समिति के अनेक पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

पूज्य मुनिराज श्री तीर्थरुचि विजयजी म.सा. ने कहा कि केवल गौदुग्ध सेवन के लिए ही नहीं, बल्कि गौ-आधारित उत्पादों के अधिकाधिक उपयोग के लिए भी समाज को प्रेरित करना आवश्यक है। यदि ऐसा हो सके तो भविष्य में गोरक्षा आंदोलनों की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। उन्होंने गौमाता से जुड़े आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक तथ्यों को विशेष रूप से युवाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया।

गुरु भगवंतों ने कहा कि जंगल, पशु-पक्षी, जल एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के निरंतर दोहन के कारण पर्यावरणीय संकट गहराता जा रहा है। सरकार एवं समाज दोनों का कर्तव्य है कि प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, अन्यथा भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौसेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है और वर्तमान समय में गौवंश की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है।

रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा गौमाता की सेवा हेतु 'प्रतिदिन एक रुपया दान' अभियान का शुभारंभ लगभग 14 वर्ष पूर्व किया गया था। संस्था विभिन्न माध्यमों से गौभक्तों को जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्यतिथि एवं अन्य शुभ अवसरों पर गौसेवा हेतु दान करने के लिए प्रेरित करती है।

श्री वासुपूज्य स्वामी गौधाम के अविनाश भंडारी एवं गौतम जैन ने बताया कि ईद के दौरान वध के लिए ले जाए जा रहे 11 स्वस्थ बैलों को कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से बचाकर गौशाला में लाया गया है। वर्तमान में उनकी विशेष देखभाल एवं सेवा की जा रही है। उन्होंने गौवंश संरक्षण हेतु गौ-आधारित खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

जसमत पटेल ने श्री वासुपूज्य स्वामी गौधाम की टीम तथा नवनिर्माणाधीन मंदिर के लाभार्थी श्रीमती चंद्रवाई मंगलचंद कटारिया एवं अशोक कटारिया परिवार के सेवा कार्यों की सराहना की।

मनोहराबाद से लौटने के बाद लव फॉर काऊ फाउंडेशन की टीम ने अलवाल स्थित लोहपुरुष सेवा समिति द्वारा संचालित सरदार वल्लभभाई पटेल गौशाला में आयोजित संगीतमय सुंदरकांड कार्यक्रम में भाग लिया तथा गौशाला का अवलोकन किया।

इस अवसर पर हाल ही में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने पर लोहपुरुष सेवा समिति के संस्थापक दर्शन अग्रवाल, गोपालदास अग्रवाल एवं महिला मंडल की बहनों द्वारा जसमत पटेल का भव्य अभिनंदन किया गया।

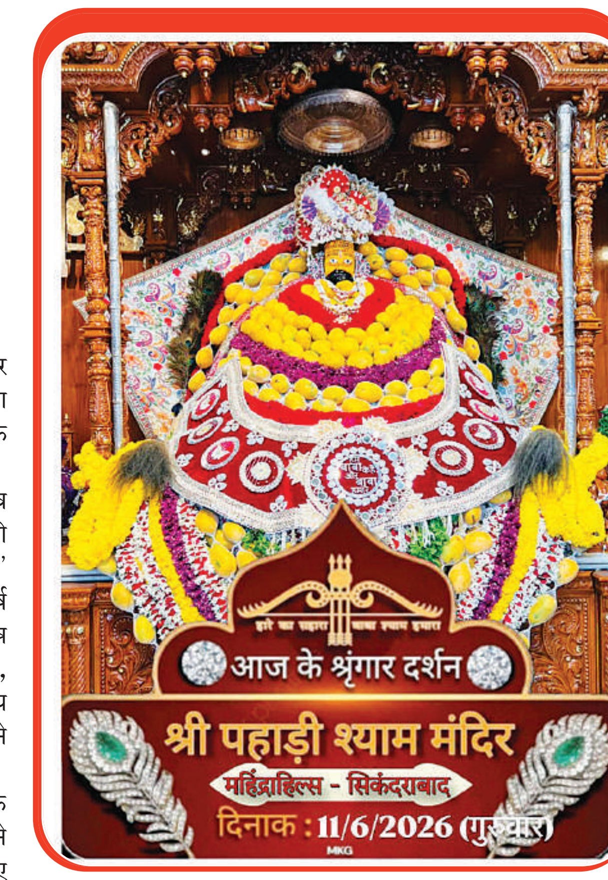

सेवा, संस्कार और सम्मान का संगम बना राधे-राधे ग्रुप, युवा पीढ़ी को दे रहा नई दिशा : शुचि गुप्ता

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास एकादशी के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने पुत्र ध्रुव गुप्ता के साथ कार्यक्रम में उपस्थित हुईं शुचि गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल अन्नदान करने वाली संस्था नहीं है, बल्कि यह ऐसा परिवार है जो लोगों को संस्कार, सम्मान और सेवा की भावना से जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जहां समाज में स्वार्थ की भावना बढ़ती जा रही है, वहीं राधे-राधे ग्रुप निस्वार्थ सेवा का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है जो प्रत्येक व्यक्ति को मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप वर्षों से बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग अथवा संप्रदाय के भेदभाव के मानव सेवा में जुटा हुआ है। ग्रुप का प्रत्येक सदस्य अपने समय, श्रम और संसाधनों का योगदान देकर जरूरतमंद लोगों के जीवन में खुशियां बांटने का कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान किशिका सर्राफ एवं केशव जी सर्राफ की वैवाहिक वर्षगांठ भी सेवा कार्यों के मध्य अत्यंत हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सेवा के साथ मनाए गए ऐसे पारिवारिक आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और दूसरों को भी प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, महेश अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, शुचि गुप्ता, ध्रुव गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबूराम पीपावत, मनीष चिंडालिया, अरविंद गुप्ता, उमा गुप्ता, जय प्रकाश सारड़ा, जगन गुप्ता, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, किशिका सर्राफ एवं केशव जी सर्राफ सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

हैदराबाद की बेटी लद्दाख के लिए बाइक यात्रा पर रवाना

पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने दीं शुभकामनाएं

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद से लद्दाख तक बाइक यात्रा पर रवाना हुईं युवा युवती मेट्टू बांधवी को हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय जी ने बधाई दी और यात्रा की पूर्ण सफलता की कामना की।

हैदराबाद की निवासी और अरोड़ा डीम्ड यूनिवर्सिटी में एलएलबी की पढ़ाई कर रही छात्रा मेट्टू बांधवी ने हैदराबाद से लद्दाख के लिए एक साहसिक मोटरसाइकिल यात्रा शुरू की है। इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने उन्हें अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुशीराबाद के कलाधर नगर कॉलोनी के अध्यक्ष श्री मेट्टू वासु और श्रीमती मेट्टू पद्मावती की सुपुत्री बांधवी, अपने सपनों के इस सफर को हैदराबाद से दिल्ली होते हुए लद्दाख तक पूरा करेंगी। बाइक एंड टूरिंग कंपनी और मैड ओवर लद्दाख द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस यात्रा में कुल 10 राइडर्स भाग ले रहे हैं। इस यात्रा में हैदराबाद टीम से सुप्रिया, कार्तिक, कैवल्य, मौनिका, नव्या, पल्लवी और अन्य लोग भी भागीदार बन रहे हैं।

इस अवसर पर श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि आज के युवाओं को न केवल सपने देखने चाहिए, बल्कि उन्हें साकार करने के लिए भी प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेट्टू बांधवी द्वारा शुरू की गई यह साहसिक यात्रा न केवल युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ाएगी, बल्कि समाज को यह संदेश भी देगी कि विशेष रूप से युवा महिलाएं किसी भी क्षेत्र में साहस के साथ आगे बढ़ सकती हैं।

श्री दत्तात्रेय ने आगे कहा कि लद्दाख जैसी कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, ऊंचे पहाड़ी रास्तों और चुनौतीपूर्ण सड़कों के बीच इस यात्रा को शुरू करना बांधवी की दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि ऐसी यात्राएं युवाओं में साहस की भावना, अनुशासन और नेतृत्व गुणों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। दत्तात्रेय जी ने बांधवी की सफलता के लिए उनके माता-पिता श्री मेट्टू वासु और श्रीमती पद्मावती द्वारा दिए गए प्रोत्साहन और समर्थन की सराहना की। उन्होंने कहा कि परिवार का सहयोग ही युवाओं की सफलता की सबसे मजबूत नींव होता है।

श्री बंडारू दत्तात्रेय ने आशा व्यक्त की कि बांधवी लद्दाख यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा कर सुरक्षित वापस लौटेंगी और भविष्य में कई और सफलताएं हासिल कर युवाओं के लिए एक रोल मॉडल (आदर्श) बनेंगी।

यदगिरिगुट्टा और स्वर्णगिरि मंदिर में दर्शन किए

भगवान नरसिंह स्वामी, लक्ष्मी माता एवं बालाजी के चरणों में की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुरुषोत्तम मास के शुक्ल पक्ष की पावन परमा एकादशी के अवसर पर गुरुवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह ने अपने परिवार के साथ यदगिरिगुट्टा स्थित भगवान श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना की।

एन.के. सिंह ने भगवान नरसिंह स्वामी एवं माता लक्ष्मी के समक्ष परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। दर्शन के उपरांत उन्होंने स्वर्णगिरि मंदिर पहुंचकर भगवान बालाजी के भी दर्शन किए तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर पूरा परिवार भक्ति एवं श्रद्धा के भाव से पूजा-अर्चना में सम्मिलित हुआ। मंदिर परिसर में आध्यात्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारों के साथ दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त किया।

इस अवसर पर एन.के. सिंह, श्रीमती मालती देवी, मनोहर सिंह, संदीप, रिंकी, सूरज, आदित्य एवं ऋषिका उपस्थित रहे।

ओम प्रकाश बजाज के निवास स्थान कुत्बिगुड़ा में प.प. महाराज श्री अशोक पारिक (भैया जी) के आगमन पर उनका स्वागत करते हुए ओम प्रकाश बजाज एवं परिवार।

कथावाचक मयंक देव शास्त्री का किया गया सम्मान

लव फॉर काऊ फाउंडेशन ने भेंट किया स्मृति चिन्ह

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। लव फॉर काऊ फाउंडेशन के सदस्यों ने मध्यप्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान परम पूज्य कथावाचक श्री मयंक देव शास्त्री का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। कथा कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। लव फॉर काऊ फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने पूज्य मयंक देव शास्त्री से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए उनके द्वारा समाज में धर्म एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. राकेश कौशिक, पुरुषोत्तम गुप्ता, शंकर शर्मा, राजेन्द्र एवं सागर सहित लव फॉर काऊ फाउंडेशन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की स्थिरता को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी गईं

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। खरतरगच्छ जैन श्री संघ, फीलखाना की अति आवश्यक कार्यकारिणी बैठक महावीर प्लाजा स्थित श्री कांतिलाल संकलेचा के कार्यालय में संघ अध्यक्ष श्री रायचंद छाजेड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी 22 एवं 23 जुलाई 2026 को राष्ट्ररत्न सूरी सम्राट, पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की फीलखाना में प्रस्तावित स्थिरता को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं एवं जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया।

बैठक में गुरुदेव के आवास एवं प्रवचन हॉल की व्यवस्था का दायित्व ओमप्रकाश हुंडिया, उत्तमकुमार संकलेचा एवं सुखराज कांकरिया को सौंपा गया। वहीं गौतम प्रसादी व्यवस्था हेतु ललितकुमार संकलेचा, हस्तीमल हुंडिया, भंवरलाल छाजेड़, प्रवीण संकलेचा, मेघराज गोलेच्छा, राणमल बोकड़िया एवं रामलाल ढेलडिया को जिम्मेदारी प्रदान की गई।

गुरुदेव के विहार एवं गोचरी व्यवस्था का दायित्व विक्रमसिंह ढड्ढा एवं मनीष श्रीश्रीमाल को सौंपा गया। बैठक में सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर विशेष चर्चा की गई।

इस अवसर पर चुन्नीलाल संकलेचा, रायचंद छाजेड़, महासचिव ओमप्रकाश हुंडिया, कोषाध्यक्ष कांतिलाल संकलेचा, ललितकुमार संकलेचा, हस्तीमल हुंडिया, प्रवीणकुमार संकलेचा, केयूप अध्यक्ष रमेश पारख, विहार सेवा प्रमुख विक्रमसिंह ढड्ढा, राणमल बोकड़िया, उत्तमकुमार संकलेचा, किशोर कटारिया संघवी, सुखराज कांकरिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में महासचिव ओमप्रकाश हुंडिया ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए आगामी स्थिरता कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामूहिक सहयोग, समर्पण एवं समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

भारत में छह वैश्विक शहर बनाने के लिए टास्कफोर्स का गठन हो : रेवंत रेड्डी

नई दिल्ली/हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को केंद्र सरकार से भारत के छह महानगरोंदिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरुको वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी शहरी केंद्रों में बदलने के लिए एक एम6 सिटीज टास्कफोर्स स्थापित करने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि इन छह शहरों में भारत की लगभग 10 प्रतिशत आबादी रहती है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में इनका योगदान लगभग एक-चौथाई है, फिर भी ये शहर प्रमुख वैश्विक शहरों से पीछे बने हुए हैं।

उन्होंने एक राष्ट्रीय टास्कफोर्स का प्रस्ताव रखा जिसे तेजी से कार्य करने का अधिकार हो। साथ ही उन्होंने प्रत्येक महानगर के लिए 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की मांग की। उन्होंने इसे बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) में एक ऐसा निवेश बताया जो रोजगार, राजस्व और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

तेलंगाना की 8 प्रमुख परियोजनाओं के लिए केंद्र से मांगी मदद

मुख्यमंत्री ने तेलंगाना में आठ प्रमुख परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से समर्थन मांगा। इन परियोजनाओं में शामिल हैं: *रीजनल रिंग रोड

*भारत फ्यूचर सिटी को मछलीपट्टनम बंदरगाह से जोड़ने वाला 12-लेन का एक्सप्रेसवे

*हैदराबाद मेट्रो रेल फेज-2

*मूसी नदी का पुनरुद्धार

*30,000 एकड़ की 'भारत फ्यूचर सिटी' परियोजना को मान्यता और वित्तीय सहायता

*पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए सहायता

*भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत सहायता (जिसमें एपी एमपी और ओए-सएटी सुविधाएं तथा एक माइक्रो-एलईडी फैब्रिकेशन यूनिट शामिल हैं)

*हैदराबाद में भारतीय प्रबंध संस्थान की स्थापना।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने ''समावेशी मानव विकास - विकसित भारत 2047 के लिए शीर्षक से एक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की, जिसमें शिक्षा, कौशल विकास और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के माध्यम से समावेशी विकास के लिए तेलंगाना की रणनीति को रेखांकित किया गया है।

एसईईपीसी सर्वे रिपोर्ट और शिक्षा प्रणाली में बड़े सुधार

यह रिपोर्ट एसईईपीसी सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर आधारित है, जिसमें 242 जातियों के 3.55 करोड़ लोगों और लगभग 97 प्रतिशत परिवारों को शामिल किया गया था। इस सर्वे से सामाजिक समूहों के बीच महत्वपूर्ण शैक्षिक असमानताओं का पता चला है, जिससे शिक्षा के नेतृत्व में सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता पर बल मिलता है।

रिपोर्ट में मौजूदा शिक्षा प्रणाली की प्रमुख कमियों की पहचान की गई है, जिनमें सरकारी स्कूलों में जनता के विश्वास में कमी, अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा का अभाव, अपर्याप्त परिवहन सुविधाएं, प्री-प्राइमरी (पूर्व-प्राथमिक) शिक्षा की अनुपस्थिति और सीमित डिजिटल शिक्षण अवसर शामिल हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' स्थापित कर रही है, जो एक ही परिसर में प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक की शिक्षा के साथ-साथ परिवहन, भोजन, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और डिजिटल लर्निंग सुविधाएं प्रदान करेंगे।

इसके अलावा, सरकार राजधानी के बाहर राज्य के 105 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक में 24,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक 'यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल' स्थापित कर रही है। अन्य पहलों में 26,000 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों को मुफ्त बिजली, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का सुदृढ़ीकरण, एआई और डिजिटल साक्षरता के लिए 'अन्ना अक्का लर्निंग इनिशिएटिव', 11,000 से अधिक शिक्षक पदों की अधिसूचना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप राज्य शिक्षा नीति का निर्माण शामिल है।

रिपोर्ट में 'यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी' और टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 65 आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में बदलने के माध्यम से कौशल विकास पर तेलंगाना के फोकस को भी रेखांकित किया गया।

टॉमकॉम के माध्यम से राज्य युवाओं को विदेशों में रोजगार के अवसरों के लिए भी तैयार कर रहा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य शहरी, उप-शहरी (पेरी-अर्बन) और ग्रामीण विकास पर आधारित विकास मॉडल के माध्यम से 2034 तक 1-ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना और 2047 तक 3-ट्रिलियन डॉलर का जीएसडीपी हासिल करना है।

गौशाला कमेटी में निर्विरोध चयन पर हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट के तीन ट्रस्टियों का सम्मान

राजस्थानी शिक्षा समिति एवं हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट ने किया भव्य स्वागत-सत्कार

निजामाबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के राष्ट्रपति मार्ग स्थित हरिचरण विद्यालय प्रांगण में हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट के ट्रस्टियों के श्री गौशाला कमेटी के विभिन्न पदों पर निर्विरोध निर्वाचित होने के उपलक्ष्य में हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट एवं राजस्थानी शिक्षा समिति द्वारा संयुक्त रूप से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री पवन कुमार केड़िया एवं श्री कमलकिशोर इन्नाणी को श्री गौशाला कमेटी में क्रमशः अध्यक्ष एवं मंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। वहीं श्री पूनमचंद गुप्ता को भी श्री गौशाला कमेटी ट्रस्ट के ट्रस्टी पद पर निर्विरोध चुना गया। इस अवसर पर हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट एवं राजस्थानी शिक्षा समिति के पदाधिकारियों तथा कार्यकारिणी सदस्यों ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का शॉल, साफा, मोतियों की माला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया तथा उनके सफल एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ प्रदान कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रस्ट के ट्रस्टी ओमनारायण अट्टल, संस्था के अध्यक्ष श्रीवल्लभ सारड़ा, मंत्री जितेंद्र मालाणी तथा उपमंत्री राजेंद्र पाण्डे ने श्री गौशाला कमेटी के सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना की।

समारोह में हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी बालकिशन अग्रवाल, राजस्थानी शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष नरेश कुमार तिवाड़ी, कोषाध्यक्ष श्रीकांत झँवर, कार्यकारिणी सदस्य रामजीवन व्यास (गुड्डू), आनन्द राठी, राजेश कुमार तिवाड़ी, पवन कुमार सारड़ा, सुरेश झँवर, योगेश दायमा, श्याम छापरवाल, सोहन इन्नाणी सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज की पहली बैठक में, प्रभु तिवारी को उनकी सफलता पर सम्मानित किया गया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर महावीर हॉस्पिटल में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का कार्यक्रम

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा ने बुधवार को मसाब टैंक स्थित महावीर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अस्पताल के मुख्य द्वार पर भगवान महावीर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रधानमंत्री के दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना के साथ हुआ।

इसके बाद मोर्चा पदाधिकारियों ने गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, डायलिसिस सेंटर, आईसीयू सहित सभी वार्डों का निरीक्षण किया और जैन समाज द्वारा कॉरपोरेट स्तर की सुविधाएं न्यूनतम दरों पर उपलब्ध कराने की सराहना की।

सभा को संबोधित करते हुए हॉस्पिटल ट्रस्टी सुशील संचेती ने मोर्चा के आगमन पर हर्ष व्यक्त किया और मोदी सरकार के सफल कार्यकाल पर बधाई दी।

अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने सिख और जैन समाज के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए गुरु गोविंद सिंह जी, साहिबजादों और दीवान टोडरमल जैन को याद किया। उन्होंने मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम संयोजक प्रदीप सुर-राणा ने ''मोदी है तो मुमकिन है'' के उद्घोष के साथ कहा कि 5 जून से चल रहे केंद्रीय कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी प्रधानमंत्री के प्रति अटूट श्रद्धा को दर्शाती है।

इस अवसर पर महामंत्री हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष शाहजहां, समीखान, रूबीन फ्रांसिस, सचिव सतपाल सिंह, मीडिया संयोजक मुकेश जैन चौहान, रिदा कुड़ोस, अवाईस मिर्जा, सविता रायसोनी, सुमित सिंह मखीजा, एड. मनमोहन सिंह, एड. चंदना जैन, कोषाध्यक्ष परेश शाह, डॉ. घीसूलाल जैन, डॉ. आशा पारख, राजेश पारख सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जहां सेवा है, वहीं प्रभु का वास है : आशा अग्रवाल तेलवाले

हैदराबाद, 11 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने सेवा, समर्पण और मानवता की भावना के साथ जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आशा अग्रवाल तेलवाले ने कहा कि जहां सेवा है, वहीं प्रभु का वास है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल अपने लिए जीना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की सहायता कर उनके जीवन में खुशियां लाना भी है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव, समर्पण और प्रेम के साथ समाज सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है, वह वास्तव में अनुकरणीय एवं प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर संतोष और मुस्कान दिखाई देती है, तब ईश्वर की कृपा का वास्तविक अनुभव होता है। राधे-राधे ग्रुप बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग या संप्रदाय के भेदभाव के मानवता की सेवा में समर्पित होकर कार्य कर रहा है, जो समाज के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सरड़ा, संजय गुप्ता, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, हरीश तोलाराम हिंदूजा, काली गुप्ता, तृषा गुप्ता एवं सुभाष भगेरिया सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का समापन राधे-राधे नाम संकीर्तन एवं मानव सेवा के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित सदस्यों ने भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सेवा कार्यों को जारी रखते हुए जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का संकल्प लिया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह सेवा अभियान निरंतर मानवता, करुणा, सहयोग और परोपकार की भावना को सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा दे रहा है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36°
न्यूनतम : 24°

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.